2023 जनादेश

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

पेज 8-9

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित * * * * सोमवार, 04 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 7, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 226 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

मोदी मैजिक!

● राजस्थान, एमपी और छत्तीसगढ़ में भाजपा ● कांग्रेस की झोली में तेलंगाना

मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ को देश और हिंदी का हार्ट माना जाता है. यानी दिल. बिल्कुल बीच का क्षेत्र. मध्यप्रदेश में भाजपा पहले से अधिक सीटें जीत कर फिर से सत्ता में आई. राजस्थान में कांग्रेस की सरकार को हटा कर सत्ता में आई. और छत्तीसगढ़ में तमाम आकलनों को धता बता करके भाजपा सत्ता में आ गई. इस तरह कांग्रेस ने दो राज्यों में सत्ता गवां दी. और देश के दिल से एग्जिट कर गई. यानी देश के हिंदी हार्टलैंड के इस बड़े हिस्से से जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया. एग्जिट कर दिया.

दिल से एग्जिट

जनता-जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है. मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे. भाजपा की विकास और गरीब कल्याण की नीतियों को आपने जिस तरह लोगों के बीच पहुंचाया, उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम है. हम विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं. हमें ना रुकना है, ना थकना है. हमें भारत को विजयी बनाना है. आज इस दिशा में हमने मिलकर एक सशक्त कदम उठाया है. तेलंगाना के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, भाजपा का समर्थन करने के लिए धन्यवाद. -**नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री भारत सरकार

एमपी में प्रचंड जीत, पीएम मोदी के नेतृत्व वाली 'डबल इंजन' सरकार की कल्याणकारी नीतियों और सुशासन पर जनता की मुहर है. राजस्थान की जीत पीएम मोदी के नेतृत्व में लोगों के अटूट विश्वास की जीत है. **-अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री**

खम्मा घणी राजस्थान! राजस्थान में भाजपा की भव्य विजय के लिए प्रदेश की जनता को हार्दिक धन्यवाद. पीएम मोदी के नेतृत्व में राजस्थान की जनता ने सेवा, सुशासन और विकास पर मुहर लगाई है. **-जेपी नड्डा, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष**

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पर विश्वास और भरोसा जताने के लिए मैं तेलंगाना के मतदाताओं का धन्यवाद करता हूं. मैं उन सभी का भी धन्यवाद करता हूं जिन्होंने हमें छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान में वोट दिया. **-मल्लिकार्जुन खड़गे,** अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान का जनादेश हम विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं, विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी. हम हारे हैं, हताश नहीं हैं. कोशिशें जारी रहेगीं. तेलंगाना के लोगों को मेरा बहुत धन्यवाद. **-राहुल गांधी,** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता

तेलंगाना की जनता ने इतिहास रचते हुए कांग्रेस पार्टी के पक्ष में जनादेश दिया है. यह 'प्रजाला तेलंगाना' की जीत है. यह प्रदेश की जनता और कांग्रेस पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की जीत है. **-प्रियंका गांधी वाड्रा,** कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव

यह तेलंगाना के लोगों का जनादेश है. हमें पोस्टमॉर्टम करने की जरूरत नहीं है. सब कुछ ठीक रहता है, तभी आपको वह जादुई नंबर मिलता है. **-अनुमुला रेवंत रेड्डी,** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, तेलंगाना

विधानसभा चुनाव परिणाम

मध्यप्रदेश

पार्टी	सीट
भाजपा	163
कांग्रेस	66
बसपा	00
अन्य	01

2018 में ▸ भाजपा : 109, कांग्रेस : 114, अन्य : 7

राजस्थान

पार्टी	सीट
भाजपा	115
कांग्रेस	69
बसपा	02
अन्य	13

2018 में ▸ भाजपा : 73, कांग्रेस : 100, अन्य : 27

छत्तीसगढ़

पार्टी	सीट
भाजपा	56
कांग्रेस	33
बसपा	00
अन्य	01

2018 में ▸ भाजपा : 15, कांग्रेस : 68, अन्य : 7

तेलंगाना

पार्टी	सीट
कांग्रेस	64
बीआरएस	39
एआईएमआईएम	07
भाजपा	08
अन्य	01

2018 में ▸ बीआरएस : 88 भाजपा : 01, कांग्रेस : 19

सेमीफाइनल : 3-1 से जीती भाजपा

एजेंसियां। नई दिल्ली

एमपी, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनाव के नतीजों पर पूरे देश की निगाह थी. चार राज्यों काउंटिंग पूरी हो गई, कहां किसकी सरकार बनेगी, इसकी तस्वीर साफ हो चुकी है. दो प्रमुख पार्टियों भाजपा और कांग्रेस के बीच सूबों में वर्चस्व की इस चुनावी जंग में नतीजे 3-1 से बीजेपी के पक्ष में गए हैं. भगवा पार्टी ने न सिर्फ प्रचंड बहुमत के साथ एमपी की सत्ता बरकरार रखी है बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ को कांग्रेस से छीन लिया है. कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में जीत मिली है, जहां भाजपा कभी बड़ी ताकत रही ही नहीं. इस तरह कांग्रेस के साथ सीधे मुकाबले वाले राज्यों में भाजपा ने क्लीन स्वीप करते हुए 3-0 से चुनावी जंग जीत लिया है.

छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर थी, वहीं दक्षिण के राज्य तेलंगाना में मुख्य मुकाबला भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस के बीच हुआ. पांचवें राज्य मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी. आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तीन हिंदी भाषी राज्यों में जीत ने जहां भाजपा में नए सिरे से उत्साह का संचार कर दिया है, वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव किसी भारी झटके से कम नहीं है क्योंकि वह पार्टी शासित दो राज्य भाजपा के हाथों गंवा दिया है.

मध्य प्रदेश निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 167 सीटे जीत ली हैं. वह भारी बहुमत के साथ सत्ता में फिर से वापसी की है. कांग्रेस को 62 सीटें मिली हैं. मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जीत का संकेत स्पष्ट होते ही दोपहर बाद ही जश्न मनाना शुरू कर दिया था. एमपी चुनाव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की लाडली बहना योजना ने हारी बाजी जीतने में बड़ी भूमिका निभाई. वहीं भाजपा ने केंद्र के मंत्रियों और सांसदों को चुनाव लड़वा कर बड़ा दांव खेला, जिसका उसे फायदा मिला. दूसरी तरफ कांग्रेस की गुटबाजी और कमलनाथ का सीएम का चेहरा शायद लोगों को पसंद नहीं आया.

राजस्थान राजस्थान में भी भाजपा ने रिवाज कायम रखते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस से सत्ता छीन ली है.यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है. यहां भाजपा ने 117 सीटें जीत ली हैं. कांग्रेस को 67 सीटें मिली हैं. राज्य की 199 सीट पर मतदान हुआ था क्योंकि एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण उस सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था. यह पूछे जाने पर कि राजस्थान के नए मुख्यमंत्री का नाम कब तक तय किया जाएगा, राजस्थान में भाजपा के चुनाव प्रभारी प्रहलाद जोशी ने कहा कि यह 'बहुत जल्द और सुचारू रूप से' होगा.

छत्तीसगढ़ छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा से आगे थी और बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला है, लेकिन बाद में भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली. यहां की 90 में से 57 सीटों पर जीत दर्ज भाजपा ने इतिहास रच दिया. जबकि कांग्रेस को मात्र 33 सीटों से संतोष करना पड़ा. बसपा और गोंडवाणा गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) ने राज्य की एक-एक सीट जीती है. भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने सीएम भूपेश बघेल को खारिज कर दिया है.

तेलंगाना राजनीतिक रूप से खुद को मजबूत करने की कोशिशों में कांग्रेस तेलंगाना में हैट्रिक की उम्मीद कर रही के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस से सत्ता छीन ली है. राज्य की 119 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस ने 63 सीटें जीती हैं. बीआरएस 40 सीटें ही जीत सकी है. भाजपा 8 सीट, एआईएमआईएम छह और एक पर भाकपा एक सीट जीती है. तेलंगाना में जीत से हिंदी हार्टलैंड की हार पर कांग्रेस को थोड़ा बहुत सुकून मिला है. हालांकि तेलंगाना में भाजपा के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं था.

भाजपा vs कांग्रेस

किस राज्य में किसकी सरकार

देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले 2 केंद्रशासित प्रदेशों को मिला कर अब 17 ऐसे राज्य हैं, जहां या तो भाजपा या फिर उसके गठबंधन एनडीए की सरकार है. अब 12 राज्यों में भाजपा के मुख्यमंत्री होंगे. इन विधानसभा चुनाव के नतीजों से पहले 7 राज्य ऐसे थे, जहां कांग्रेस की सरकार थी या फिर पार्टी वहां सत्ता में भागीदार थी. लेकिन अब यह संख्या घटकर 6 रह गई है. इसके अलावा 8 ऐसे भी राज्य हैं, जहां सत्ता में न तो भाजपा की भागीदारी है और न ही कांग्रेस की. हालांकि, लोकसभा चुनाव से पहले बदली परिस्थितियों के बीच इनमें से कुछ राज्य नवगठित इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं, जिसकी कांग्रेस एक अहम घटक है.

राज्य जहां भाजपा की सरकारः मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, यूपी, उत्तराखंड, गुजरात, गोवा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और त्रिपुरा.

- **राज्य जहां भाजपा गठबंधन की सरकार** : महाराष्ट्र, हरियाणा मेघालय, सिक्किम, नगालैंड.
- **राज्य जहां कांग्रेस की सरकारः** कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना.
- **राज्य जहां कांग्रेस गठबंधन सरकारः** बिहार, झारखंड और तमिलनाडु.
- **राज्य जहां सरकार में न भाजपा और न ही कांग्रेसः** पंजाब, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, केरल, मिजोरम*, पुडुचेरी.

मिजोरम में मतगणना आज

आइजोल। मिजोरम में विधानसभा चुनाव की सोमवार को होने वाली मतगणना के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं. इस बार चुनाव में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है. मिजोरम में मतगणना रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के साथ होनी थी. हालांकि, राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, चर्च और छात्र संगठनों की अपील के बाद निर्वाचन आयोग ने इसे स्थगित कर दिया क्योंकि रविवार का दिन ईसाई बहुल मिजोरम के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है.

टिप्पणी

बूथ लेवल तक सपोर्ट से जीत

सुरजीत सिंह

मोदी मैजिक, मोदी गारंटी, मोदी हैं तो मुमकिन है. चार राज्यों में जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिर से सफल हुए. यह सब ठीक है. पर इससे बड़ा सच यह है कि बीजेपी को बूथ स्तर पर सपोर्ट है. सपोर्ट कांग्रेस को भी है, लेकिन भाजपा ही एक ऐसी पार्टी है, जो इस सपोर्ट को जीत में तब्दील कर सकती है. भाजपा की जीत उसकी ताकत की वजह से है तो कांग्रेस की हार उसकी कमजोरियों की वजह से है. भाजपा की जीत उसके नेताओं-कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का परिणाम है, तो कांग्रेस की हार उसके नेताओं-कार्यकर्ताओं के काहिलपने का परिणाम है. यह हर जगह, हर तरफ दिखती है. चुनावी रिजल्ट से साबित भी होती है.

हारी नहीं, बुरी तरह हारी : मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सिर्फ हारी नहीं है. बल्कि बुरी तरह हारी है. राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता से बाहर हुई और मध्यप्रदेश में पहले से कम सीटें लाई. अगर इन चार राज्यों के चुनावों को 2024 का सेमीफाइनल माना जा रहा था, तो कह सकते हैं कि भाजपा ने इसे जीत लिया है. कांग्रेस बुरी तरह हार गई है.

कहीं दिखते ही नहीं : जनता के बीच, पार्टी कार्यालयों में, खबर या विज्ञापन के जरिए अखबारों में, टीवी पर, न्यूज पोर्टलों में. कांग्रेस के नेता कहीं नहीं दिखते. आपस में ही एक दूसरे की टांग खींचने, नीचा दिखाने की प्रतियोगिता में व्यस्त कांग्रेस नेता एक अलग तरह के ही रोग के शिकार हैं. अंग्रेजी के आई, मी, माय सेल्फ की बीमारी से ग्रस्त कांगेसी मीडिया से दूरी, मीडिया से बदतमीजी, सहयोगियों को दूर करने के काम में मशगूल रहते हैं. नीचे से ऊपर तक के नेताओं की यही स्थिति है. कांग्रेस के किसी नेता से कुछ बोल कर देखिए और वही बात भाजपा के नेताओं से बोल करके देखिए, फर्क साफ नजर आ जाएगा. दोनों दलों के नेताओं से बात करने व मिलने की कोशिश करिए, फर्क दिख जाएगा. अव्वल तो कांग्रेसी नेता मंत्री फोन पर उपलब्ध ही नहीं मिलेंगे, उपलब्ध हो भी गए तो मिलने का वक्त दो-चार दिन बाद की करेंगे और मिलेंगे तो कुछ करेंगे नहीं. खुद की मजबूरी और पार्टी के लोगों को कोसने का ही काम करेंगे.

हार तो मिलेगी ही : अहंकार, दंभ, गर्व, अभिमान, दर्प, मद, घमंड, ठसक, अकड़, मान. कर्नाटक जीत के बाद कांग्रेसी नेताओं ने इन शब्दों को अपने भीतर समाहित कर लिया. नेतृत्व की मानेंगे नहीं. पार्टी से पहले खुद के फायदे की सोचेंगे. पूछता कोई नहीं पर व्यस्त बहुत हैं. सत्ता की दलाली कर धन बनाने और देने वालों को पास रखेंगे. यही स्थिति हर जगह है. एमपी से लेकर राजस्थान, छत्तीसगढ़ तक. जहां चुनाव नहीं है, वहां भी. यूपी, बिहार, झारखंड सब जगह. एक जैसी स्थिति. निजी फायदे के लिए सपोर्ट करने वालों से दूरी और मौकापरस्तों से नजदीकी. कांग्रेस की सपोर्टिंग पार्टियों में भी यह रोग कम नहीं. जब तक यह नहीं बदलता, कांग्रेस हारती रहेगी और भाजपा जीतती रहेगी.

झारखंड राज्य में शिक्षकों के 70 फीसदी पद हैं खाली

कहीं ढह न जाए हायर एजुकेशन का ढांचा, राजभवन गंभीर

रवि भारती। रांची

झारखंड हायर एजुकेशन का ढांचा ढहने की स्थिति में हैं. पूरे राज्य के विश्वविद्यालयो में 70 फीसदी पद खाली हो गए हैं. यूजीसी गाइडलाइन के अनुसार 40 छात्रों में एक शिक्षक का होना जरूरी है. लेकिन वर्तमान में 100 छात्रों में एक शिक्षक हैं. राज्य के विश्वविद्यालयों में 4476 शिक्षकों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन इसमें से 3064 पद खाली हैं. इस मामले को राजभवन ने गंभीरता से लिया है. राजभवन ने जल्द से जल्द पदों को भरने को कहा है.

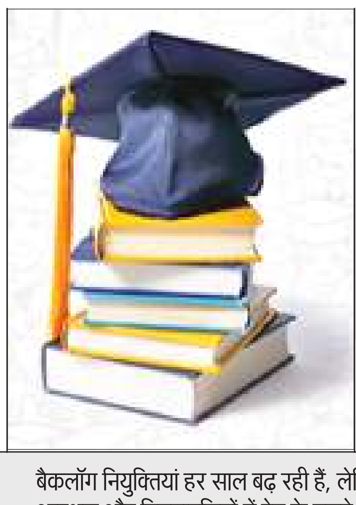

मुख्य बातें

- 4476 पदों में से 3064 पद हैं खाली
- यूजीसी गाइड लाइन के अनुसार होना चाहिए 40 छात्रों पर एक शिक्षक
- वर्तमान में हैं 100 छात्रों पर एक शिक्षक

यूजीसी ने भी लिखा पत्र

यूजीसी ने भी इस मामले को लेकर सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और कॉलेजों के प्राचार्यों को इस संबंध में एक पत्र लिखा है. कहा है कि इतने कम शिक्षकों में राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में पढ़ाई कैसे संभव हो पा रही है. विश्वविद्यायलयों से राज्य के सभी कॉलेजों और कॉलेजों से शिक्षकों के रिक्त पदों पर नियुक्ति करने और साल के अंत तक शिक्षकों की अपडेटेड लिस्ट यूजीसी के पोर्टल पर अपलोड करने को भी कहा गया है.

23 वर्षों में सिर्फ एक बार हुआ जेट

एक तरफ राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी है. वहीं दूसरी ओर इन खाली पड़े पदों भरने के लिए कभी भी ईमानदारी से प्रयास नहीं किया गया है. शायद यही वजह है कि राज्य गठन के 23 वर्षों में सिर्फ एक बार झारखंड पात्रता परीक्षा यानी जेट का आयोजन हुआ है. राज्य में 15 अक्टूबर 2006 को पात्रता परीक्षा हुई थी उसके बाद से एक भी पात्रता परीक्षा आयोजित नहीं हो सकी है.

किस यूनिवर्सिटी में कितने पद हैं खाली

- रांची विश्वविद्यालय में 688 शिक्षकों के पद खाली
- **विनोबा भावे विश्वविद्यालय में 326 पद खाली**
- कोल्हान विश्वविद्यालय में 700 पद खाली
- **सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय में 600 पद खाली**
- नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में 450 पद खाली
- **डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय में 80 पद खाली**
- नोट: 556 पद पर बैकलॉग से नियुक्ति की जानी है.

हर साल बढ़ती जा रही बैकलॉग की नियुक्तियां

बैकलॉग नियुक्तियां हर साल बढ़ रही हैं, लेकिन झारखंड लोक सेवा आयोग से नियुक्ति की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही है. आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आरक्षण और नियमावलियों में पेच के चलते नियुक्ति प्रक्रिया बाधित है. हालांकि बैकलॉग के आधार पर लगभग तीन दर्जन शिक्षकों की नियुक्ति हुई है.

आपकी बात

पारिवारिक जिम्मेवारियों का बीड़ा उठाते हुए भी कभी शिक्षा-दीक्षा के मूल्यों से समझौता नहीं किया. वक्त की पाबंद रही हूं.

नाम : राजरानी सिन्हा
पद : सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका
जन्मस्थल : हजारीबाग
कर्मस्थल : हजारीबाग

करीब 36 वर्षों तक निरंतर नौनिहालों का भविष्य संवारनेवाली नूरा निवासी राजरानी सिन्हा किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं. वह मिडिल स्कूल] हुरहुरू से वर्ष 2017 में सरकारी सेवानिवृत्त हुईं. इससे पहले हजारीबाग जिले के विभिन्न विद्यालयों में बेहतर तालीम से बच्चों की बुनियाद मजबूत कीं. भरे-पूरे परिवार से ताल्लुक रखनेवाली 9 भाई-बहनों में सबसे बड़ी राजरानी सिन्हा ने वर्ष 1981 में शिक्षक की नौकरी शुरू की. उस वक्त वह नहीं जानती थीं कि शिक्षण के क्षेत्र में एक वक्त ऐसा भी आएगा कि उन्हें शिक्षा के मंदिर निर्माण में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लंबा संघर्ष करना होगा. सदर प्रखंड के मिडिल स्कूल की जब वह प्रधानाध्यापिका बनीं, तो अतिरिक्त वर्गकक्ष निर्माण में सरकारी राशि की बंदरबांट के खिलाफ पूरी तरह मुखर हो गईं. उनके आवाज उठाने का ही सुखद फलाफल रहा कि भ्रष्टाचार में संलिप्त रहनेवालों को मुंह की खानी पड़ी और सरकारी राशि का सदुपयोग हो पाया. घर में सबसे बड़ी बेटी होने के कारण उन्होंने पूरे परिवार में अपना बड़प्पन भी दिखाया. पूरे परिवार को साथ में लेकर चलना उन्होंने अपनी जिम्मेवारी और फर्ज को बखूबी निभाया. आज टाटीझरिया प्रखंड के मिडिल स्कूल होलंग के बच्चे, जो हरियाली की छांव में अध्ययनरत हैं, वह राजरानी सिन्हा का ही कभी ड्रीम प्रोजेक्ट था. विद्यालय कैंपस को हरा-भरा बनाने में उनका अमूल्य योगदान रहा है. वह कहती हैं कि तन-मन के साथ अगर कहीं धन लगाने की भी जरूरत पड़ी, तो उन्होंने खुद के खर्च से कई बच्चों का भविष्य गढ़ने में कभी पीछे नहीं रहीं. बच्चों के प्रति उनके मनोभाव में असीम स्नेह रहा है. आज भी वह उन विद्यालयों और वहां के किसी बच्चों को भूल नहीं पायी हैं. पारिवारिक जिम्मेवारियों का बीड़ा उठाते हुए भी कभी शिक्षा और दीक्षा के मूल्यों से समझौता नहीं किया. वक्त की पाबंदी उनके जीवन में सबसे महत्वपूर्ण मंत्र रहा. समय के पहले स्कूल पहुंचना और सबके जाने के बाद स्कूल की सुरक्षा का ख्याल करते हुए कैंपस से निकलना, उनकी रूटीन में शामिल रहा. अनुशासन, करूणा, दया और सद्भाव का संदेश, वह बच्चों के जीवन में सदैव देती रहीं.

ब्रीफ खबरें

राजद कार्यालय में मनायी गयी जयंती

रांची। राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश कार्यालय में रविवार को भारत के प्रथम राष्ट्रपति व स्वतंत्रता सेनानी डॉ राजेंद्र प्रसाद की 139वीं जयंती मनायी गयी. राष्ट्रीय जनता दल प्रदेश के पदाधिकारी, रांची जिला व महानगर के पदाधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित हुए. डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किया. इस दौरान पार्टी के इरफान अंसारी, अंजल किशोर सिंह, धर्मेंद्र महतो, शालिग्राम पांडे, गायत्री देवी मौजूद रहे.

परिणामों का असर आगे नहीं दिखेगा : राजेश

रांची। चार राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में करारी हार के बाद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में निराशा देखने को मिली और कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय में सन्नाटा रहा. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि पिछले चुनावों में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार थी, लेकिन केंद्र में कांग्रेस को हार मिली.

सफाईकर्मी राजभवन के समक्ष आज देंगे धरना

रांची। झारखंड के सफाई कर्मचारी अपनी मांगो को लेकर आज रांची के राज्य भवन पहुंचेंगे. ये लोग अपनी मांगो लेकर बीते नवंबर से राज्य भर के जिलो में यात्रा कर रहे है. इस यात्रा के दौरान सफाई कर्माचरी संघ सभी जिलों के कलेक्टर को अपनी मांग पत्र सौप रहे है. इनकी यात्रा 28 नवंबर को गुमला से शुरू हुई थी. गुमला से शुरू होकर रांची पुहंच रही है. रांची में ये लोग राज भवन के सामने धरना देंगें और अपनी मांग राज्यपाल के समक्ष रखेंगे.

प्रतियोगिता में जीतने वाले मिलेंगे एक लाख

रांची। केंद्रीय सरना समिति की अध्यक्षता में सरना टोली हातमा ने बैठक की. अध्यक्षता मुख्य पाहन जगलाल पहान एवं संचालन केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने किया. कहा कि 3 जनवरी को मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा की जयंती पर तीन दिनी फुटबॉल प्रतियोगिता होगी. मैच जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम कचहरी रोड रांची में होगा .प्रथम पुरस्कार लाने वाले खिलाड़ियों को एक लाख, द्वितीय पुरस्कार 50 हजार से सम्मानित होगे.

मजलिस उलेमा का लोकतंत्र बचाओ- संविधान बचाओ महाधिवेशन आयोजित

संविधान के पहले पन्ने को भी कोई बदल नहीं सकता : सुबोधकांत सहाय

- संविधान को बचाने के लिए सभी को एकसाथ मिल कर आगे बढ़ने की जरूरत है
- सभी धर्म, जाति को एकजुट हो संविधान को बचाने की जरूरत है

संवाददाता। रांची

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि प्रथम राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद संविधान सभा के अध्यक्ष थे. भारत का संविधान सभी धर्म, समुदाय, अमीर-गरीब सभी के लिए बनाया गया है. संविधान में हर नागरिक के अधिकार हैं. संविधान का पहले पन्ने को भी कोई बदल नहीं सकता है. चुनाव आयोग के गठन पर सुप्रीम कोर्ट ने भी सवाल उठाया. नोटबंदी कर संवैधानिक ढांचे को ठेंगा दिखाया. वे रविवार को संविधान बचाओ लोकतंत्र बचाओ महाअधिवेश में बतौर मुख्य अतिथि अपने उद्गार व्यक्त कर रहे थे. इसका आयोजन मुस्लिम मजलिस ए उलेमा झारखंड के तत्वावधान पर मेन रोड स्थित सिटी प्लाजा सभागार में किया गया था.

संविधान नहीं बचा तो यह देश टूट जाएगा : फुरकान

पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने कहा कि संविधान नहीं बचा तो यह देश टूट जाएगा. देश बचाने के लिए एक अभियान को चलाना होगा. झारखंड में इस मुहिम को और मजबूत ढंग से आगे बढ़ाने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि अभी चुनाव करीब है, जब लोकतंत्र ही नहीं रहेगा, संविधान ही नहीं रहेगा, तो कैसे जीतेंगे आप. सभी को फैसला करना चाहिए ति हम ईवीएम से मतदान नहीं करेंगे. मोदी जी ने चाल चल दी है, बड़े राज्य को टारगेट में लेते हैं और अपनी छाप छोड़ जाते हैं. सभी धर्म, जाति को एक होने की जरूरत है, संविधान को बचाने की जरूरत है.

अमीर-गरीब सबके लिए संविधान में समान अधिकार : मुफ्ती अजहर

मुफ्ती अब्दुल्लाह अजहर कासमी ने कहा कि भारत के खूबसूरत गुलदस्ते के हर धर्म के लोगों को एक साथ खूबसूरत जिंदगी गुजारने का संविधान में अधिकार है. हम भारत के लोग एक साथ मिल कर रहेंगे, तो बड़ी ताकत होगी. अमीर, गरीब सभी के लिए संविधान में समान अधिकार है.

लोकतंत्र को खत्म करनेवाले को खत्म करेंगे

पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि आज देश का संविधान संकट में है. लोकतंत्र संकट में है. भारत की आजादी में हिंदू, मुस्लिम, सिख, इसाई सभी ने अपनी शहादत दी है .हम लोकतंत्र को खत्म नहीं होने देंगे, इसे खत्म करने वाले को ही खत्म कर देंगे.

मासूम मो जैद के संविधान स्पीच को सभी ने सराहा

सात साल के बच्चे मो जैद ने संविधान पर अंग्रेजी में स्पीच दिया. वह बीच-बीच में हिंदी में लोगों को समझा भी रहा था. बच्चे की बेबाक प्रस्तुति को पूर्व मंत्री सुबोधकांत सहाय, पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने खूब सराहा. उन्होंने बच्चे को पास बुला कर मुबारकबाद दी. मौके पर सुधीर गोप, आबिद अली, कैलाश यादव, मौलाना यासीन कासमी, आजम अहमद, भुवनेश्वर केवट, फरहाना खातून, हाजी मो मजहर, मोख्तार अहमद ने भी विचार रखे. अनवर खान, मो जबिउल्लाह, मो नसीम, मास्टर मुजम्मिल, अकीलुर्रहमान, शोएब अंसारी आदि आयोजन को सफल बनाने में जुटे थे.

200 गांवों में संविधान की शपथ दिलाई : प्रभाकर

झारखंड आंदोलनकारी प्रभाकर तिर्की ने कहा कि जमीन का लिखित खतियान है, उसी तरह हर नागरिक के लिए लिखित संविधान है. इसे सभी को जानना जरूरी है. 200 गांवों के लोगों को संविधान की शपथ दिलाई गई है.

नीला नाग और मुकेश कुमार भाजपा में शामिल हुए

रांची। चाईबासा नगर परिषद की पूर्व चेयरमैन और आईसीसी की सदस्य नीला नाग और कांग्रेस के नगर अध्यक्ष मुकेश कुमार ने भाजपा का दामन थाम लिया है. भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की मौजूदगी में दोनों नेता भाजपा में शामिल हुए. बाबूलाल मरांडी ने दोनों नेताओं का माला पहनाकर स्वागत किया. उन्होंने कहा कि नीला नाग और मुकेश कुमार के भाजपा में आने से सिंहभूम में भाजपा मजबूत होगी. वहीं नीला और मुकेश ने कहा कि भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों से प्रभावित होकर वे भाजपा में शामिल हुए हैं. पार्टी की ओर से उन्हें जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी उसका ईमानदारी से निर्वहन करेंगे.

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में पसरा सन्नाटा, छायी मायूसी

रांची स्थित कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में रविवार को सन्नाटा पसरा रहा.

संवाददाता। रांची

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में जश्न की तैयारी थी, लेकिन रुझानों के आने के बाद वहां मौजूद नेता-कार्यकर्ता निकलते बने. प्रदेश स्तरीय नेताओं से लेकर जिला स्तर तक का कोई भी नेता प्रदेश कार्यालय नहीं पहुंचा. कांग्रेसजनों में मायूसी इस बात की थी कि राजस्थान में भी रिवाज बदलेगा. कांग्रेस की सत्ता बरकरार रखेगी पर ऐसा नहीं हुआ. मध्य प्रदेश में भी कमलनाथ के नेतृत्व में सत्ता वापसी की उम्मीद कांग्रेस के नेता लगाए बैठे थे, तो छतीसगढ़ में एकतरफा जीत की उम्मीद कांग्रेसजनों को थी. लेकिन जो नतीजे आए, उसके अनुसार तेलंगाना को छोड़ बाकी तीनों राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा के मुकाबले फीका रहा. प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने यह उम्मीद लगा रखी थी कि चारों प्रदेशों में पार्टी बेहतरीन प्रदर्शन करेगी. जश्न की पूरी तैयारी भी थी. प्रदेश कार्यालय में लड्डू से लेकर आतिशबाजी की पूरी व्यवस्था भी कर ली गई थी. पर सबकुछ धरा का धरा रह गया. नतीजा यह है कि झारखंड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सन्नाटा छाया हुआ है.

खूब उड़े गुलाल, मिठाइयां बांटी और आतिशबाजी कर भाजपा ने जताई खुशी

तीन राज्यों में जीत पर झारखंड भाजपा मुख्यालय में एकसाथ मनी होली-दिवाली

संवाददाता। रांची

तीन राज्यों में भाजपा की प्रचंड जीत की खुशी में रांची में भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में होली - दिवाली एक साथ मनाई गई. भाजपा ऑफिस में खूब रंग-गुलाल उड़े. नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक- दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाइयां खिलाकर जीत की बधाई दी. खूब आतिशाबाजी भी हुई. मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा, पूर्व सांसद रवींद्र राय, प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव समेत कई नेता- कार्यकर्ता मौजूद थे. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि चुनाव से पहले राहुल गांधी और सोनिया गांधी सहित कांग्रेस पार्टी की पूरी जमात ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हताशा में कई निजी हमले किए. देश विरोधी ताकतों के साथ मिलकर प्रधानमंत्री की छवि खराब करने की साजिशें रची गईं. निजी हमलों की परवाह किए बिना प्रधानमंत्री ने जनता के कल्याण और देश के विकास में स्वयं को समर्पित कर दिया, जिसेआज पूरा देश देख रहा.एक अकेला मोदी सब पर भारी है.

11 सूत्री मांगों को लेकर आज जुटेंगे राज्य भर के अराजपत्रित कर्मचारी

रांची। 11 सूत्री मांग को लेकर सोमवार को मोरहाबादी मैदान में झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के बैनर तले हजारों कर्मी जुटेंगे. यहां से सभी कर्मचारी राजभवन के समीप डॉक्टर जाकिर हुसैन पार्क पहुंचेंगे. बता दें कि सभी जिले के उपायुक्तों के समक्ष एकदिवसीय धरना को सफल कर मांग पत्र समर्पित करने के बाद सभी कर्मी रांची पहुंचेंगे. संघ के संयुक्त मंत्री सुशांत कुमार साहू ने कहा कि हमारी मुख्य मांग है कि तृतीय वर्ग के सभी राज्य कर्मियों जैसे- लिपिक, पंचायत सचिव, राजस्व उप निरीक्षक व अन्य का न्यूनतम ग्रेड पे 2400 रुपया किया जाए. चतुर्थ वर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग के रिक्त कुल पदों के 50% पद पर प्रोन्नति दी जाए. स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत सहिया, बीटीटी, एसटीटी, पारामेडिकल कर्मियों, एएनएम के लिए संवर्गीय नियमावली बनाई जाए. पद के अनुरूप वेतन, मानदेय में सम्मानजनक बढ़ोतरी करते हुए प्रोन्नति का मार्ग प्रशस्त किया जाए, साथ ही नियमित किया जाए.

श्रद्धासुमन अलबर्ट एक्का के शहादत दिवस मना, राज्यपाल ने दी श्रद्धांजलि

देश को लांस नायक की शहादत पर नाज : राज्यपाल

संवाददाता। रांची

शहीद अलबर्ट एक्का के शहादत दिवस के मौके पर रांची के अलबर्ट एक्का चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और राज्य के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने श्रद्धांजलि अर्पित की. इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि देश को लांस नायक की शहादत पर नाज है. वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने कहा कि शौर्य और वीरता के प्रतीक परमवीर चक्र से सम्मानित झारखंड के वीर सपूत शहीद लायंस नायक ने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर झारखंड का नाम इतिहास में अमर कर दिया. उन्हें याद करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की

जरूरत है.

बता दें कि शहीद अल्बर्ट एक्का 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सर्वश्रेष्ठ बलिदान देकर पाकिस्तान को परास्त करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई थी.

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त राहुल सिन्हा, वरीय आरक्षी अधीक्षक चंदन सिन्हा, सिटी एसपी राज कुमार मेहता, एडीएम राजेश्वर नाथ आलोक सहित अन्य मौजूद रहे.

परमवीर अलबर्ट एक्का की समाधिस्थल आज भी उपेक्षित

रांची। परमवीर चक्र विजेता अलबर्ट एक्का के गांव जारी में स्थित समाधिस्थल पर रविवार को पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की और प्रखंड जारी की अंचल अधिकारी रेशमा मिंज ने श्रद्धांजलि दी और श्रद्धासुमन अर्पित किये. इससे पहले अलबर्ट एक्का की प्रतिमा और समाधिस्थल में गार्ड आफ ऑनर दिया गया. इस अवसर पर पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की ने कहा कि परमवीर अल्बर्ट एक्का की समाधिस्थल आज भी उपेक्षित है. पुण्यतिथि के दिन भी समाधिस्थल की सफाई भी नहीं की गयी थी और न घेराबंदी की गयी. रंगरोगन भी नही हुआ. प्रखंड में स्वास्थ्य सेवा आज तक बहाल नहीं हो पायी है. डॉक्टर नहीं होने के कारण मरीज 14 किमी दूर चैनपुर और 60 किमी दूर गुमला जिला जाना पड़ता है.

15 साल से एक अर्धनिर्मित अस्पताल बनकर तैयार : रतन तिर्की ने परमवीर अलबर्ट एक्का प्रखंड में बीडीओ को पदस्थापित करने की मांग की. प्रखंड में 15 साल से एक अर्धनिर्मित अस्पताल बनकर तैयार है, जो शुरू नहीं हुआ.

चार राज्यों के चुनाव परिणाम पर बोले जेएमएम विधायक

झारखंड पर नहीं पड़ेगा कोई असर : सरफराज

मुख संवाददाता। रांची

झारखंड मुक्ति मोरचा के विधायक डॉ सरफराज अहमद ने कहा कि इंडिया गठबंधन बना. लेकिन राज्यों के चुनाव पर विचार नहीं किया गया. गठबंधन की ही कुछ सीटों का बंटवारा आपस में हो गया. जिसका परिणाम यह हुआ कि जीत हासिल नहीं हो पाई. अब आने वाले चुनाव में इंडिया गठबंधन को बैठ कर एक बार गहन चिंतन करना होगा. खामियों को दूर करने की कोशिश होनी चाहिए. वैसे इस राज्यों के चुनाव नतीजे का झारखंड में कोई असर नहीं पड़ने वाला है. यहां की सरकार जनता के लिए काम कर रही है. सरकार आपके द्वार योजना के तहत हर तरह के मामलों का निपटारा कर रही है. गरीब और नौजवानों के लिए कई योजनाएं चला रही है. नौ जवानों के लिए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई बेहतर काम किए जा रहे हैं. बच्चियों के लिए भी सरकार कई योजनाएं चला रही है. सभी योजनाएं जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप चल रही हैं.

'परिणाम झारखंड में कोई मायने नहीं रखता'

झामुमो विधायक मथुरा महतो ने कहा कि चार राज्यों का चुनाव परिणाम झारखंड के लिए कोई मायने नहीं रखता. झारखंड का मुद्दा और झारखंड की स्थिति अन्य राज्यों से बिलकुल ही अलग है. यहां विपक्ष व्यक्तिगत मुद्दों को लेकर आवाज उठाता है. जबकि हेमंत सरकार सामूहिक मुद्दों को लेकर आगे बढ़ती है. इस सरकार में जनता के अनुरूप काम हो रहा है. सरकार जनता के लिए कई योजनाएं बना रही है. सरकार जनता के द्वार तक पहुंच रही है. सरकार का विजन भी स्पष्ट है. झारखंड में इन राज्यों के चुनाव परिणाम का कोई असर नहीं पड़ने वाला है.

झारखंड में कोई असर नहीं होगा: सुदिव्य

झामुमो विधायक सुदिव्य कुमार सोनू ने चार राज्यों के चुनाव परिणाम पर कहा कि हर राज्य की परिस्थितयां अलग-अलग होती हैं. झारखंड की परिस्थिति अलग है. सरकार जनहित में लगातार काम कर रही है. जनता के अनुरूप योजनाएं भी चल रही हैं. शिकायतों का निष्पादन त्वरित गति से किया जा रहा है. आने वाले दिनों में इसे और बेहतर किया जाएगा.

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.1	16.0
जमशेदपुर	30.4	18.4
डालटनगंज	30.4	16.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * * * *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार, 04 दिसंबर 2023 ● मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष 7, संवत 2080 ● पृष्ठ : 16, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 226

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

- सिर व पेट में मारीं आधा दर्जन गोलियां, जेल में जुटा धनबाद महकमा
- विभिन्न थानों में अमन सिंह के खिलाफ हत्या, रंगदारी के तीन दर्जन मुकदमे दर्ज हैं
- नीरज सिंह हत्याकांड में पुलिस ने किया था गिरफ्तार जेल से ही बना लिया गिरोह
- जेल पहुंचे डीसी-एसएसपी समेत तमाम आलाधिकारी पुलिस कर रही है जांच

कैसे पहुंचा जेल में हथियार

जेल में हथियार पहुंचना जेल प्रबंधन की बड़ी नाकामी है. पुलिस हथियार पहुंचने के रास्ते तलाश रही है. बताया जा रहा कि जेल में अनाज व सब्जी पहुंचाने वाले वाहनों की चेकिंग नहीं होती. टोटो-ऑटो से सब्जी, जबकि मैजिक से राशन आता है. इनकी छानबीन होनी तय है.

बोला था- हत्या हो जाएगी मेरी

कोर्ट में हाजिरी देने आये अमन ने कैदी वैन से ही चिल्ला कर खुद की हत्या हो जाने की बता कही थी. तब वह धनबाद से दुमका शिफ्ट हो रहा था. फिर उसे हजारीबाग और धनबाद वापस लाया गया. करीब एक साल से अमन धनबाद जेल में बंद था.

कोयलांचल में सनसनी : जेल के अंदर अफरा-तफरी, कैदी हुए बेकाबू, भारी बवाल

धनबाद जेल में बंद शूटर अमन सिंह की हत्या

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जेल में बंद यूपी के कुख्यात शूटर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई . रविवार को दोपहर करीब तीन बजे धनबाद जेल उसे खून से लतपथ हालत में एसएसएनएमएच अस्पताल लाया गया था, जहां उसे चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया. अमन के सिर में बिलकुल सटा कर गोली मारी गई थी, एक गोली चेहरे और चार गोलियां उसके पेट में मारी गईं. वारदात की खबर पाते ही धनबाद महकमा में हड़कंप मच गया. तुरंत उपायुक्त, एसएसपी, एडीएम लॉ एंड आर्डर समेत पूरा पुलिस जेल पहुंच गया. जेल में घंटों तक छानबीन चल रही है. सूत्रों की मानें तो जेल में तीन घंटे तक छानबीन के बाद भी पुलिस प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं कर पाई है. इस बीच रांची से फॉरेंसिक की टीम धनबाद के लिए रवाना हो गई है। टीम के पहुंचने के बाद ही जांच का काम आगे बढ़ेगा.

बताते चलें कि अमन सिंह को धनबाद पुलिस उपमेयर नीरज सिंह की हत्याकांड में मुख्य आरोपी मानते हुए गिरफ्तार किया था. इस मामले में अन्य अभियुक्तों के साथ वह भी चार्जशीटेड है. जेल में वक्त गुजरने के साथ-साथ अमन सिंह धनबाद में कुख्यात होता चला गया. जेल से ही रंगदारी वसूली का धंधा चलाने लगा. यूपी समेत कोयलांचल के कई शातिर अमन सिंह के साथ जुट गए. पुलिस फाइलों के अनुसार अब तक अमन गिरोह में साठ लोगों के जुड़ने की बात कही जा रही है. जबकि उसके खिलाफ तीन दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं. अमन सिंह को रंगदारी के लगातार आरोप लगने के बाद दुमका जेल भी शिफ्ट किया गया था, लेकिन बाद में वह फिर धनबाद जेल ला दिया गया.

नीरज सिंह समेत 4 हत्या मामलों में जेल में बंद था अमन सिंह

अपराधी गांधी ने अमन सिंह को मारी गोली!

धनबाद जेल में बंद शूटर अमन सिंह की हत्या के मामले में विश्वस्त सूत्रों यह जानकारी मिली है कि उसे जेल अस्पताल में गोली मारी गई, वो बीमार था और अस्पताल में इलाज करवा रहा था. इसी दौरान अमन को गोली मार दी गई, पुलिस इस मामले में गांधी नामक अपराधी से पूछताछ कर रही है, खबर है कि गांधी ने ही गोली मारी है, गांधी मटकुरिया निवासी सतीश सिंह नामक जमीन कारोबारी को गोली मरने के आरोप में जेल में बंद है, हालांकि इस बात को पुष्टि नहीं हो पाई है.

धनबाद जेल में बंद शूटर अमन सिंह का अस्पताल में रखा शव

धनबाद के इतिहास में पहली घटना, जेल में गोली मार कर हत्या

जिले में हत्याएं तो बहुत हुईं, न जाने कितनी बार खून से धरती लाल हुई. जिले के इतिहास में पहली बार जेल में बंद किसी बंदी की हत्या हुई है. पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या में शामिल शूटर अमन सिंह की जेल के अंदर हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं. इसके साथ हीं जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लगा है. अमन सिंह दूसरों की हत्या के लिए सुपारी लेता था. अब उसके नाम की सुपारी किसने दी. इसके साथ ही जेल के अंदर पिस्टल कैसे गई, के साथ ही कई सवालों के उत्तर मिलने बाकी हैं. बता दें कि नीरज सिंह की हत्या से पहले भी अमन कई हत्याएं करवा चुका था. जिसमें अमन सिंह गैंग ने गुजरात वालसाड के भाजपा नेता शैलेश पटेल की हत्या भी करवाई थी. सुपारी लेकर उसके गैंग के आजमगढ़ निवासी वैभव यादव व अयोध्या निवासी आशीष उर्फ सत्यम ने दो और शूटरों के साथ मिल कर शैलेश पटेल को छलनी कर दिया था.वहीं, आसनसोल के बीजेपी नेता राजू झा की हत्या भी अमन गैंग ने ही करवाई थी. दोनों मामले में अमन गैंग ने सुपारी किलिंग की. इसके अलावा, बरवाअड्डा कुर्मीडीह निवासी राजकुमार साव की हत्या भी एक सुपारी किलिंग थी.

7 गोलियां मारी गईं अमन सिंह को, 2 सिर, 1 आंख, 4 पेट में मारी

धनबाद। धनबाद जेल में बंद धनबाद के बहुचर्चित नीरज सिंह हत्याकांड के आरोपी अमन सिंह की गोली मार कर हत्या कर दी गई . सूत्रों के अनुसार अमन सिंह को 7 गोलियां लगी है, दो गोली सिर में एक आंख में और चार गोलियां पेट के हिस्से में लगी है.

अमन सिंह, जेल में बैठ कर रंगदारी के अलावा करवाता था सुपारी किलिंग

धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह हत्याकांड में यूपी एसटीएफ ने मिर्जापुर जेल के बाहर से मई, 2021 में अमन सिंह को गिरफ्तार कर धनबाद पुलिस को सुपुर्द किया था. मगर पुलिस शायद यह नहीं जानती थी कि यही अमन सिंह आने वाले समय में धनबाद में आतंक का पर्याय बन जाएगा. अमन गैंग सिर्फ धनबाद व बोकारो के व्यापारियों से रंगदारी ही नहीं वसूल रहा था, बल्कि सुपारी लेकर लोगों की हत्याएं भी कर रहा था. अमन सिंह गैंग ने गुजरात के बालसाड के बीजेपी नेता शैलेश पटेल की हत्या भी करवाई थी. सुपारी लेकर उसके गैंग के आजमगढ़ निवासी वैभव यादव व अयोध्या निवासी आशीष उर्फ सत्यम ने दो और शूटरों के साथ मिल कर शैलेश पटेल को छलनी कर दिया था. वहीं,आसनसोल के बीजेपी नेता राजू झा की हत्या भी अमन गैंग ने ही करवाई थी. दोनों मामलों में अमन गैंग ने सुपारी किलिंग की. इसके अलावा, बरवाअड्डा कुर्मीडीह निवासी राजकुमार साव की हत्या भी एक सुपारी किलिंग थी.

कैदियों को काबू में करने के लिए पुलिस को भांजनी पड़ीं लाठियां, तनाव कायम

धनबाद जेल में गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या की घटना के बाद रविवार को अफरा-तफरी मच गयी. वही जेल प्रशासन और जिला पुलिस बल जेल के अंदर कैदियों को काबू करने के प्रयास में देर शाम तक जुटे रहे. जेल सूत्रों के मुताबिक अंदर में कैदियों को काबू करने के लिए पुलिस को लाठी भांजनी पड़ीं. इसके बावजूद बंदी काबू से बाहर बताए जा रहे. वही जिला पुलिस ने कैदियों को काबू में लाने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल जेल के अंदर भेजा है. जिससे जेल के अंदर की व्यवस्था को नियंत्रित किया जा सका.

अमन सिंह की हत्या के बाद प्रिंस खान के 5 गुर्गों को जेल के बाहर ही रोका गया : गैंगस्टर अमन सिंह की हत्या की खबर थोड़ी ही देर में पूरे धनबाद जिले में तेजी से फैल गई. वहीं जब अपराधी सरगना प्रिंस खान के लिए काम करने वाले पकड़ाए पांच अपराधियों को पुलिस जेल ले जा रही थी, इसी दौरान अमन सिंह की हत्या की सूचना मिलते ही सुरक्षा के लिहाज से उन पांचो गुर्गों को जेल गेट के बाहर ही रोक लिया गया.

गैंग का आशीष चल रहा है फरार

अमन गैंग के गुर्गों को पुलिस ने जेल भेजा है. मगर जेसी मल्लिक निवासी आशीष रंजन उर्फ छोटू अभी तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर है. छोटू को पकड़ने की पुलिस ने लाख कोशिश की मगर वह गिरफ्तार नहीं हो पाया. आशीष ढाई वर्षों से लगातार फरार चल रहा है. उसके साथी अमर ने सरेंडर कर दिया है मगर आशीष का पता अब तक नहीं बताया. पुलिस के लिए आशीष की गिरफ्तारी चुनौती है. दो दिनों पहले आशीष ने एक ऑडियो वायरल किया था, जिसमें उसने अमन सिंह के साथ होने की बात कही थी. ऑडियो में उसने कहा था कि वह कभी अमन सिंह से अलग नहीं हो सकता है. अलग होने का नाटक गद्दारों को चिन्हित करने के लिए किया था. आशीष ने कहा कि अब गद्दार चिह्नित हो गए हैं और उन्हें चुन-चुन कर मारेंगे.

रिम्स में इलाजरत कैदी चकमा देकर हुआ फरार

रांची। रिम्स में इलाज करा रहा चेन स्नैचर शाकिब उर्फ देबा पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया. बीते दिनों अरगोड़ा थाना पुलिस ने अरगोड़ा चौक के पास से उसे गिरफ्तार किया था. गिरफ्तारी के दौरान भागने के क्रम में उसका एक पैर टूट गया था. उसके बाद उसका इलाज रिम्स में चल रहा था. इसी दौरान रविवार की दोपहर पुलिस को चकमा देकर उसके साथी उसे भगा ले गया. क्योंकि देबा का पैर टूटने के काण वो चल नहीं सकता था. देवा के पैर में प्लास्टर लगा है और चल नहीं सकता है. बताया जा रहा है इसके साथ एक महिला है. महिला और अन्य की मदद से शाकिब फरार हो गया. पुलिस बदमाश की तलाश में छापेमारी कर रही है.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	60,100
चांदी (किलो)	81,000

विवि अनुबंध सहायक प्राध्यापकों ने की बैठक, छलका दर्द

नहीं मिलती सप्ताह में 16 क्लास

रजनीश प्रसाद। रांची

झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों और अंगीभुत कॉलेजों में कार्यरत्त सहायक प्राध्यापक संघ ने रविवार को यहां बैठक की. यह बैठक मोरहाबादी मैदान में हुई. सभी सहायक प्राध्यापकों ने अपने अपने पीजी विभाग और कॉलेजों में आए दिन होने वाली वित्तीय समस्याओं के संबंध में अपनी बातें रखीं. इस दौरान उन्होंने प्राचार्य और विभागाध्यक्ष की गलत नीतियों पर चर्चा भी की.

उन्होंने कहा कि सरकार का स्पष्ट निर्देश है कि कॉलेजों की समय सारिणी इस हिसाब से बनाई जाए कि सप्ताह में 16 कक्षाएं निश्चित रूप से नीड बेस सहायक प्राध्यापकों को मिलें. अगर सप्ताह में 16 कक्षाएं नहीं हो रहीं हैं, तो इसका अर्थ है कि सरकार के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है. शिक्षकों ने कहा कि यदि देखना है तो कार्यरत सभी कर्मचारियों को देखा जाय और जो नियमित नहीं आ रहे हैं, उनका भी वेतन काटा जाए.

ये हैं मांगें

1. सभी सहायक प्राध्यापक अनुबंध जिसका नियुक्ति विवि के आदेशानुसार हुआ है सभी का समायोजन किया जाए.
2. आगामी नियुक्ति में नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर को प्राथमिकता देते हुए 25% पदों को सुरक्षित रख नियुक्ति की जाए.
3. प्रत्येक विषय में कम से कम 10 सीट नीड बेस्ड असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए पूर्ण रूप से आरक्षित हो.
4. असिस्टेंट नीड बेस प्रोफेसर को उम्र में छूट दी जाए.
5. यूजीसी द्वारा निर्धारित बेसिक ग्रेड पे दिया जाए .
6. घंटी आधारित अनुभव को असिस्टेंट प्रोफेसर के अनुभव के बराबर माना जाए.

बैठक में ये रहे मौजूद

डॉ. मंसूर अहमद, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. विष्णु देव तिवारी, डॉ. संजू कुमारी, डॉ. अरविंद प्रसाद, डॉ. त्रिभुवन शाही, डॉ. मुकेश उरांव, डॉ. जितुलाल कुमार, डॉ. भादी प्रकाश उरांव, डॉ. सुभाष साहू, डॉ. रवि, डॉ. उषा कीड़ों,प्रांजल शाह, नेम्हा टोप्पो, डॉ. चांदनी कुमारी, डॉ. सुषमा कुजूर, डॉ. ममता कुमारी बडॉ., डॉ. अंजुलता कुमारी, डॉ. सुनीता कुमारी, डॉ. अंजुम आरा, डॉ. आश्रिता कांडुलना, डॉ. दीपमाला कुमारी, जहंगीर आलम, डॉ. संदीप मंडल, डॉ. किरण कुमारी, डॉ. कन्हैया लाल,प्रो जीवन कुमार शाह,कुमार अनिमेष गौतम,अंशुल कुमार डॉ. अरविंद साहू, डॉ. आशुतोष कुमार राय, डॉ. प्रशांत कुमार और अन्य शामिल रहे.

'सक्षम' को ले दिव्यांगों को किया गया जागरूक

रांची । अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राज्य निर्वाचन आयोग ने जिलों में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर जागरूकता अभियान चलाया. इस दौरान दिव्यांग वोटरों तक पहुंच कर अधिकारियों ने न केवल सम्मानित किया, बल्कि वोटर लिस्ट में उनका नाम पक्का करने के लिए अपने स्तर से जरूरी उपाय किये. जिलों में विशेष कैंप भी लगाए गए. अभियान के दौरान सक्षम मोबाइल एप को लेकर भी जागरूकता फैलाई गयी. निर्वाचन आयोग ने यह मोबाइल एप दिव्यांग मतदाताओं की जरूरतों के अनुरूप बनाया गया है. हजारीबाग के जिला स्तरीय आयोजन में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार शामिल हुए. उन्होंने डीसी और अन्य पदाधिकारियों की मौजूदगी में दिव्यांग मतदाताओं से संवाद किया और उनकी जरूरतों को जाना. कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को समावेशी बनाने के लिए दिव्यांगों की सहभागिता भी शत प्रतिशत करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं. कहा कि दिव्यांगों की जरूरतों के लिए सक्षम एप उपयोगी है. इसलिए इस ऐप को गूगल प्ले स्टोर से जरूर डाउनलोड कर लें.

आपस में भाईचारा रहे, तब्लीगी जमात देता है संदेश : मो. यूसुफ

इत्जमा का दूसरा दिन : गोविंदपुर के आसनबनी में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता। गोविंदपुर

गोविंदपुर प्रखंड के आसनबनी गांव में तब्लीगी जमात निजामुद्दीन दिल्ली की ओर से आयोजित तीन दिनी तब्लीगी इत्जमा के दूसरे दिन रविवार को जन सैलाब उमड़ पड़ा. लाखों लोगों ने शिरकत की. 70 जोड़ों का निकाह भी कराया गया. अलावा झारखंड-बिहार समेत विभिन्न राज्यों से लोगों का आना रविवार को भी जारी रहा. सोमवार को अंतिम दिन भी भारी भीड़ जुटेगी. बिहार व झारखंड से आए जमात के लोगों के बीच उलेमा ने तकरीर दी.

मुख्य वक्ता जमात मुख्यालय निजामुद्दीन मरकज दिल्ली के मौलाना मो. यूसुफ ने कहा कि अच्छी बातों का हुक्म करना व गलत कार्यों को रोकना अल्लाह का संदेश है. हम इबादत करें, खैर-बरकत की दुआ करें, गुनाहों की माफी मांगें और दीनी बातें करें. हम जिंदगी को बदलने की मेहनत करें. लोगों से अच्छा व्यवहार, इज्जत, बड़ों को सम्मान, पांच वक्त की नमाज अदा करना, जुए से दूर रहना, शराबखोरी से दूर रहना सबका कर्तव्य है.

भटके हुए लोगों को मुख्य धारा से जोड़ना व उन्हें गलत कार्यों से रोकना हमारा मकसद है. तब्लीगी जमात लोगों को यही संदेश देती है, आपस में भाईचारा से रहें. ऐसा कार्य न करें जिससे किसी को तकलीफ हो. यदि हम किसी का दिल दुखाएंगे, तो खुदा हमें बरकत नहीं देगा. ऐसा काम करें जिससे अपना और दूसरों का भला हो. जमात के लोग देश के विभिन्न भागों में घूम घूम कर लोगों को उनके दायित्व का बोध कराते हैं. परिवार में किस तरह जिंदगी जीना चाहिए, औरतें अपने दायित्व का निर्वाह कैसे करें. बच्चे अपने माता-पिता की इज्जत किस तरह करें. अपने देश के कानून का पालन करते हुए जिंदगी जीएं. कोई भी गैरकानूनी कार्य किसी भी हालत में न करें. उन्होंने कहा कि यदि व्यक्ति में सुधार हो जाएगा, तो पूरा परिवार सुधरेगा.

70 जोड़ों का निकाह कराया गया

1 हजार बसें पहुंची, वाहनों की संख्या दस हजार से अधिक

दूसरे दिन बिहार और झारखंड के विभिन्न जिलों से जमात के लोगों के आने का सिलसिला जारी रहा. दो दिन में एक हजार से अधिक बसें और दो-चार पहिया वाहनों की संख्या दस हजार से अधिक पहुंच चुकी थी. सोमवार को भी भीड़ जुटेगी और गाड़ियां भी आएगी. 150 एकड़ से अधिक फैली जमीन पर इत्जमा हो रहा है. बाहर से आए लोग दुकानों में खरीदारी कर रहे हैं. पांच हजार दुकानें और रेस्टोरेंट खुले हैं. जिसमें दिन-रात भीड़ लगी है. रहने, खाने-पीने और आने-जाने का पुख्ता इंतजाम किया गया है.

झारखंड और बिहार ही नहीं दूर-दूर से पहुंचे हैं मौलाना-आलिम.

महिलाएं रोजा रख कर भेज रहीं रोटी-सब्जी

स्थानीय मुस्लिम महिलाएं तब्लीगी इत्जमा की सफलता के लिए जहां रोजा रख रही हैं. वहीं घर से जमात के लोगों के लिए रोटी-सब्जी बना कर भी भेज रही हैं. स्थानीय लोग भी कार्यक्रम की सफलता में अच्छा सहयोग कर रहे हैं. जिसमें आसनबनी के मुखिया गयासुद्दीन अंसारी, कलीम अंसारी, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष अख्तर हुसैन अंसारी, जिप सदस्य सोहराब अंसारी, पूर्व मुखिया गुल्लू अंसारी व मोबिन अंसारी, एजाज अहमद, माथुर अंसारी, अख्तर अंसारी, जंगलपुर के मुखिया पति मोकिम अंसारी, सदर गुलाम मुस्तफा, अब्दुल कयूम काजी, शौकत अली, अब्दुल सत्तार, अजहर हुसैन, जहीर अंसारी, गब्बर अंसारी सहित दर्जनों लोग शामिल हैं.

लापरवाही : केंद्रीय पॉल्यूशन बोर्ड ने चेयरमैन और मेंबर सेक्रेटरी की नियुक्ति पर उठाए सवाल

झारखंड में नियमों की अनदेखी कर की गई नियुक्ति

रवि भारती। रांची

झारखंड स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड पर केंद्र ने भी आंखें तरेरी हैं. बोर्ड के चेयरमैन और मेंबर सेक्रेटरी की नियुक्ति पर सवाल उठाया है. कहा है कि बोर्ड में चेयरमैन और मेंबर सेक्रेटरी की नियुक्ति में वाटर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन एक्ट का उल्लंघन किया गया है.

इस एक्ट के सेक्शन दो (एफ) में स्पष्ट कहा गया है कि चेयरमैन और मेंबर सेक्रेटरी का पद पूर्णकालिक होगा. वर्तमान में इसके चेयरमैन पीसीसीएफ रैंक के अफसर शशिकर सामंता हैं. वे पॉल्यूशन बोर्ड के चेयरमैन के अतिरिक्त प्रभार में है. वे मुख्य रूप से वन विभाग में बंजर भूमि अभिकरण में पदस्थापित हैं. इसके अलावा अतिरिक्त प्रभार के तहत झारपार्क में अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद की भी जिम्मेवारी संभाल रहे हैं.

मुख्य बातें

- वाटर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन एक्ट का हुआ उल्लंघन
- पोल्यूशन बोर्ड के अध्यक्ष का पद है पॉलिटिकल पोस्ट
- पीसीसीएफ रैंक के अफसर शशिकर सामंता हैं चेयरमैन

मेंबर सेक्रेटरी भी अतिरिक्त प्रभार में

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के मेंबर सेक्रेटरी वाईके दास भी अतिरिक्त प्रभार में हैं. वे मूल रूप से आरसीसीएफ के पद पर तैनात हैं. इससे पहले पॉल्यूशन बोर्ड में चेयरमैन का पद अतिरिक्त प्रभार में थे. एके रस्तोगी पीसीसीएफ रहते हुए भी इस पद पर पदस्थापित रहे थे.

नई नियमावली से नियुक्ति नहीं हुई

बोर्ड में अध्यक्ष और मेंबर सेक्रेटरी की नियुक्ति के लिए नई नियमावली बनाई. तीन बार 2014, 2016 और 2021 में विज्ञापन भी जारी किया गया. तीनों बार 20 से अधिक आवेदन भी आये. पर सरकार ने नियुक्ति की प्रक्रिया ही शुरू नहीं की.

सरयू राय ने भी उठाये थे सवाल

इस मसले पर विधायक सरयू राय ने भी राज्य सरकार को पत्र भी लिखा था और कहा था कि पर्षद के चेयरमैन एवं मेंबर सेक्रेटरी पद पर पूर्णकालिक पदाधिकारी को ही पदस्थापित किया जाना चाहिए. इस संबंध में विधि एवं कानून के प्रावधानों तथा राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण एवं सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में पारित आदेश के आलोक में आवश्यक कार्रवाई अपेक्षित है.

▼ ब्रीफ खबरें

अमन की हत्या की जिम्मेवारी आशीष ने ली

धनबाद। अमन सिंह हत्याकांड में ऑडियो वायरल हो रहा है. आशीष रंजन छोटू सिंह नाम से ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. ऑडियो में आशीष रंजन छोटू सिंह नाम के व्यक्ति ने कहा कि अमन सिंह की हत्या मैंने करवाई है. ऑडियो के माध्यम से कहा कि प्लानिंग बहुत दिन से थी, फिर उस से बात भी की और मिलकर काम करने को कहा. कहां कि लड़का भेज कर अंदर मरवाए हैं, लड़का के बयान से यह क्लियर हो जाएगा. कहा कि मैंने ही उसे पिस्टल मुहैया करायी थी. धनबाद किसी के बाप का नहीं. अमन सिंह को बड़ा भाई मानते थे, लेकिन वह हमको ही मरवाने को सोच रहा था. न कोई मेरे बीच में आये और न ही मेरे आदमियों के बीच में आये. उसी के दिए पिस्टल से उसी को मरवा दिया. कोयला के बीच में कोई भी आएगा, वो मारा ही जाएगा.व्यपारियों से मुझे कोई मतलब नहीं. आशीष रंजन नाम है, सब को बता दे रहे हैं.

भाजपा करेगी 400 पार : लक्की सिंह

सिंदरी। चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के परिणाम रविवार को घोषित होने पर भाजपा ने तीन राज्य मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राज्यस्थान में बहुमत मिलने की खुशी सिंदरी में जुलूस निकालकर व आतिशबाजी कर धूमधाम से मनाई. जुलूस का नेतृत्व कर रहे भाजपा नेता लक्की सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 400 का आंकड़ा पार करेगी.

भाजपा समर्थकों ने जीत की खुशी मनाई

बाघमारा। तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत की खुशी में बाघमारा के भाजपा समर्थकों ने स्थानीय इंदिरा चौक में पटाखे छोड़ कर व नारे लगाकर ख़ुशी का इजहार किया. इस मौके पर समर्थकों ने जुलुस भी निकाला. इस मौके पर भाजपा के बच्चू राय, सत्यनारायण पांडे, नीरज साव, दिनेश ठक्कर, अशोक साव, विश्वनाथ साव, मंजीत सिंह, शंभू पांडे, दीपू पांडे, मनोज सिंह, आदर्श गुप्ता, गोपाल सिंह इत्यादि उपस्थित थे.

अपर्णा ने चहारदीवारी का किया शिलान्यास

मैथन। चिरकुण्डा क्षेत्र के लायकडीह स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के चारदीवारी एवं मुख्यद्वार निर्माण का शिलान्यास विधायक अपर्णा सेनगुप्ता नारियल फोड़कर कर किया. मौके पर विधायक श्रीमती सेनगुप्ता ने कहा कि लंबे समय से विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की मांग थी कि यहां चारदीवारी का निर्माण हो, जो आज पूरा हो रहा है.

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और खुदीराम याद किए गए

कतरास। राजेंद्र बालिका उच्च कतरास में डॉ राजेंद्र प्रसाद एवं खुदीराम बोस की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया.सर्वप्रथम
विद्यालय परिसर में स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद व खुदीराम बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. विधालय के सचिव उत्तम मुखर्जी ने दोनों महापुरुषों के जीवनी पर बखान किया.मौके पर प्राचार्या सुमन मिश्रा, राजेंद्र आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, युगलकीशोर खंडेलवाल उपस्थित थे.

पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत पांच की हत्या करने का आरोप

यूपी के डॉन मुन्ना बजरंगी का शूटर था अमन

संवाददाता। धनबाद

सरायढेला में पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत पांच की हत्या करनेवाला अमन सिंह, यूपी के डॉन मुन्ना बजरंगी का शूटर था. पंकज और रंजय सिंह के संपर्क में आने के बाद 50 लाख में नीरज सिंह की हत्या की सुपारी ली और 21 मार्च 2017 को फॉर्चयूनर गाड़ी पर गोलियां बरसा कर हत्या कर दी गई. लगभग एक सौ के आसपास चारों ओर से घेरकर शूटरों ने गोलियां बरसायी थी. झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह समेत अमन सिंह, कुर्बान, चंदन, शिबू आदि कई लोगों का नाम आया था. संजीव सिंह पर साजिश रचकर हत्या कराने का आरोप था. पहले संजीव सिंह को हत्या के दो दिन बाद गिरफ्तार किया गया। फिर बारी-बारी से अमन सिंह समेत कई लोगों को गिरफ्तार किया गया. अमन सिंह को यूपी के एसटीएफ टीम ने 7 मई 2017 को गिरफ्तार किया. फिर धनबाद पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट के तहत मिर्जापुर कोर्ट के सहयोग से धनबाद लेकर पहुंची।

जेल से रंगदारी मांगने और फायरिंग कराने पर चार बार दूसरे जेल में हुआ था शिफ्ट : पुलिस सूत्रों के अनुसार जेल से रंगदारी मांगने और फायरिंग कराने पर अमन सिंह को चार बार दूसरे जेल में शिफ्ट किया गया था. धनबाद जेल से होटवार, हजारीबाग, चाइबासा और दुमका जेल भेजा गया था. 2022 में दुमका जेल शिफ्ट होते समय जेल गाड़ी में बैठकर जाते समय चिल्ला रहा था कि बच्चा सिंह हत्या करा देगा. हालांकि दुमका में उसकी हत्या नहीं हुई थी.

कटघरे में धनबाद जेल प्रबंधन, अमन की हत्या करनेवाला के पास किसने पहुंचाया पिस्टल : सूत्रों के अनुसार नियमतः धनबाद जेल के भीतर बाहर से एक कागज का टुकड़ा तक किसी बंदी के पास नहीं पहुंच सकता है, लेकिन पिस्टल पहुंच गया. यह पिस्टल कब पहुंचा, किसने पहुंचाया. किसके कहने पर किसको दिया गया. जेल प्रबंधन की मिलीभगत के यह संभव नहीं है. भले अमन सिंह कुख्यात शूटर था और धनबाद पुलिस को सिरदर्द था. लेकिन उसकी हत्या जेल प्रशासन पर संदेह खड़ा करने वाला है. हो सकता इस हत्याकांड के बाद जेल अधीक्षक, जेलर समेत कई पुलिसकर्मी सस्पेंड हो सकते हैं. धनबाद से लेकर रांची पुलिस मुख्यालय तक हड़कंप मच गया है. जिला प्रशासन और पुलिस के वरीय व कनीय पदाधिकारियों से लेकर आम लोगों के बीच हत्या को लेकर तरह की चर्चा हो रही है.

सिंह मेंशन के करीबी रहे रंजय सिंह की हत्या का लिया था बदला

सिंह मेंशन के करीबी रंजय सिंह की हत्या का बदला पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह की हत्या कर लिया गया था. पुलिस और आम लोगों ने भी संभावना व्यक्त किया था कि रंजय की हत्या में रघुकुल का नाम आया था. लोग यही कह रहे थे कि नीरज सिंह के कहने पर ही नंद किशोर सिंह उर्फ मामा समेत अन्य लोगों ने मिलकर सरायढेला के चाणक्य नगर में 29 जनवरी 2017 को गोली मारकर हत्या की थी. इसमें नीरज सिंह के मौसेरे भाई हर्ष सिंह का भी नाम आया था. फिलहाल नंद किशोर सिंह जेल में बंद हैं.

अमन सिंह की हत्या के बाद झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह को लगने लगा खतरा

सूत्रों के अनुसार नीरज सिंह समेत पांच लोगों की हत्या के आरोप में जेल में बंद अमन सिंह की हत्या के बाद झरिया के पूर्व विधायक संजीव सिंह भी जेल में बंद है. अब उन्हें धनबाद जेल में डर लगने लगा है. उनकी पत्नी रागिनी सिंह ने पूर्व में कोर्ट और सरकार को आवेदन भेजा था कि उनके पति संजीव सिंह को खतरा है. बीमार होने पर रिम्स के बदले एम्स दिल्ली में इलाज कराने की अनुशंसा की गई थी.

अमन सिंह को धनबाद से हर महीने 30 लाख रुपये मिल रही रंगदारी

सूत्रों के अनुसार कुछ माह पहले पकड़े गए अमन सिंह के भाई अजय सिंह ने पुलिस के समक्ष खुलासा किया था कि उसके और अन्य रिश्तेदारों के एकाउंट में हर महीने 30 लाख रुपये रंगदारी का पैसा आता था. धनबाद के व्यवसायी से रंगदारी मांगी जा रही थी. अमन सिंह के लिए आशीष सिंह उर्फ छोटू समेत कई लोग काम कर रहे हैं. डॉ समीर कुमार से एक करोड़ की रंगदारी मांगी थी. जिसमें चिकित्सक ने कुछ दिनों के लिए धनबाद छोड़ दिया था. फिर बाद में चिकित्सकों से रंगदारी मांगना बंद हो गया.

अमन सिंह गैंग में शामिल हुआ था नया गैंगस्टर राहुल सिंह

एक सप्ताह पहले बोकारो का नया गैंगस्टर राहुल सिंह, अमन सिंह गैंग में शामिल हुआ था. उसने वीडियो जारी कर सोशल मीडिया पर कहा था कि वह अमन सिंह गैंग से जुड़ा है. जो भी व्यवसायी जीना चाहते हैं तो वह रंगदारी दें. उसने धनबाद के कई व्यवसायियों को रंगदारी मांगते हुए धमकी भी दी थी. जिससे धनबाद के व्यवसायियों में दहशत पैदा हो गया था.

छापेमारी में मिलती थी खैनी व गुटखा पिस्टल से अमन की हो गई हत्या

जब भी धनबाद जेल में छापामारी की गई, हमेशा खैनी, गुटखा और लाइटर आदि बरामद किए. न तो कभी मोबाइल मिला और ना ही पिस्टल, जबकि हमेशा जेल से मोबाइल से धमकी मिलने की बात सामने आती रही है. इसके बावजूद कभी भी जिला पुलिस को छापामारी में मोबाइल या पिस्टल नहीं मिली. वहीं रविवार को दिनदहाड़े कुख्यात शूटर अमन सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई.

कुछ माह पहले सिंह मेंशन और प्रिंस गैंग के गुर्गों के बीच जेल में हुई थी झड़प

कुछ माह पहले सिंह मैंशन और प्रिंस खान गैंग के गुर्गों के बीच धनबाद जेल में भिड़ंत हुई थी. जिसमें दोनों पक्ष से कई लोगों जख्मी हुए थे. कुछ दिनों बाद कई कैदियों को दूसरे जेल में शिफ्ट किया गया था. मारपीट में अमन सिंह का भी नाम आया था. उसके बाद से सिंह मैंशन और प्रिंस गैंग के गुर्गों के बीच काफी दिनों से तनाव था.

एक गोली चलाने के मिलते हैं दो लाख

यूपी के कुख्यात शूटर अमन सिंह को जब पहली बार धनबाद पुलिस पकड़ कर लाई थी और पूछताछ कर रही थी, तब अमन ने बड़ी शान से कहा था कि एक गोली चलाने के लिए दो लाख रुपये मिलते हैं, इससे मुनाफे वाला कोई और कारोबार क्या हो सकता है. साहब हम तो यही धंधा करते हैं. पुलिस इस बयान के बाद चौंक गई थी, यहां तक बयान लेने वाले पुलिस अधिकारी भी सकते में थे. लेकिन दूसरे को गोली से धमकाने वाले अमन सिंह को शायद ये नहीं पता था कि उसकी मौत भी ऐसी ही एक गोली से लिखी है. हालांकि अमन सिंह ने कई बार खुद पर हमले की आशंका जताई थी.

हर्ष व इंस्पेक्टर निरंजन करा सकता है मेरी हत्या : नीरज हत्या कांड में बीते चार वर्षों से जेल में बंद यूपी के शूटर अमन सिंह ने झरिया विधायक पूर्णिमा सिंह के देवर हर्ष सिंह व कांड के अनुसंधानकर्ता नीरज तिवारी पर तीन फरवरी 2022 को अदालत में कई सनसनीखेज आरोप लगाए थे ।

खास बातें

- अलग अंदाज में अमन ने दिया था पुलिस को बयान
- गोली मारने की धमकी देने वाले का गोली से हुआ अंत

नीरज हत्याकांड की सुनवाई कर रहे धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में अमन सिंह ने आवेदन दायर कर कहा था कि वह इस हत्याकांड में जेल में बंद है । जेल प्रशासन ने बिना अदालत के आदेश के उसे रांची के होटवार जेल से चाईबासा जेल में भेज दिया है। जहां जिला प्रशासन के प्रभाव में आकर जेल प्रशासन उसके साथ अमानवीय एवं प्रताड़ना भरा व्यवहार कर रहा है। अमन ने आरोप लगाया है कि 30-31 जनवरी 2022 के रात्रि मंडल कारा चाईबासा में छापामारी के क्रम में अन्य पदाधिकारियों के साथ इस कांड के अनुसंधानक रहे पुलिस निरीक्षक निरंजन तिवारी जो वर्तमान में चाईबासा जिले में थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित है, अभियुक्त के सेल में आए गाली गलौज करते हुए धमकी दिया और जबरन उसे अपने मोबाइल से मृतक नीरज के मौसेरे भाई हर्ष सिंह से बात कराई थी ।हर्ष ने उसे मोबाइल पर धमकी दी कि यह स्वीकार कर लो कि संजीव सिंह पूर्व विधायक झरिया के कहने पर इस घटना को अंजाम दिया है ।अमन ने आरोप लगाया था कि जब उसने इस बात से इनकार किया तो निरंजन तिवारी ने भाई पत्नी एवं परिवार के सदस्यों को भी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। आरोप लगाया था वादी तथा उनके रसूख वाले पारिवारिक सदस्यों के प्रभाव में आकर स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस पदाधिकारी निरंजन तिवारी साजिश रचकर उसकी हत्या करा सकते हैं अमन सिंह ने इस पूरे घटना की सत्यता की जांच के लिए उसके सेल के सामने लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कराने का दावा किया था. अमन सिंह ने अदालत से प्रार्थना की थी कि निरंजन तिवारी के मोबाइल का सीडीआर, चाईबासा जेल का सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाए.

सिंफर वैज्ञानिक के घर ठहरा था अमन

नीरज सिंह की हत्या करने आया अमन सिंह व उसके गिरोह के अन्य सदस्य कोलाकुसमा में रिटायर्ड सिंफर वैज्ञानिक के घर भाड़ेदार बनकर ठहरे थे. सिंह मैंशन का करीबी पिंटू मिश्रा ने वहां छह हजार रुपये महीने में घर दिलाया था. वारदात से पूर्व नीरज सिंह की रैकी गई थी. पुलिस ने उक्त कमरे से नीरज सिंह की अखबारों में छपी तस्वीरें बरामद की थी. जिनपर गोली निशान लगाया था, इसी अखबार से पुलिस को यकीन हुआ था, यहां पर शूटर की ठहरे हुए थे और पुलिस की जांच आगे बढ़ी थी.

सबसे शुद्ध शब्द है प्रेम: हरिदास जी

संवाददाता। पुटकी (धनबाद)

महाराज जी के तत्वावधान में पूज्य श्री सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज के पावन सानिध्य में 28 से 05 दिसम्बर तक पुटकी बाजार दुर्गा मंदिर में श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है. श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर महाराज श्री ने पुतना उद्धार एवं श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर वर्णन भक्तों को श्रवण कराया. कथा के पंचम दिवस पर सभी भक्तों ने महाराज जी के श्रीमुख से कथा का श्रवण किया.भागवत कथा के पंचम दिवस की शुरुआत भागवत आरती और विश्व शांति के लिए प्रार्थना के साथ की गई. पूज्य श्री सुरेन्द्र

हरिदास जी महाराज ने कथा पंडाल में बैठे सभी भक्तों को भजन " जरा इतना बता दें कान्हा तेरा रंग काला क्यों " श्रवण कराया".
पूज्य श्री सुरेन्द्र हरिदास जी महाराज ने कथा की शुरुआत करते हुए कहा कि भगवान उनके यहां बिल्कुल भी नहीं जाते जिनका मन नहीं है. भगवान चोरी भी उन्हीं के यहां करते हैं जिनका मन है. संसार का सबसे शुद्ध शब्द है प्रेम. इसका पता जब चलता है जब एक माँ अपने बच्चे को निस्वार्थ प्रेम करती है जब एक निश्चल मन अपने भगवान को प्रेम करता है. वो शब्द है प्रेम प्यार तो उसको आजकल लव बोलने वालो ने इस शब्द का अर्थ खराब कर दिया. महाराज श्री ने कथा क्रम बढ़ाते हुए कहा की जब भगवान हमें मनुष्य बनाता है जाने अनजाने में हमसे कुछ अपराध होते है जिन्हे शास्त्रों में पाप कहा गया है उन के जीवन में जाने अनजाने में किये हुए पापों को मिटाने के लिए तीन काम है श्रेष्ठ वो करते रहना चाहिए तीन श्रेष्ठ काम अवश्य करते रहना चाहिए जिनसे ये सभी पाप जो है धीरे - धीरे नष्ट हो जाते है सिर्फ सुना मत करो जीवन में धरण में करा करों.

अस्पताल का हाल हार्ट-प्लस, ब्लड प्रेशर मशीन और वेंटिलेटर बंद पड़े हैं

कोरोना काल के उपकरण का नहीं हो रहा इस्तेमाल

संवाददाता। धनबाद

सदर अस्पताल के हाल में सुधार नहीं हो रहा है. यह हाल तब है जब सदर अस्पताल को सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के रूप में खड़ा किया जाना था. सदर अस्पताल की शुरुआत होने का मकसद था कि किसी तरह से एसएनएमएमसीएच पर पड़ रहा एकतरफा भार कम किया जा सके, लेकिन सुविधाओं के अभाव में ऐसा हो नहीं रहा है. ऐसा नहीं है कि सदर अस्पताल में संसाधनों की कमी है. जितने संसाधन दिए गए प्रबंधन इसका उपयोग भी नहीं कर पा रही है. वर्तमान स्थिति को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि यहां के आला अधिकारियों और जिम्मेदारों को इसकी कोई फिक्र

नहीं है. जीवन रक्षक उपकरण आज भी अस्पताल में धूल फांक रहे हैं. हार्ट- पल्स और ब्लड प्रेशर जांचने वाली लाखों की मशीनें आज भी बंद दरवाजे के पीछे दिखते हैं. नवजात के लिए मंगवाए गए वार्मर और वेंटिलेटर भी दार्शनिक बनकर रह गए हैं.

धूल फांक रहे हैं जीवन रक्षक उपकरण : सदर अस्पताल में मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराने के लिए कई महंगे अत्याधुनिक उपकरण खरीदे गए. ताकि मरीजों को निजी अस्पताल की भांति बेहतर इलाज मुहैया हो सके.
परंतु अस्पताल के जिम्मेदारों की कार्य प्रणाली और निष्क्रियता ने इन महंगे अत्याधुनिक उपकरणों को कबाड़ बनाने की प्रक्रिया में डाल दिया है.लाखों रुपये की कीमत वाले कई जीवन रक्षक उपकरण धूल फांक रहे हैं. ऐसे में लाखों रुपये के मूल्य वाले अत्याधुनिक उपकरण बगैर उपयोग किये ही बर्बाद हो रहे हैं. जिन उपकरणों से मरीजों की जान बचाई जा सकती है, वह उपकरण ही मरीजों के काम नहीं आ रहे हैं. नतीजा सभी उपकरण गोदाम में बंद पड़े हैं. मालूम हो कि दर्जनों उपकरण सदर अस्पताल को कोरोना काल में मिले थे.

खास बातें

- धूल फांक रहे हैं लाखों रुपए के अत्याधुनिक उपकरण
- प्रबंधन इनका उपयोग नहीं कर पा रहा है

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- किसे फिर से ओपनएआई के सीईओ के रूप में नियुक्त किया गया – सैम आल्टमेन
- झारखंड बनते समय राज्य में कितने जिले थे – 18
- ऑप्टिकल फाइबर का आविष्कार किसने किया था – नरिंदर कपानी
- भारत किस देश से इग्ला-एस एंटीक्राफ्ट मिसाइल खरीद रहा है – **रूस**
- कौन रुरल मार्केटिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष बने – पुनीत विद्यार्थी
- भारत का नेपोलियन किसे कहा जाता है – समुद्रगुप्त
- गुप्त वंश का अंतिम शासक कौन था – **विष्णुगुप्त**
- ऋग्वेद के देवताओं में तूफान के देवता का क्या नाम है – **मारुत**
- किसने 40वें तटरक्षक कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन किया – राजनाथ सिंह
- एक स्टेशन एक उत्पाद योजना का संबंध किससे है – **रेलवे**

महुदा कॉलेज के इग्नु अध्ययन केंद्र में हुई इंडक्शन मीटिंग

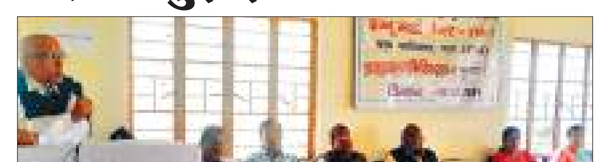

संवाददाता। महुदा

महुदा महाविद्यालय इग्नू अध्ययन केंद्र में रविवार को जुलाई 2023 सत्र के छात्र छात्राओं का इंडक्शन मीटिंग आयोजित किया गया. मीटिंग में जुलाई 23 सत्र में नव नामांकित छात्र छात्राओं ने भाग लिया . उद्घाटन संयुक्त रुप से महाविद्यालय के सचिव प्रो. दीप नारायण शर्मा, प्राचार्य प्रोः श्याम लाल महतो एवं समन्वयक प्रोः गंगेश झा ने दीप प्रज्वलित कर किया. उक्त बैठक में नामांकित छात्र छात्राओं और परामर्श दाताओं का एक दूसरे से परिचय कराया गया. संबोधित करते हुए अध्ययन केंद्र के समन्वयक प्रो. झा ने इग्नू से संबंधित जानकारियां तथा नामांकन, पाठ्य सामग्री,आदि के संबंध में विस्तृत रुप से दिया. प्रो. दीप नारायण शर्मा ने इग्नू को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया और खास कर महिलाओं के लिए विशेष उपयोगी बताया. बैठक को प्रो. श्याम लाल महतो प्राचार्य, प्रोः अरविन्द महतो और अन्य लोगों नें सम्बोधित किया.

CLASSIFIED

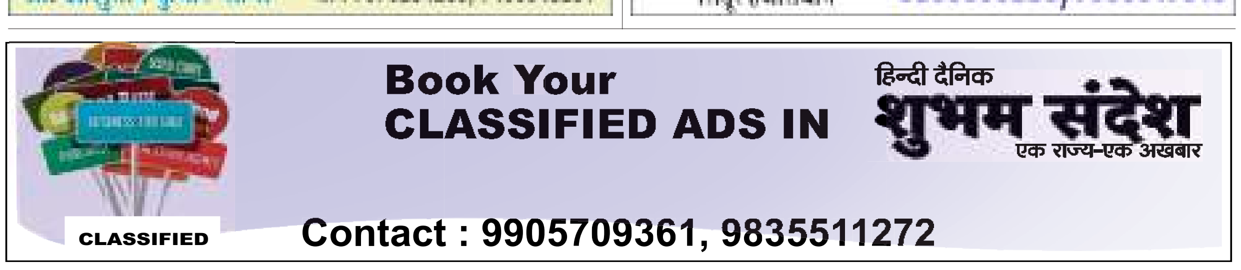

पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया में कार्यक्रम ओवरनाइट केजी कैंप का हुआ आयोजन

ओवरनाइट केजी कैंप में बच्चों ने की मस्ती

संवाददाता। बेरमो

पिट्स मॉडर्न स्कूल गोमिया का मुख्य आकर्षक कार्यक्रम ओवरनाइट केजी कैंप शनिवार को छोटे बच्चों की मस्ती व धूम-धड़ाके के साथ शुरू हुआ. इस कार्यक्रम में केजी क्लास के बच्चे अपने परिवार वालों से दूर स्कूल में ही ओवरनाइट कैंप पर रहे और सहपाठियों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया. नन्हे-मुन्ने बच्चों ने स्कूल असेंबली की शानदार शुरुआत की. प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय, उप प्राचार्या डॉ. विनीता पटनायक पाढ़ी और हेड मास्टर केकेचंदा ने फ्रेंडली फुटबॉल मैच में बच्चों का उत्साहवर्धन किया. बच्चों को नाश्ते के बाद पूरी सुरक्षा के बीच स्थानीय बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेलवे स्टेशन का भ्रमण कराया गया और जागरुक किया गया. भ्रमण के बाद फोटो सेशन हुआ. इसके बाद शाम को बच्चों को मुख्य अतिथि अभिषेक विश्वास, वरिष्ठ प्रबंधक आई.ई.एल.गोमिया के आवास पर सुसज्जित वाहनों में ले जाया गया, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया. रात में बच्चों ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम व कैंप फायर में खूब डांस और मस्ती की.

बच्चे खुश

- नन्हे-मुन्हे बच्चों ने स्कूल असेंबली की शुरुआत की
- इस दौरान फ्रेंडली फुटबॉल मैच का भी आयोजन हुआ

स्कूल का केजी कैंप अनूठा कार्यक्रम है

प्राचार्य मनोज कुमार उपाध्याय ने कार्यक्रम की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्यालय का केजी कैंप अनूठा प्रोग्राम है, जहां बच्चों को पहली बार परिवार से अलग रहकर सहपाठियों व शिक्षकों के साथ ओवरनाइट कैंप में रहना पड़ता है. इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है. साथ ही अपने सहपाठियों को जानने का अवसर प्राप्त होता है. बताया कि इस वर्ष ओवरनाइट केजी कैंप का थीम बचपन था. बचपन का अर्थ बाल्यावस्था. वास्तव में बचपन जीवन की वह अवस्था है, जहां बच्चे आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करते हैं.

1971 के भारत-पाक युद्ध में नौसेना की बहादुरी को नमन

नौसेना दिवस पर विशेष

नौसेना दिवस 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में विजय हासिल करने वाली भारतीय नौसेना की शक्ति और बहादुरी को याद करने के लिए मनाया जाता है. 'ऑपरेशन ट्राइडेंट' के तहत 4 दिसंबर 1971 को भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर हमला बोल दिया था. इस ऑपरेशन की सफलता को ध्यान में रखते हुए 4 दिसंबर को हर साल नौसेना दिवस मनाया जाता है. जंग-ए-आजादी, मुंबई में ऑपरेशन ताज से लेकर अन्य कई मामलों में भारतीय नौसेना का इतिहास बहादुरी के कारनामों से भरा पड़ा है. नौसेना भारतीय सेना का सामुद्रिक अंग है, जिसकी स्थापना 1612 में हुई थी. ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी मेरिन के रूप में सेना गठित की थी, जिसे बाद में रॉयल इंडियन नौसेना नाम दिया गया. भारत की आजादी के बाद 26 जनवरी 1950 को नौसेना का गठन फिर से हुआ और इसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया. विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी इस नौसेना ने 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में पाकिस्तान के कराची बंदरगाह पर भारी बमबारी कर उसे तबाह कर दिया था. वर्तमान में भारतीय नौसेना दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी नौसेना है, जिसके पास विमानवाहक पोत आईएनएस विराट सहित 155 से अधिक जहाज हैं और दो हजार से अधिक मैरीन कमांडो हैं.

भारतीय नौसेना के मार्कोस कमांडो दुनिया के बेहतरीन कमांडो में शामिल हैं, जिन्होंने मुंबई में होटल ताज में घुसे आतंकवादियों को मौत के आगोश तक पहुंचाने के लिए एनएसजी कमांडो के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई थी. मार्कोस कमांडो ने 1988 में भारतीय जलक्षेत्र में अपहृत जहाज में मालदीव के तत्कालीन शिक्षामंत्री सहित बहुत से बंधकों की जान बचाकर ऑपरेशन कैक्टस को बखूबी सफलता के अंजाम तक पहुंचाया था. मार्कोस जम्मू-कश्मीर की झेलम नदी और वुलर में भी जलमार्ग से आतंकवादियों की घुसपैठ को विफल करते रहे हैं.

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के समारोह स्थल का स्टेज तैयार

हेमंत सोरेन के आगमन को लेकर कार्यकर्ता हैं उत्साहित

संवाददाता। गिरिडीह

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के गिरिडीह आगमन को लेकर प्रशासनिक व पार्टी स्तर पर की जा रही तैयारी अंतिम चरण में है. सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में मुख्यमंत्री 4 दिसंबर को गिरिडीह पहुंच रहे हैं. इसके लिए प्रशासनिक व पार्टी द्वारा जोर शोर से तैयारी की जा रही है. सारी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. मुख्य समारोह स्थल झंडा मैदान में भव्य पंडाल व स्टेज बनाया गया है जिसे कारीगर फाइनल टच दे रहे हैं. वहीं पार्टी की ओर से पूरे शहर को झंडा, बैनर और तोरण द्वार से पाट दिया गया है.

सदर अनुमंडल अधिकारी विशालदीप खालको व एसडीपीओ अनिल सिंह ने नई परिषदन में तैयारी को पत्रकारों के साथ साझा किया. बताया कि ड्रोन कैमरा सहित सुरक्षा पैरामीटर के जितने इंडिकेटर हैं उससे निगरानी की जाएगी. उन्होंने बताया कि 12:45 में मुख्यमंत्री हवाई अड्डा पहुंचेंगे और वहां से सीधे झंडा मैदान के लिए प्रस्थान करेंगे. सीएम का काफिला 1:00 बजे दोपहर झंडा मैदान पहुंचेगी. 3:15 तक झंडा मैदान में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत परिसंपत्ति का वितरण व संबोधन का कार्यक्रम होगा. जानकारी के अनुसार 3:25 में परिसदन पहुंचेंगे और यहां से 4:00 बजे गिरिडीह कॉलेज के परीक्षा भवन में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सीधी संवाद करेंगे. सीधी संवाद में गिरिडीह सहित कोडरमा, धनबाद व बोकारो के पार्टी पदाधिकारी शामिल होंगे. रात्रि में परिसदन में विश्राम करेंगे और 5 दिसंबर को 12:05 में कोडरमा के लिए उड़ान भरेंगे.

तैयारी पूरी

- झंडा मैदान में भव्य पंडाल बनाया गया है
- पार्टी की ओर से शहर को झंडा से पाट दिया गया है

महामहिम भी होंगे गिरिडीह में

मुख्यमंत्री के अलावा झारखंड के महामहिम राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन चार दिसंबर को जिले के पीरटांड प्रखंड अंतर्गत बराकर नदी के तट पर निर्मित रुजू बालिका जैन मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे. मिली जानकारी के अनुसार 4 दिसंबर की सुबह 6:30 में सड़क मार्ग से रिजु बालिका जैन मंदिर 10:00 बजे पहुंचेंगे और यहां आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे. कार्यक्रम के बाद 11:30 में रिजु बालिका जैन मंदिर से बोकारो के लिए सड़क मार्ग से ही प्रस्थान करेंगे. रिपोर्ट अभय वर्मा

बोकारो में हैंडीक्राफ्ट डिज्नीलैंड मेला शुरू

बोकारो । बोकारो के सेक्टर चार स्थित मजदूर मैदान में रविवार को हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट डिजनीलैंड मेला की शुरुआत हुई. मेला का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो विधायक बिरंची नारायण, चास अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने दीप प्रज्जवलित कर किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चास अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने बताया कि बोकारो में इतना बड़ा मेला आयोजित किया गया है. मेले में बच्चों के साथ-साथ महिला व पुरुषों के लिए भी हर तरह की सामग्री, झूला आदि की व्यवस्था की गई है. विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि छुट्टी के समय में लोग घूमने- फिरने का शौक रखते हैं. ऐसे में बोकारो में ही डिज्नीलैंड मेला का आयोजन किया जा रहा है।

मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा देश : लक्ष्मण

- तीन राज्यों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर कार्यकर्ताओं में उत्साह

संवाददाता। धनवार (गिरिडीह)

विधानसभा चुनाव में भाजपा पार्टी को मिली जीत से उत्साहित कार्यकर्ताओं ने धनवार के बरजो स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को अपनी खुशी का इजहार किया. वहीं इस खुशी में लोगों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी.

भाजपा को मिली प्रचंड जीत पर भाजपा नेता सह पूर्व आई जी लक्ष्मण सिंह ने कहा कि देश का हर नागरिक आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ना चाहता है. जिसका परिणाम हमें देश के चार राज्यों के विधानसभा चुनाव में देखने को मिला है. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ऐसे बड़े राज्य से प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार भाजपा को मिली जीत से साबित होता है कि देश का हर मतदाता भाजपा के सुशासन को पसंद कर रहा है. इन्होंने सुशासन और विकास की जीत बताया. वही धनवार के गांधी चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा की जीत के खुशी में अतिशबाजी कर मिठाई बांटी. मौके पर उदय सिंह ,राजेंद्र यादव ,पवन साव,नकुल राय, अधिर राय ,सुनील अग्रवाल ,अशोक राय, श्रीकांत, उपेंद्र सिंह, सुबोध साव,मंटू कुमार पंकज,महेश राय, अर्जुन राय ,विकेंद्र साहू, आदि दर्जनों लोग मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

अध्ययन केंद्र की पहली वर्षगांठ मनायी गयी

धनवार (गिरिडीह) । धनवार प्रखंड परिसर में रविवार को मां सरस्वती पुस्तकालय अध्यन केंद्र का पहला वर्षगांठ मनाया गया. इस दौरान भाजपा नेता सह पुर्व आई जी लक्ष्मण प्रसाद सिंह, प्रमुख गौतम सिंह आदी ने माता सरस्वती व डॉ राजेन्द्र प्रसाद के फोटो प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर वर्षगाँठ मनाया. इस मौके पर मिठाई बांटी गई. पुस्कालय में उपस्थित पढ़ रहे बच्चों से पढ़ाई व किताबो की जानकारी ली तथा खोरीमहुवा अनुमंडल के पुर्व अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार सिंह सहित समिती के सदस्यों को धन्यवाद दिया. इस मौके पर प्रमुख ने कई पुस्तक पुस्तकालय में प्रदान किया. प्रमुख ने कहा कि पुर्व एसडीएम के नेतृत्व में बीते साल यह पुस्कालय खोला गया है. इसमें कई लोगों ने सहयोग किया है.

बोकारो : संत जेवियर में क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता

बोकारो । सेंट जेवियर्स विद्यालय बोकारो में क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को किया गया, जिसमें प्राथमिक कक्षाओं प्रेप, प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय के विद्यार्थियों ने भाग लिया. इस अवसर पर प्रधानाचार्य फादर अरुण मिंज एसजे. ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया. सभी हाउस के विद्यार्थियों ने अपने हाउस को जीतने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया. सभी ने शानदार प्रदर्शन किया. इस दौड़ प्रतियोगिता में कार्मल हाउस विजेता और लोरेटो हाउस उपविजेता रहा. प्रधानाचार्य ने विजेता हाउस को ट्रॉफी प्रदान की. इस दौरान उपप्राचार्या सिस्टर मंजू एवं अन्य सभी ने बच्चों के प्रयास की सराहना की एवं उन्हें बधाई दी.

धूमधाम से मनाई गई डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद की 139वीं जयंती

सादगी पसंद थे डॉ राजेंद्र: ज्योतिंद्र

संवाददाता। गिरिडीह

रविवार को देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की 139 जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई. इस दौरान डॉ राजेंद्र प्रसाद के बताए गए रास्ते पर चलने का संकल्प भी लिया गया. बरमसिया स्थित नरेंद्र सिंहा चिल्ड्रन पार्क में अखिल भारतीय कास्यथ महासभा द्वारा डॉक्टर प्रसाद की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिन्हा ने की, वही बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक ज्योतिंद्र प्रसाद ने डॉ प्रसाद के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि डॉक्टर प्रसाद सादगी पसंद व निर्मल स्वभाव के व्यक्तित्व थे. सादगी ऐसी की उसकी मिसाल नहीं मिलती. कहा गया कि वह उन भारतीय नेताओं में थे जिन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में भूमिका निभाई थी. ब्रिटिश प्रशासन ने नमक सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें जेल में डाल दिया था.

शेष जीवन पटना के आश्रम में बिताया

मौके पर जिला अध्यक्ष श्री सिन्हा ने कहा कि धर्म हो, वेदांत हो, साहित्य हो या संस्कृति वह हर स्तर पर अपने विचार व्यक्त करते थे. उनकी स्वाभाविक सरलता के कारण अपने ज्ञान वैभव का दिखावा कभी नहीं करते थे. यही कारण है कि लगातार दो कार्यकाल के बाद राजनीति से संन्यास ले लिया और शेष जीवन पटना के निकट एक आश्रम में बिताया. उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि आजादी के इतने सालों बाद भी जीरादेई गांव की अब तक अनदेखी की जा रही है. जहां उन्होंने जन्म लिया वह गांव अपनी बदहाली पर आज भी आंसू बहा रहा है. मौके पर आनंद कुमार वर्मा पूनम, अंजनी कुमार सिंहा, आयुष सिंहा, दुर्गा प्रसाद सहित कई लोग मौजूद थे. वही चित्रांश भवन में आयोजित सभा में कायस्थ बिंदु समिति ने डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी.

मनाया गया अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस

संवाददाता। बेरमो

फाउंडेशन फॉर ह्यूमैनिटी के द्वारा रविवार को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग जन दिवस मनाया गया. यह कार्यक्रम बोकारो के आशालता दिव्यांग केंद्र में आयोजित किया गया. संस्था के सचिव सह बाल अधिकार कार्यकर्ता डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि 1992 के बाद से विश्व दिव्यांग दिवस दिव्यांग व्यक्तियों के प्रति करुणा व दिव्यांगता के मुद्दों की स्वीकृति को बढ़ावा देने, उन्हें आत्मसम्मान, अधिकार व दिव्यांग व्यक्तियों के बेहतर जीवन के लिय समर्थन प्रदान करने के लिए एक उद्देश्य से बनाया गया था. प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी ने विकलांगों को विकलांग नहीं, बल्कि दिव्यांग कहने का प्रचलन शुरू कर एक नई सोच को जन्म दिया था. दिव्यांगजनों को जीवन की मुस्कुराहट देनी है न कि हेय दृष्टि से देखना है या समझना है. आशालता परिसर मे दिव्यांग जनों की उच्च शिक्षा के लिए स्नातक तक की पढ़ाई के लिए कॉलेज खोली गईं है. आशालता दिव्यांग केंद्र में आज के बच्चों को उत्साह वर्धन कार्यक्रम मे फाउंडेशन की सदस्य नीलम झा, सोमनाथ नायक, मनोविज्ञान विषय के विधार्थियों मे अंजली कुमारी, पुजा कुमारी, समीना, आशालता के निदेशक भवानी शंकर जायसवाल, प्राचार्य पी के दुबे, वरीय एडमिंस्ट्रेटिव ऑफिसर मोहन आजाद, मैनेजर एस एन सिंह, शिक्षक गण चैताली प्रसाद, हरिद्वार राय, रीना, आभा, गीता, शिवानी कुमारी, संजय कुमार, विधा सागर मौजूद थे.

दिव्यांग उत्साहित

- कार्यक्रम का आयोजन बोकारो आशालता केंद्र में
- पीएम ने विकलांगों को दिव्यांग कहने का प्रचलन शुरू किया

टूर्नामेंट सीएम आमंत्रण फुटबॉल कप प्रतियोगिता धनवार के पुनित राय स्टेडियम में शुरू हुआ

प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

धनवार (गिरिडीह) ।

प्रखंड स्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल कप प्रतियोगिता 2023 - 24 का आयोजन रविवार को धनवार के पुनित राय स्टेडियम में शुरू किया गया. फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन धनवार बीडीओ देवेन्द्र कुमार दास, धनवार प्रमुख गौतम कुमार सिंह, बीससूत्री अध्यक्ष सफीक अंसारी ने फीता काटकर किया. इस प्रतियोगिता में धनवार प्रखंड क्षेत्र की 28 पंचायतों की टीमें भाग ले रही है. प्रतियोगिता का पहला मैच सापामारण तथा करगाली खुर्द के बीच खेला गया, जिसमें सापामारण की टीम ने जीत हासिल की. दूसरा मैच बोदगो व लालबाजार के बीच खेला गया. इस मैच में दोनों टीमों के बीच निर्धारित समय तक बराबरी रहा, जिसके बाद पेनाल्टी शूट आउट में बोदगो की टीम ने जीत हासिल की. रेफरी व लाइंसमैन की भूमिक डॉ द्रवीण, सीताराम रजक, योगेश कुमार यादव ,दीपक कुमार सिंह ,राजेन्द्र सिंह,अशोक लाल ने निभाया. इस दौरान बीडीओ ने खिलाडियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि खेल के प्रति जागरूकता लाने के ऐसी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है. कहा गया कि कोई भी खेल सरकार स्तर से हो या प्रखंड स्तर से हो हर संभव मदद करने की बात कहीं. उन्होंनें खिलाडियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि खिलाड़ी अपने व्यक्तिव को निखारे और एक उज्जवल भविष्य का निर्माण कर प्रखंड, जिला व राज्य सहित देश का नाम रोशन करें. इस क्रम में प्रमुख व बीससूत्री अध्यक्ष ने भी खिलाडियों की हौसला अफजाई करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की. मौके पर धनवार प्रखंड नाजीर राकेश कुमार रजक, बीपीओ दिलीप साहु, असगर इमाम, कुंदन कुमार यादव, राजेश यादव, मजहर अंसारी, मोहम्मद इकरामुल, मोहम्मद राउफ, पवन कुमार, राजेन्द्र कुमार ,सबदर अली आदि मौजूद थे.

जुटे खिलाड़ी

- प्रतियोगिता का उद्घाटन धनवार बीडीओ ने किया
- धनवार प्रखंड की 28 पंचायतों की टीमों ने भाग लिया है

इनमोसा में उज्जवल कुमार सिन्हा के निधन पर शोक सभा

संवाददाता। बेरमो

इनमोसा ढोरी क्षेत्र के द्वारा सेंट्रल कॉलोनी मकोली स्थित ऑफीसर्स क्लब में रविवार को सीसीएल कर्मी सह पूर्व इनमोसा के ढ़ोरी क्षेत्रीय सचिव 56 वर्षीय उज्जवल कुमार सिंहा के निधन पर शोक सभा का आयोजन कर श्रद्धांजलि दी गई. उज्ज्वल कुमार कई महीनों से बीमार चल रहे थे.

उनका रांची स्थित मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया. मृतक सीसीएल ढ़ोरी क्षेत्र के एसडीजेएम परियोजना में सीनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत थे. इनमोसा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष विजय कुमार सिंह ने कहा कि इनमोसा संगठन को ढोरी क्षेत्र में उन्होंने काफी संगठित किया तथा आगे बढ़ने का काम किया. उनका निधन इनमोसा और सीसीएल के लिए अपूरणीय क्षति है. हम सभी का कर्तव्य है कि संगठन को मजबूत बनाकर रखें ताकि उनकी आत्मा को शांति मिले. उनके परिजनों को सीसीएल से मिलने वाली राशि तथा आश्रित को नौकरी दिलाने में सभी लोग पूरी तन्यता से सहयोग करेंगे और उनकी अनुपस्थिति में उनके परिवार के लिए अभिभावक का कार्य करेंगे. एसडीओसीएम के पीओ शैलेश प्रसाद ने कहा कि उज्जवल सिंहा कंपनी के निष्ठावान कर्मचारी थे. काफी लगन से अपनी जबाबदेही निभाते थे. सीसीएल के द्वारा उनके परिवार को हर संभव मदद किया जाएगा.

▼ ब्रीफ खबरें

एमजीएम अस्पताल के ओपीडी में चोरी

जमशेदपुर। जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल के ओपीडी में चोरों ने हाथ साफ कर दिया. चोरों ने ओपीडी में लगे एसी और अन्य सामानों की चोरी कर ली. घटना की सूचना पुलिस को दी गई है. पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. मिली जानकारी के अनुसार चोरों ने आर्थो ओपीडी समेत तीन कमरों को निशाना बनाया है. चोरों ने दो एसी, एक स्ट्रेचर नल, पाइप और अन्य महंगे उपकरण की चोरी की है. अधीक्षक रविन्द्र कुमार ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है.

राजगंज में कोयला लदे चार वाहन जब्त

राजगंज। कोयला तस्करी के खिलाफ जिला प्रशासन ने शनिवार देर रात बड़ी कार्रवाई की है. प्रशासन ने छापेमारी कर राजगंज थाना क्षेत्र के महतो कांटा से चार अवैध कोयला लदे ट्रक जब्त किये गये हैं. इन ट्रकों में करीब चालीस टन अवैध कोयला लोड है. हालांकि चारों वाहनों के चालक व खलासी वहां से भागने में सफल रहे. जब्त ट्रकों को राजगंज पुलिस को सौंप दिया गया है. पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आगे की कार्रवाई में जुटी है.

बरोरा से 300 टन अवैध कोयला जब्त

बरोरा(धनबाद)। धनबाद एसडीएम ने शनिवार देर रात बरोरा थाना क्षेत्र स्थित मुराईडीह ओल्ड वर्किंग खदान में छापेमारी की. इस दौरान खदान से करीब 300 टन अवैध कोयला जब्त किये हैं. सभी कोयले बोरियो में भरकर रखे गये थे. छापेमारी दल ने जब्त कोयले को स्थानीय पुलिस व सीआईएसएफ को सौंपा दिया. इसके बाद रविवार की सुबह कोयले को बीसीसीएल को सुपुर्द करने की प्रक्रिया शुरू की गयी. औचक छापेमारी ले कोयला तस्करों में हड़कंप मच गया है.

नाबालिक लड़की को भगानेवाला गिरफ्तार

गढ़वा। जिले के रंका थाना क्षेत्र अंतर्गत गोदरमाना से नाबालिक लड़की को भगाकर ले जाने के आरोपी ओबरा गढ़वा निवासी मंजूर अंसारी को रंका पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. इस संबंध में जानकारी देते हुए रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा ने बताया कि रामानुजगंज के वार्ड नंबर 1 में कार्य कर रहे स्टील बक्सा बनाने का मजदूर वार्ड नंबर 1 की एक लड़की को बहला फुसला कर बाइक से अन्यत्र ले जा रहा था.

एमजीएम में चोरी रंगेहाथ धराया चोर

जमशेदपुर। स्थानीय एमजीएम अस्पताल के ओपीडी में रविवार को चोरी की घटना होने के बाद देर शाम होम गार्ड के जवानों ने कोविड वार्ड में चोरी करने घुसे एक चोर को रंगे हाथ पकड़ लिया. हालांकि इस दौरान एक चोर मौके से भागने में सफल रहा. होम गार्ड के जवानों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया जहां पुलिस उससे पूछताछ कर रही है. पूछताछ में चोर ने अपना नाम राहुल भुइयां बताया. वह भुइयांडीह का रहने वाला है. टाटानगर रेल पुलिस ने उसे जेल भेजा था.

दुर्घटनाग्रस्त युवक की इलाज के दौरान मौत

पाटन (पलामू)। दो दिनों पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल युवक बविरा रजक की रांची रिम्स में इलाज के दौरान शनिवार को मौत हो गयी. शनिवार को उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया. बविरा रजक बरवाडीह जंक्शन में रहता था. वह अपने काम पर जा रहा था, तभी रास्ते में वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. वह पाटन प्रखंड के सहदेवा ग्राम के विजय कुमार बैठा का बड़ा पुत्र था. मौके पर पूर्व जिला परिषद सदस्य नंदकुमार राम, अखिलेश मेहता आदि ने अंतिम संस्कार में भाग लिया.

ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ अभियान, 6 लोग पकड़े गये

रांची। रांची यातायात पुलिस ने शनिवार देर रात चांदनी चौक, बिरसा चौक, मुंडा चौक और लालपुर चौक के पास ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ अभियान चलाया. इस दौरान छह चालक शराब पीकर वाहन चलाते पकड़े गये. रांची यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से शराब पीकर वाहन ना चलाने की अपील की है. एमवी एक्ट की धारा 185 के तहत पहली बार 10 हजार रुपये का जुर्माना या 6 माह के कारावास का प्रावधान है.

लगाम : अपराधियों पर अंकुश लगाने में पुलिस को मिली एक और सफलता

गैंगस्टर प्रिंस खान के लिए रंगदारी वसूलने वाले पांच अपराधी गिरफ्तार

खास बातें

- गिरोह का मुख्य सरगना है वासेपुर का इम्तियाज आलम
- बैंक मोड़ थाना क्षेत्र से हुई उन सभी अपराधियों की गिरफ्तारी

संवाददाता। धनबाद

गैंगेस्टर प्रिंस खान के नेटवर्क को समाप्त करने की कोशिश में पुलिस लगातार काम कर रही है. इस कड़ी में पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है. इस बार पुलिस ने प्रिंस खान गिरोह के पांच ऐसे अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो प्रिंस के लिए रंगदारी का पैसा वसूलते थे.

रविवार को एसएसपी संजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उक्त जानकारी देते हुए बताया कि पकड़े गये अपराधियों में मो.इम्तियाज आलम, मो.कामरान उर्फ गुडडू, मो. तोक़ीर उर्फ राजू, मो. फ़ैयाज अख्तर उर्फ लड्डू और मो. सद्दाम हैदर शामिल हैं. इनके पास से रंगदारी की रकम 2 लाख 25 हजार, दो हथियार, चार गोली और 7 मोबाइल बरामद की गई है. इन सबकी गिरफ्तारी बैंक मोड़ थाना क्षेत्र से हुई.

गिरोह का मुख्य सरगना मो. इम्तियाज आलम है, जो मूलतः वासेपुर का रहनेवाला है. पुलिस की दबिश बढ़ने के बाद से वह समस्तीपुर में रहकर गिरोह के लिए काम कर रहा था. मो. तोक़ीर उर्फ राजू कार सजावट के नाम से मोटर पार्ट्स की दुकान चलाता है और इसी व्यापार के दौरान ही इसने पार्ट्स व्यवसायियों के नंबर भी अपने गिरोह को उपलब्ध करा रहा था, ताकि उनसे रंगदारी के लिए फोन या फिर मैसेज कर सकें. मो. फ़ैयाज अख्तर उर्फ लड्डू बंगाल में ही रह रहा था, जिसे रंगदारी का पैसा वसूलने के लिए हाल के दिनों में धनबाद भेजा गया था. प्रेस वार्ता में सिटी एसपी अजीत कुमार, डीएसपी विधि व्यवस्था अरविंद कुमार बिन्हा, डीएसपी वन अमर कुमार पांडेय, ट्रैफिक डीएसपी राजेश कुमार, बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय मौजूद थे.

आओ जानें

कितने प्रतिशत मर्डर केस में हुए आरोप पत्र दाखिल

मध्यप्रदेश	: 94.1	उत्तराखंड	: 79.1
महाराष्ट्र	: 91.9	पश्चिम बंगाल	: 86.0
मणिपुर	: 42.2	झारखंड	: 84.6
मेघालय	: 40.6	आंध्रप्रदेश	: 91.7
मिजोरम	: 91.3	अरुणाचल प्रदेश	: 78.9
नागालैंड	: 75.0	असम	: 46.8
ओडिशा	: 81.1	बिहार	: 90.0
पंजाब	: 83.7	छत्तीसगढ़	: 92.4
राजस्थान	: 61.7	गोवा	: 95.5
सिक्किम	: 86.7	गुजरात	: 92.3
तमिलनाडु	: 96.6	हरियाणा	: 73.7
तेलंगाना	: 93.3	हिमाचल प्रदेश	: 85.1
त्रिपुरा	: 80.5	कर्नाटक	: 91.5
उत्तरप्रदेश	: 84.6	केरला	: 93.5

स्कूल और पंचायत भवनों में भर्ती केंद्र खोलेंगे माओवादी

संवाददाता। पलामू

- प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई माओवादी ने की घोषणा, लोगों में दहशत

पलामू के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिबंधित नक्सली संगठन सीपीआई माओवादी अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में लग गया है. उसने ग्रामीण इलाकों के स्कूल एवं पंचायत भवनों को अपना भर्ती केंद्र बनाने की घोषणा की है. इससे ग्रामीणों के बीच दहशत फैल गया है. संगठन की ओर से शनिवार को पीपुल्स लिबरेशन ऑफ गुरिल्ला (पीएलजीए) का स्थापना सप्ताह मनाया जा रहा है, जो आगामी 8 दिसंबर तक चलेगा.

स्थापना सप्ताह को लेकर माओवादियों ने एक खास इलाके में बड़े पैमाने पर पोस्टर चिपकाए हैं. इस पोस्टर में माओवादियों ने गांव के सरकारी स्कूलों और पंचायत भवनों को अपना भर्ती केंद्र बनाने का ऐलान किया है. हालांकि पुलिस ने सभी पोस्टर हटा दिए हैं. पीएलजीए सप्ताह को लेकर पुलिस ने भी हाई अलर्ट जारी कर दिया है और सरकारी भवनों की सुरक्षा भी बढ़ा दी है.पलामू और झारखंड बिहार के सीमावर्ती इलाकों में नक्सली अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं. 4 से 5 साल बाद पहली बार माओवादियों ने विश्रामपुर, पांडू और नावाबाजार इलाके में पोस्टरबाजी की है. माओवादियों ने इस इलाके में भर्ती केंद्र बनाने की भी घोषणा की है. दरअसल, पलामू में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात सीआरपीएफ की टीम को हटा दिया गया है.

टीपीसी के दो हार्डकोर उग्रवादी हुए गिरफ्तार, हथियार बरामद

संवाददाता। चतरा

पुलिस ने टीपीसी के दो हार्डकोर उग्रवादी को गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई. पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए ईटखोरी थाना की पुलिस ने सरहैता के सतोनी जंगल से टीपीसी के दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है. दोनों उग्रवादी सदर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं. इनमें सरहैता गांव का रहने वाला मुकेश कुमार राणा (पिता जागेश्वर राणा) और देवरिया गांव का रहने वाला भोला सिंह (पिता माधो भोक्ता) शामिल हैं. पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस और तीन मोबाइल फोन जब्त किया है.

गुप्त सूचना पर हुई गिरफ्तारी

रविवार को पीसी कर इसकी जानकारी डीएसपी केदारनाथ राम ने दी. उन्होंने बताया कि दोनों की गिरफ्तारी दो दिसंबर को की गई. पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना पर पुलिस टीम गठित की गई थी, जिसमें डीएसपी केदारनाथ राम, प्रशिक्षु डीएसपी वसीम रजा, पुलिस निरीक्षक मनोहर करमाली, थाना प्रभारी बिनोद कुमार और अवर निरीक्षक बंटी यादव अनिल कुमार थे. पुलिस टीम ने सरहैता सतोनी जंगल में छापेमारी कर दोनों उग्रवादियों को पकड़ा. दोनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे.

चतराः टीपीसी के दो हार्डकोर उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार बरामद

मुकेश के खिलाफ तीन जिलों में दर्ज हैं एक दर्जन मामले

गिरफ्तार उग्रवादी मुकेश राणा के खिलाफ तीन जिलों चतरा, हजारीबाग और गिरिडीह में लगभग एक दर्जन मामले दर्ज हैं. वह कई जगह उग्रवादी घटना को अंजाम दे चुका है. पुलिस उसे कई साल से तलाश रही थी. चतरा एसपी राकेश रंजन के सक्रियता से इसकी गिरफ्तारी हो सकी. इसके खिलाफ आगजनी, लेवी और आर्म्स एक्ट के मामले दर्ज हैं.

झारखंड : हर दिन पांच दुष्कर्म और चार अपहरण की घटनाएं

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड में हर दिन पांच महिलाओं के साथ दुष्कर्म की घटनाएं हो रही है. वहीं चार महिलाओं की अपहरण की घटनाएं भी हो रही हैं. बीते एक माह के दौरान, राज्य के अलग-अलग जिलों में दुष्कर्म की 149 और अपहरण की 140 घटनाएं हुई है. गौरतलब है कि महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को रोकने के लिए कानून बनाये गये हैं. समय-समय पर जागरूकता रैली भी निकाली जाती है. फिर भी महिलाओं पर अत्याचार के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं.

जाने किस जिले में कितनी हुई दुष्कर्म और अपहरण की घटनाएं

जिला	दुष्कर्म	अपहरण	जिला	दुष्कर्म	अपहरण
रांची	23	09	रामगढ़	01	02
खूंटी	07	02	कोडरमा	04	04
गुमला	07	04	चतरा	03	05
सिमडेगा	06	01	गिरिडीह	14	15
लोहरदगा	04	02	धनबाद	05	10
चाईबासा	08	03	बोकारो	05	05
सरायकेला	03	02	दुमका	01	05
जमशेदपुर	06	03	गोड्डा	06	09
पलामू	07	13	जामताड़ा	00	02
लातेहार	02	00	देवघर	07	12
गढ़वा	18	18	साहेबगंज	04	07
हजारीबाग	06	07	पाकुड	02	00
			कुल	149	140

पुलिस ने बानों में दो अपराधियों को धर दबोचा

बानो (सिमडेगा)। बानो थाना पुलिस ने रविवार को संध्या गश्ती करते समय दो अपराधियों को धर दबोचा एवं उन्हें जेल भेज दिया. बताया गया कि शनिवार को संध्या गश्ती में बानो थाना की पुलिस संध्या गस्ती में निकली थी. पुलिस दल जैसे ही साहू बेड़ा मोड़ पहुंची, दो संदिग्ध युवकों पर नजर पड़ी तो गाड़ी रोक दी. पुलिस को देखते ही दोनों भागने की कोशिश करने लगे, लेकिन इसी बीच पुलिस ने उन्हें धर दबोचा. पूछताछ से पुलिस का शक पक्का हो गया और रविवार को उन्हें जेल भेज दिया. गिरफ्तार युवकों में एक नवेंद्र सिंह पश्चिमी सिंहभूम जिले के आनंदपुर थाना के कांडी गांव के रहनेवाले सहरू सिंह का पुत्र है. दूसरा कुलदीप चेरवा भी आनंदपुर थाना के ही रोबकेरा गांव के निवासी हबिल चेरवा का पुत्र है. पुलिस ने उनके पास से एक अवैध पिस्टल, गोली प्रतिबंधित संगठन का पर्चा, लेवी रसीद तथा एक मोटरसाइकिल बरामद किया है. पुलिस ने बताया कि नवेन्द्र सिंह पूर्व से ही अपराधी प्रवृत्ति का रहा है. उसने 2019 में हाटिंगहोड़े में गाड़ी जलाने का काम किया था.

जंगल में मिला लापता युवक का कंकाल, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता। रांची

जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र स्थित जारगो पंचायत के बुरायकोचा जंगल से एक नर कंकाल बरामद हुआ है. नर कंकाल की पहचान चुटियाबेडा गांव निवासी डेनियल नाग के बेटे सुलेमान नाग (31) के रूप में हुई है. ग्रामीणों ने जंगल में नर कंकाल देखकर पुलिस और परिजनों को इसकी जानकारी दी. सूचना पाकर परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और कपड़े से उसकी पहचान की. खोपड़ी व रीढ़ की हड्डियां अलग-अलग थीं.

25 अक्टूबर से लापता था युवक सुलेमान नाग

सुलेमान नाग 25 अक्टूबर को हॉकी देखने के लिए विजयगीरी गया था. उसके बाद से वह लापता था. परिजनों 15 नवंबर को तमाड़ थाना में सुलेमान नाग की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करायी थी. सनहा दर्ज होने के बाद पुलिस ने काफी खोजबीन की. लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा था. अब करीब एक माह बाद उसका कंकाल जंगल में मिला है.

परिजनों ने अब्राहम व प्रभु दयाल पर लगाया हत्या करने का आरोप

मृतक सुलेमान नाग के बड़े भाई दाउद नाग ने कहा कि गांव वालों के साथ वर्षों से खेत की जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा था. गांव वाले धान काटने नहीं देते थे. इसकी शिकायत मुखिया व ग्राम प्रधान से भी की थी. कहा कि ग्रामीण मेरी माता-पिता को डायन जोगिन कहते थे. अब्राहम मुंडा व प्रभु दयाल मुंडा नाम के व्यक्ति एक बार मेरे माता-पिता मारने के लिए घर आ गये थे. लेकिन सुलेमान नाग ने किसी तरह दोनों की जान बचायी. इसके बाद से अब्राहम और प्रभू दयाल मेरे भाई के दुश्मन बन गये थे. दाउद नाग ने आरोप लगाया कि जब उसका भाई रात में अकेला फुटबाल देखकर लौट रहा था. उसी दौरान दोनों ने सुलेमान नाग की तेज धार हथियार से काटकर हत्या कर दी.

चांडिल में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी टक्कर, दो घायल

चांडिल। टाटा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग 33 पर उरमाल मोड़ के पास रविवार को तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को जोरदार धक्का मार दिया. इस दुर्घटना में बाइक सवार एक महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को चौका थाना की पुलिस इलाज के लिए तत्कार अनुमंडलीय अस्पातल चांडिल पहुंचाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहत इलाज के लिए दोनों को जमशेदपुर भेज दिया गया. घायलों की पहचान चौका थाना क्षेत्र के बेगुनाडीह, बानसा के रहने वाले छुटू कर्मकार और तरू देवी के रूप में किया गया है.

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस : सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही चौका थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने धक्का मारने वाली कार को जब्त कर लिया है. वहीं दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया. बताया जाता है कि छुटू के चेहरे पर चोट लगी है, जबकि महिला के दोनों पैरों पर गंभीर चोट लगी है. बताया गया कि दोनों बाइक से अपने रिश्तेदार के घर उरमाल जा रहे थे. इसी क्रम में उरमाल मोड़ के पास कार ने उनके बाइक को जोरदार धक्का मार दिया.

गिरिडीह पुलिस ने चार साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

- अपराधियों के पास से 8 मोबाइल फोन सेट, 10 एटीएम, 10 सिम कार्ड, 7 पासबुक व बाइक बरामद

संवाददाता। गिरिडीह

जिले की पुलिस साइबर अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है. इस बार पुलिस ने न्यूड वीडियो कॉलिंग कर उसका स्क्रीनशॉट लेकर लोगों को ब्लैकमेल करने और गर्भवती महिलाओं को मातृत्व राशि का लाभ दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले चार शातिर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. वहीं गिरफ्तार साइबर अपराधियों में डुमरी थाना क्षेत्र के नावाडीह का रहने वाला पवन कुमार मंडल और कपिल देव मंडल, बिरनी थाना इलाके के राजेंद्रनगर का रहने वाला पंकज वर्मा और जमुआ थाना क्षेत्र के सियाटांड़ का रहने वाला सूरज तिवारी शामिल है. इन चारों के पास से पुलिस ने 8 मोबाइल फोन सेट, 10 एटीएम कार्ड, 10 सिमकार्ड, 7 पासबुक और एक बाइक बरामद किया है.

पत्रकारों को जानकारी देते एसपी दीपक कुमार शर्मा एवं अन्य अधिकारी.

उक्त आशय की जानकारी गिरिडीह एसपी दीपक कुमार शर्मा ने रविवार को समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता कर दी. उन्होंने बताया कि लगातार गुप्त सूचना मिल रही थी निमियाघाट, बिरनी, डुमरी और बेंगाबाद के इलाके में कुछ साइबर अपराधी लोगों को ठगी करने का काम कर रहे है. इसी सूचना के बाद साइबर डीएसपी संदीप सुमन समदर्शी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया और इन चारों थाना क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया गया और छापामारी के दौरान चारों साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है. छापामारी अभियान में साइबर थाना प्रभारी अजय कुमार, पुअनि श्याम बाबू राठौर, सरोज मंडल, गौरव कुमार, संजय मुखियार, साकेत वर्मा, जितेंद्र नाथ महतो आदि शामिल थे. एसपी ने बताया कि गिरिडीह जिले में किसी भी सूरत में साइबर अपराधियों का मनोबल बढ़ने नहीं दिया जाएगा और जिले से साइबर अपराध को पूरी तरह से खत्म किया जाएगा. बताया कि गिरफ्तार साइबर अपराधी लोगों को न्यूड वीडियो कॉलिंग कर उसका स्क्रीनशॉट लेकर ओर गर्भवती महिलाओं को फोन कर मातृत्व लाभ राशि दिलाने के नाम पर ठगी करने का काम करते थे.

अपराध घर में घुसकर चोरी करने का विरोध किया तो कर दी नवविवाहिता की हत्या

आदिम जनजाति महिला हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता। साहिबगंज

खास बातें

- अभियुक्त ने पुलिस के समक्ष कबूल लिया अपना अपराध
- रांगा थाना के बोरना पहाड़ की रहनेवाली थी भुक्तभागी महिला

हत्याकांड का खुलासा करते साहिबगंज के पुलिस कप्तान नौशाद आलम

आदिम जनजाति की नवविवाहिता भिमी पहाड़िन की हत्या के आरोपी को साहिबगंज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने गोड्डा के राजा भिट्ठा थाना क्षेत्र अंतर्गत केरोकुपि निवासी अरुण कुमार मिर्धा (23 वर्ष) को बरहेट थाना क्षेत्र के सनमनी, तेली टोला से गिरफ्तार किया है. पुलिस के समक्ष उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है.

पुलिस लाइन स्थित अपने कार्यालय में पुलिस कप्तान नौशाद आलम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उक्त मामले की जानकारी दी. एसपी ने बताया कि रांगा थाना के बोरना पहाड़ निवासी मैसा मालतो 10 नवंबर की रात घर पर नहीं था. उसकी पत्नी भिमी पहाड़िन घर में अकेली सोयी थी. इसी दौरान आरोपी अरुण कुमार मिर्धा चोरी की नीयत से उसके घर में घुस आया. मोबाइल और गहने चोरी करने के दौरान भिमी पहाड़िन जाग गई और उसका विरोध किया. आरोपी अरुण ने कपड़े से उसका मुंह दाब दिया. जिससे वह बेहोश हो गई. इसके बाद अरुण मोबाइल और गहना लेकर भागने ही वाला था कि भिमी को होश आ गया. इसके बाद आरोपी अरुण ने ईंट से महिला के सिर पर मारकर उसकी हत्या कर दी और गहने व मोबाइल लेकर फरार हो गया था. मामला दर्ज होने के बाद जांच में जुटी पुलिस ने टेक्निकल सेल की मदद से आरोपी अरुण को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने उसके पास से रियलमी मोबाइल, जियो का कीपैड मोबाइल, 1 जोड़ी चांदी का पायल, एक हाथ का चांदी का बंधन व मधुपुर स्टेशन से चोरी किया गया एक मोबाइल बरामद किया है. प्रेस कॉन्फ्रेंस में रांगा थाना प्रभारी अमन कुमार सिंह, पुअनि उमेश चंद्र महतो, आरक्षी उदय कुमार पासवान, उमेश राम, चौकीदार गणेश तुरी व सुशील तुरी मौजूद थे.

सिदगोड़ा में घर में घुसकर चोरी, चोर सीसीटीवी में कैद

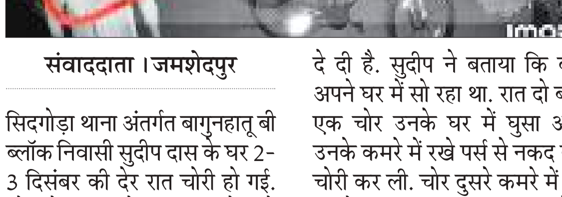

संवाददाता। जमशेदपुर

सिदगोड़ा थाना अंतर्गत बागुनहातू बी ब्लॉक निवासी सुदीप दास के घर 2-3 दिसंबर की देर रात चोरी हो गई. चोर ने सुदीप के घर पर्स में रखे नकद की चोरी की. हालांकि इस दौरान घर वाले जाग गए जिस कारण चोर मौके से फरार हो गया. चोर की सारी गतिविधि सीसीटीवी में कैद हो गई है. सुबह उठने पर सुदीप को चोरी की जानकारी हुई. उसने सिदगोड़ा थाना में मामले की सूचना दे दी है. सुदीप ने बताया कि वह अपने घर में सो रहा था. रात दो बजे एक चोर उनके घर में घुसा और उनके कमरे में रखे पर्स से नकद की चोरी कर ली. चोर दुसरे कमरे में भी घुसने का प्रयास कर रहा था पर लोग जान गए जिस कारण वह भाग गया. सुदीप के अनुसार उनके पर्स में 6300 रुपये नकद थे. उन्होंने बताया कि चोर की तस्वीर सीसीटीवी में कैद हो गई है. इधर, पुलिस सीसीटीवी की मदद से चोर की पहचान करने में जुट गई है.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम भाव मे चन्द्रमा है. नए स्थान पर घूमने का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है. कार्य की प्रशंसा होगी. माता दुर्गा को घी का दीपक दिखाएं.

वृषभ हृदय रोग से बचाव आवश्यक है. कार्य की सफलता के लिए प्रयास अधिक करने पड़ेंगे. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा.

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें. भरपूर प्रयास करें.

कर्क समय उत्तम फल प्रदान करेगा. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है. विदेश से मिलने वाले शुभ समाचार से मन खुश रहेगा.

कन्या कहीं घूमने का भी समय है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. आय बनी रहेगी.

तुला चोट व रोग से हानि की आशंका है, लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक सरकारी कार्य में गति मिलेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्य होने से सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु बड़ों के अनुभव का लाभ लेना चाहिए. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर पार्टनर से विवाद हो सकता है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी.

कुंभ शुक्र के प्रभाव से जीवनसाथी का सुख बढ़ेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. कार्य होने से सही लाभ होगा. अन्न दान करें.

मीन मौसमी बीमारियों से बचें. किसी के बहकावे में नहीं आना चाहिए. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. लंबी यात्रा की योजना बन सकती है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. अन्न दान करे.

उपराष्ट्रपति के धनबाद आगमन को लेकर प्रशासन की टीम अलर्ट मोड में

उपायुक्त ने सभी अफसरों-कर्मियों को दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता | धनबाद

उपराष्ट्रपति के धनबाद आगमन को लेकर जिला प्रशासन सजग है और विधि व्यवस्था सहित अन्य पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है. इसी क्रम में उपायुक्त वरुण रंजन और एसएसपी संजीव कुमार ने बरवाअड्डा एयरपोर्ट का निरीक्षण किया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया. इस दौरान उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. मौके पर उप विकास आयुक्त, सिटी एसपी, जिला परिवहन पदाधिकारी, नगर आयुक्त, सहायक नगर आयुक्त, ट्रैफिक डीएसपी, डीएसपी अमर पांडे धनबाद थाना प्रभारी बरवाअड्डा थाना प्रभारी पथ निर्माण विभाग सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे. पूरे मामले पर जानकारी देते हुए उपायुक्त वरुण रंजन और एसएसपी संजीव कुमार ने बताया कि उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था और तैयारी का जायजा लिया जा रहा है. अवैध कट और सड़क की बारिकियों सहित अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है. पथ निर्माण विभाग, निगम सहित सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए हैं. कमोबेश तैयारी पूरी कर ली गई है मैथन तक सड़कों का निरीक्षण किया जाएगा और उसके बाद सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य पहलुओं की जांच की जाएगी. वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से दुर्गापुर डीएम से भी वार्ता कर स्थिति का जायजा लिया गया है. एनएच के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए.

मालूम हो कि 10 दिसंबर को आईआईटी आईएसएम में होने वाले कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखर शिरकत करने वाले है. उसके बाद राष्ट्रीय राज मार्ग से दुर्गापुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे इसी को लेकर जिला प्रशासन निरीक्षण कर तैयारी का जायजा ले रही है. पूर्व में भी हजारीबाग कमिश्नर का दौरा आईआईटी आईएसएम में हुआ था और आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे. जिला प्रशासन की टीम द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग मैथन तक अवैध कट, बैरिकेट्स सड़कों पर अवैध अतिक्रमण सहित अन्य पहलुओं की बारीकी से जांच की जा रही है.

ग्रामीण को मार डालने की जानकारी मिलते ही पूरे क्षेत्र में सनसनी

दंतैल हाथी ने ली एक व्यक्ति की जान, दहशत में ग्रामीण

संवाददाता | चांडिल

चांडिल अनुमंडल अंतर्गत कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों में विचरण कर रहा अकेला दंतैल हाथी ने रविवार की सुबह एक व्यक्ति को कुचलकर मार डाला. हाथी द्वारा ग्रामीण को मार देने की जानकारी मिलने के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोग दहशत में आ गए. मृतक की पहचान कुकड़ू प्रखंड के बाकारकुड़ी निवासी बांका कुमार के 35 वर्षी पुत्र गणेश कुमार के रूप में किया गया है. बताया गया कि गणेश रविवार की सुबह शौच करने के लिए गया था, जहां दंतैल हाथी ने उसपर हमला कर दिया. हाथी के अचानक सामने आ जाने के बाद गणेश भागने का प्रयास किया था, लेकिन हाथी ने उसे पकड़कर कुचल दिया.

अब कहर बरपाने लगा हाथी : पिछले करीब दो सप्ताह से झुंड से बिछड़ा अकेला दंतैल हाथी विभिन्न गांवों में विचरण कर रहा है. वहीं कुकड़ू प्रखंड क्ष्क्षेत्र में हाथियों का एक झुंड भी घुम रहा हैं, लेकिन वन विभाग हाथियों को भगाने के दिशा में कोई ठोस पहल नहीं कर रहा है. जंगली हाथी एक बार फिर क्षेत्र में अपना कहर बरपाने लगा है. इससे ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है. वहीं गणेश कुमार की मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हैं. दूसरी ओर जंगली हाथी द्वारा एक व्यक्ति की जान लेने की सूचना मिलने के बाद चांडिल के रेंजर अपने सहकर्मियों के साथ घटना स्थल की ओर रवाना हो गए है. वन विभाग की टीम मामले की जांच करेगी और सरकार के प्रावधान के अनुसार मृतक के परिजनों को अग्रिम मुआवजा राशि देगी.

खेत में घूम रहा दंतैल हाथी

गणेश को कम सुनाई देता था

बताया जा रहा है कि मृतक गणेश को कान में कम सुनाई देता था. शौच करने के लिए जाने के बाद दंतैल हाथी के आने की आवाज उसे सुनाई दी, जिससे वह समय रहते भागने नहीं सका. गणेश के मृत्यु के साथ चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में इस वर्ष जंगली हाथियों ने सात लोगों की जान ले चुके हैं. बीते चार-पांस सालों से चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में जंगली हाथियों का कहर बढ़ गया है. ग्रामीण इस मामले में वन विभाग, जनप्रतिनिधि और सरकार से बार-बार गुहार लगाकर थक चुके हैं. लेकिन ग्रामीणों के जान व माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं किया जा सका है.

आओ जानें

झारखंड के प्रमुख पर्वत

पारसनाथ पर्वत : यह झारखण्ड की सबसे ऊंची पर्वत श्रेणी हैं, जो गिरिडीह जिले में स्थित है. इसकी ऊंचाई 1365 मीटर हैं. इस पर्वत का नाम जैन धर्म के 23 वें तीर्थकर पारसनाथ के नाम पर रखा गया हैं.

त्रिकूट पर्वत : यह पर्वत झारखण्ड के देवघर जिले में स्थित है. इसकी ऊंचाई लगभग 392 मीटर हैं. यह पर्वत एक अच्छा धार्मिक स्थल के साथ-साथ एक बेहतर पर्यटन स्थल भी हैं. इसी पर्वत से ही मयूराक्षी नदी निकलती है.

रांची हिल : यह पर्वत झारखण्ड की राजधानी रांची में स्थित है. इसकी ऊंचाई लगभग 350 फ़ीट है. यह पर्वत एक अच्छा धार्मिक स्थल के साथ-साथ एक बेहतर पर्यटन स्थल भी है. इस पर्वत पर प्रसिद्ध शिव मंदिर है और इस मंदिर को पहाड़ी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है.

टैगोर हिल : यह पर्वत भी झारखण्ड की राजधानी रांची में स्थित है. इसकी ऊंचाई लगभग 300 फ़ीट है. यह पर्वत एक अच्छा धार्मिक स्थल के साथ-साथ एक बेहतर पर्यटन स्थल भी है.

राजमहल हिल : यह पर्वत झारखण्ड के साहेबगंज जिले में स्थित हैं. यह पर्वत एक बेहतर पर्यटन स्थल है. इसी पर्वत से ही गुमानी नदी निकलती है.

7 को पोटका आयेंगे सीएम झामुमो ने की तैयारी बैठक

डुमरिया | सीएम हेमंत सोरेन 7 दिसंबर को पोटका प्रखंड के कालिकापुर स्थित सावनाडीह फुटबॉल मैदान आयेंगे. सीएम आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे. सीएम के दौरे को लेकर झामुमो कार्यकर्ता उत्साहित हैं. डुमरिया प्रखंड से भी झामुमो कार्यकर्ता सीएम के संबोधन को सुनने के लिए सावनाडीह जायेंगे. सीएम के पोटका आगमन को लेकर झामुमो डुमरिया प्रखंड कमेटी ने शनिवार को एक बैठक आयोजित की. बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष मिर्जा सोरेन ने की. मौके पर झामुमो प्रखंड सचिव जयपाल सिंह मुर्मू, उप प्रमुख चैतन मुर्मू, बीस सूत्री अध्यक्ष भागात बास्के, सरकार किस्कू, उदय मुर्मू, अर्जुन मुर्मू, त्रिलोचन पंडा समेत झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे.

रेलवे ठेका मजदूरों का नहीं हो सका बोनस का भुगतान

रांची | हटिया मजदूर यूनियन सीटू के अध्यक्ष भवन सिंह ने रेलवे ठेका मजदूरों के बोनस भुगतान नहीं होने पर रुख कड़े किए हैं. उन्होंने कहा कि हटिया रेलवे ठेकेदारों और रेलवे के ऑफिसर्स की उदासीनता के कारण रेलवे ठेका मजदूरों को बोनस का भुगतान नहीं हो सका है. बोनस के भुगतान के लिए सीनियर डीएमई को इस माह में पत्र भी लिखा है,लेकिन न हीं ठेकेदार सुन रहे हैं और न ऑफिसर्स ने ध्यान दिया. यूनियन की ओर से बोनस को लेकर आरएलसी रांची के पास डीआरएम हटिया को पार्टी बनाकर सभी ठीकेदारों पर मुकदमा दायर किया जाएगा. जिन ठेकेदारों पर वाद दायर होगा, उनमें जी एस आई एस आई साईं फैसिलिटी अम्बाला कैंट, यंग बंगाल और न्यू टेक आदि शामिल हैं. साईं फैसिलिटी और लांड्री के मजदूरों को विगत चार माह से वेतन लंबित है.

चाईबासा : कृषकों ने सीखा खेती में ड्रोन के इस्तेमाल का तरीका

संवाददाता | चाईबासा

भारत संकल्प यात्रा के तत्वावधान में पश्चिम सिंहभूम जिले के विभिन्न प्रखंडों के कृषकों को खेतों में नैनो उर्वरकों के प्रयोग का ड्रोन के माध्यम से छिड़काव करने की जानकारी दी जा रही है. यह जानकारी इफ्को खाद निर्माता के प्रतिनिधि के द्वारा शहर के एक खाद बिक्री केंद्र के माध्यम से दी जा रही है .इस तकनीक के उपयोग करने का उद्देश्य खाद की बर्बादी भी न हो और खेतों में विशेष कर रवी के फसलों एवं सब्जियों में इस तकनीक का इस्तेमाल करते हुए उसका इस तरह से छिड़काव किया जाए ताकि हर पौधे को समुचित मात्रा में फर्टिलाइजर मिल पाय.

इफ्को के द्वारा हर उन किसानों को जिन्होंने अपने खेतों में रवी और सब्जियों की खेती की हुई है उन्हें शहर के खाद बिक्री के खाद्य बिक्री केंद्र में अपना निबंध कराने और अधिक से अधिक फसलों मैं ड्रोन इसको नैनो उर्वरक के स्प्रे करने की सलाह दी गई है.

बागबेड़ा फिल्टर प्लांट निर्माण को लेकर आंदोलन की तैयारी

जमशेदपुर | बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के फिल्टर प्लांट का कार्य बंद होने से नाराज लोगों ने अब आंदोलन का रुख अख्तियार कर लिया है. इसे लेकर बागबेड़ा महानगर विकास समिति ने रविवार को हाउसिंग कॉलोनी में एक बैठक की. बैठक की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सुबोध झा ने की. इसमें बागबेड़ा महानगर विकास समिति महिला मोर्चा की अध्यक्ष रितु सिंह, युवा मोर्चा के राहुल कुमार, यश अग्रहरि, मनोज तिवारी, सनी कुमार मुख्य रूप से उपस्थित थे. सभी ने एक स्वर में आंदोलन करने पर सहमति जताई. कहा कि अब सभी लोग सड़क पर उतरेंगे और कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में तालाबंदी करेंगे. कहा कि तत्काल मोटर लगाकर बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी में पानी की सप्लाई शुरू नहीं की जाती है और योजना का शुभारंभ नहीं किया जाता है तो आंदोलन के प्रथम चरण में उपायुक्त को मांग पत्र सौंपा जाएगा. एक सप्ताह के बाद कार्यपालक अभियंता के कार्यालय में ताला बंदी की जाएगी. इसके बाद फिल्टर प्लांट में जाकर सभी लोग भूख हड़ताल पर बैठ जायेंगे. फिर भी न्याय नहीं मिला तो झारखंड हाईकोर्ट की शरण में जाएंगे.

सरना धर्म कोड की मान्यता का मामला

आदिवासी सेंगेल अभियान का 30 दिसंबर को भारत बंद का आह्वान

संवाददाता | धनबाद

सेंगेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सालखन मुर्मू ने रविवार को धनबाद के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन की .जिसमें उन्होंने कहा कि आदिवासी सेंगेल अभियान की और से सरना धर्म कोड की मान्यता को लेकर 30 दिसंबर 2023 को सांकेतिक भारत बंद और रेल- रोड चक्का जाम का आह्वाहन किया गया है . इससे पूर्व 10 दिसंबर को मधुबन,गिरिडीह में मरांग बुरु बचाओ सेंगेल यात्रा और 22 दिसंबर को दुमका में हासा- भाषा विजय दिवस का आयोजन तय किया है.उन्होंने कहा कि सरना धर्म कोड भारत के प्रकृति पूजक लगभग 15 करोड़ आदिवासियों के अस्तित्व की पहचान और हिस्सेदारी का जीवन रेखा है और आदिवासियों को मौलिक अधिकार से वंचित करना संवैधानिक अपराध है.

सरना धर्म कोड की मान्यता मानवता और प्रकृति- पर्यावरण की रक्षार्थ है. उन्होंने यह भी कहा सेंगेल किसी पार्टी और उसके वोट बैंक को बचाने के बदले आदिवासी समाज को बचाने के लिए चिंतित है. सेंगेल का नारा है- पार्टियों की गुलामी मत करो, समाज की बात करो.जो सरना धर्म कोड देगा आदिवासी उसको वोट देगा.

झारखंड चिक बड़ाईक उत्थान समिति की बैठक

मनोहरपुर | रविवार को झारखंड राज्य चिक बड़ाईक उत्थान समिति के तत्वावधान में आनंदपुर प्रखंड के ग्राम रुंघीकोचा में मनोहरपुर सह आनन्दपुर प्रखण्ड कामेटी की बैठक हुई. इसमें समाज से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई. साथ ही आगामी 07 जनवरी 2024 को सामाजिक मिलन समरोह साह वनभोज करने के लिए सर्व सहमति से निर्णय लिया व सामाज को आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से आगे बढ़ने के लिए विशेषकर बच्चों को शिक्षा के प्रति बढ़ावा देने एवं समाज को नशा मुक्त करने पर जोर दिया गया. इस बैठक को संबोधित करते हुए वरिष्ठ समाज के नेता हरेंद्र बड़ाईक ने हर हाल में समाज को शिक्षित एवं बेरोजगारी मुक्त करने पर बल दिया. बैठक में मुख्य रूप से झारखंड राज्य चिक बड़ाईक उत्थान समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिशचंद्र चीक बाईक,जिला अध्यक्ष हरिश चन्द्र बाईक, जिला सचिव फलिंदर चीफ बड़ाईकाय, जिला कोषाध्यक्ष चमन चीफ बड़ाईक,प्रखंड अध्यक्ष बलराम बड़ाईक.सचिव लक्ष्मण बड़ाईक आदि वक्ताओं ने समाज के उत्थान एवं सर्वांगीण विकास पर अपने बातों को रखा. इस बैठक में अजित बड़ाईक सीताराम बड़ाईक, राजकिशोर बड़ाईक, लखिराम बड़ाईक आदि सदस्य उपरियत थे.

एक्सएलआरआई जुटेंगे देश-विदेश से आमंत्रित 300 से अधिक प्रतिनिधि

पीओएमएस इंडिया चैप्टर कांफ्रेंस का आयोजन आज से

संवाददाता | जमशेदपुर

जमशेदपुर के एक्सएलआरआई में 4 दिसंबर से तीन दिवसीय पीओएमएस इंडिया चैप्टर कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया है. इस कॉन्फ्रेंस का विषय संचालन के भविष्य की कल्पना की वहनीयता होगा. कार्यक्रम का लक्ष्य यह है कि नई तकनीक को बढ़ावा देना और यह पता लगाना है कि यह क्षेत्र कैसा हो सकता है. पीओएमएस इंडिया इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस शिक्षाविदों और अभ्यासकर्ताओं को नई तकनीक इजाद करने के लिए करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है, जो दोनों को एक मंच पर लाता है.

यह वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का परिचायक भी है. इस संबंध में जानकारी देते हुए एक्सएलआरआई के निदेशक फादर एस जार्ज ने बताया कि संबंधित विषय के साथ पीओएमएस का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने आशा जतायी है कि यह कार्यक्रम एक्सएलआरआई एवं एक्सलर्स (छात्र-छात्राओं) के भविष्य के लिए काफी लाभदायक साबित होगा. इससे उत्पादन और संचालन प्रबंधन के क्षेत्र में भविष्य में सकारात्मक बदलाव की संभावना को बल मिलेगा. सम्मेलन के अध्यक्ष प्रो आलोक राज ने इस कार्यक्रम को लेकर योजना तैयार की है जिसके तहत इस कार्यक्रम में भारत, अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, कोलंबिया और कनाडा से कुल 300 से ज्यादा प्रतिभागी शिरकत करेंगे. इसमें तीन पैनल पर चर्चा होगी, जिसमें कार्बन तटस्थता, डीईआई और डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला शामिल है. इस कार्यशाला का संचालन प्रो विनोद सिंघल करेंगे.

खास बातें

- विषय है-संचालन के भविष्य की कल्पना की वहनीयता
- नई तकनीक को बढ़ावा देना कांफ्रेंस का मुख्य उद्देश्य

कोल्हान विवि

पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 877 छात्र हुए शामिल, 197 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे

- टाटा कॉलेज व जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज में शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न

संवाददाता | चाईबासा

कोल्हन विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से रविवार को पीएचडी प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया. इसमें कुल 877 विद्यार्थी शामिल हुए, जबकि 197 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. कुल 993 विद्यार्थी परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन किए थे. लेकिन 796 विद्यार्थी ही परीक्षा में शामिल हो पाए. वही 197 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. टाटा कॉलेज चाईबासा और जीसी जैन कॉमर्स कॉलेज में परीक्षा केंद्र बनाया गया था. शांतिपूर्ण तरीके से परीक्षा संपन्न हो गई. विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उड़न दस्ता टीम का भी गठन किया गया था. टाटा कॉलेज में कुल 616 विद्यार्थियों में 500 विद्यार्थी उपस्थित रहे, जबकि 116 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. इसी तरह जीसी कॉमर्स कॉलेज में कुल 377 विद्यार्थी में 296 विद्यार्थी उपस्थित रहे. जबकि 81 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे. कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ अजय कुमार चौधरी ने कहा कि परीक्षा में किसी तरह का कदाचार ना हो इसको लेकर टीम का गठन किया गया था. साथ ही सभी कॉलेज को निर्देश दिया गया था कि अपने स्तर से निगरानी रखें. ताकि किसी तरह की कदाचार ना हो सके. उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से दोनों सेंटर में परीक्षा संपन्न हो गई. परीक्षा 11 बजे से लेकर 1 बजे तक चली. यह परीक्षा पूरी तरह से कदाचार मुक्त रहा.

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा की जीत पर बधाई

आइये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों को मजबूत करें

सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास

मो. महताब आलम
जिला अध्यक्ष
भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, लातेहार

हैदराबाद में जीत का जश्न मनाते कांग्रेस कार्यकर्ता.

भाजपा की जीत का जश्न.

छत्तीसगढ़ में कमल खिलने की खुशी में लहराए झंडे.

मध्य प्रदेश में भाजपा की जीत पर नारी शक्ति उत्साहित.

तेलंगाना

कांग्रेस - 64 सीटें
बीआरएस - 39
भाजपा - 08 सीटें
एआईएमआईएम - 07 सीटें

119 सीटों पर मतदान हुआ था

तेलंगाना: कांग्रेस का परचम लहराया

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को जारी मतगणना के अब तक के रुझानों में कांग्रेस 64 सीट पर जीत के साथ अपना परचम लहरा दिया है. चुनाव में बीआरएस को 39 और भाजपा को 8 सीटें हासिल हुई है. वहीं ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम को सात सीटें हासिल हुई है.

राज्य की कुल 119 सीट में कांग्रेस और बीआरएस के बीच अंतर बढ़ता जा रहा है और कांग्रेस की जीत पक्की मानी जा रही है.मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) भी अपने विधानसभा क्षेत्र कामारेड्डी में कांग्रेस उम्मीदवार रेवंत रेड्डी से पीछे हैं. केसीआर कामारेड्डी के अलावा गजवेल सीट से भी चुनावी मैदान में उतरे थे. इस चुनाव में बीआरएस के अधिकतर मौजूदा विधायकों को फिर से उतारने का पार्टी भी फैसला भी उसे वांछित परिणाम नहीं दे पाया. 2014 में तेलंगाना के गठन के समय से बीआरएस का राज्य की राजनीति पर दबदबा रहा. लेकिन इस चुनाव में उसे मुंह की खानी पड़ी है.

राजस्थान

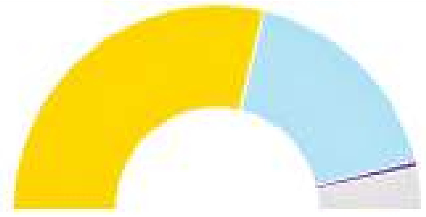

भाजपा - 115 सीट
कांग्रेस - 69 सीटें
अन्य - 15 सीटें

199 सीटों पर मतदान हुआ था

राजस्थान: भाजपा मुख्यालय में जश्न का माहौल, कांग्रेस कार्यालय में सन्नाटा पसरा

जयपुर। राजस्थान में भी भाजपा, सत्तारूढ़ कांग्रेस से काफी आगे है. यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है. अभी तक के नतीजों और रुझानों से स्पष्ट है कि इस बार भी यह रिवाज कायम रहेगा. यहां भाजपा 115 सीट जीत चुकी है. कांग्रेस को 69 सीटें मिली है. अन्य 15 सीटें मिली है. राज्य की 199 सीट पर मतदान हुआ था क्योंकि एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण उस सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था.

मतगणना के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बढ़त मिलने के साथ ही यहां पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को जश्न मनाते देखा जा सकता है, वहीं चुनाव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए बनाए गए पार्टी के 'वार रूम' में सन्नाटा छाया हुआ था.

मप्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भाजपा संभालेगी सत्ता, तेलंगाना में कांग्रेस

एजेंसी ।नई दिल्ली

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव का सेमी फाइनल कहे जा रहे चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शानदार प्रदर्शन किया है. मध्य प्रदेश में जहां उसने जबरदस्त प्रदर्शन के साथ सत्ता बरकरार रखी है. वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ में उसने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया है. इन चुनावों में कांग्रेस के लिए राहत सिर्फ तेलंगाना से मिल रही है, जहां पार्टी बहुमत से उसकी सरकार बनने जा रही है. छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर थी, वहीं दक्षिण के राज्य तेलंगाना में मुख्य मुकाबला भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस के बीच था. पांचवें राज्य मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी.

नए सिरे से उत्साह का संचार

आगामी लोकसभा चुनाव से पहले तीन हिंदी भाषी राज्यों में जीत ने जहां भाजपा में नए सिरे से उत्साह का संचार कर दिया है, वहीं कांग्रेस के लिए यह चुनाव किसी भारी झटके से कम नहीं है, क्योंकि वह पार्टी शासित दो राज्य भाजपा के हाथों गंवाने जा रही है. विधानसभा चुनाव वाले इन पांचों राज्यों में लोकसभा की 84 सीटें आती हैं और आगामी लोकसभा चुनाव से पहले यह विधानसभा चुनावों का आखिरी दौर है. निर्वाचन आयोग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 163 सीट जीत चुकी है. कांग्रेस 66 सीट जीत चुकी है और अन्य पार्टी ने एक सीट जीती है. मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जीत का संकेत स्पष्ट होते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया. भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचे और मिठाइयां बांटीं.

राजस्थान में भी भाजपा, सत्तारूढ़ कांग्रेस से काफी आगे है. यहां की जनता पिछले तीन दशक से हर चुनाव में सरकार बदलती रही है. अभी तक के नतीजों और रुझानों से स्पष्ट है कि इस बार भी यह रिवाज कायम रहेगा. यहां भाजपा 115 सीट जीत चुकी है. कांग्रेस को 69 सीटें मिली है. अन्य को 15 सीटें मिली है. राज्य की 199 सीट पर मतदान हुआ था क्योंकि एक उम्मीदवार की मृत्यु के कारण उस सीट पर मतदान स्थगित कर दिया गया था.

छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा से आगे थी और बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला है लेकिन बाद में भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली. यहां की 90 में से 56 सीट पर भाजपा जीत चुकी है और जबकि कांग्रेस को 33 सीट पर सफलता मिली है और अन्य को एक सीट मिली है.

तेलंगाना में कांग्रेस 64 सीटें जीती है. बीआरएस 39 और भाजपा 8 सीटें जीती है. वहीं ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने सात सीटें जीती है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन को भारत की जनता के भरोसे का प्रतीक बताया और कहा कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति पर है.

मोदी ने आभार जताया

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में चुनाव परिणामों को 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक 'सशक्त कदम' बताया और तीनों राज्यों के मतदाताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि जनता-जनार्दन को नमन! मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के चुनाव परिणाम बता रहे हैं कि भारत की जनता का भरोसा सिर्फ और सिर्फ सुशासन और विकास की राजनीति में है, उनका भरोसा भाजपा में है. इन चुनावों में भाजपा के प्रति स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद बरसाने के लिए उन्होंने सभी राज्यों की जनता, विशेषकर महिलाओं और युवाओं का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा कि मैं उन्हें भरोसा देता हूं कि आपके कल्याण के लिए हम निरंतर अथक परिश्रम करते रहेंगे. भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी के शानदार प्रदर्शन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और विकास पर जनता की मुहर और कांग्रेस के तुष्टीकरण, अराजकता तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जनादेश करार दिया. केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि नतीजे दिखाते हैं कि लोगों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'गारंटी' को स्वीकार किया है. यह पूछे जाने पर कि राजस्थान के नए मुख्यमंत्री का नाम कब तक तय किया जाएगा, राजस्थान में भाजपा के चुनाव प्रभारी जोशी ने कहा कि यह 'बहुत जल्द और सुचारू रूप से' होगा.

पार्टी की हार पर निराशा

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार पर निराशा जताते हुए रविवार को कहा कि उनका दल इन राज्यों में खुद को मजबूत करेगा तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए अपने आपको तैयार करेगा. उन्होंने तेलंगाना में कांग्रेस की जीत के लिए मतदाताओं का आभार जताया.

विरोधी लहर से फायदा

तेलंगाना में चुनाव परिणामों पर जोशी ने कहा कि कांग्रेस को बीआरएस के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर से फायदा हुआ तथा भाजपा को वहां और मेहनत की जरूरत है. चारों राज्यों में जारी मतगणना के बीच भाजपा ने कहा कि देश में एक ही गारंटी चलती है और वह है 'मोदी की गारंटी'. भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'मोदी की गारंटी.' इस पोस्ट के साथ ही उन्होंने धोती और कुर्ता पहने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक तस्वीर लगाई जिसमें लिखा है, ''देश में एक ही गारंटी चलती है और वह मोदी की गारंटी!'' पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा के संकल्प पत्र और कांग्रेस की गारंटी के बीच मुकाबला था और प्रधानमंत्री मोदी हर चुनावी सभा में मतदाताओं को भाजपा के संकल्प पत्र को 'मोदी की गारंटी' के रूप में पेश कर रहे थे.

छत्तीसगढ़

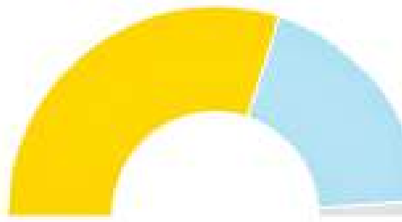

भाजपा - 56 सीट
कांग्रेस -33 सीट
अन्य - 01 सीट

90 सीट पर मतदान हुआ था

छत्तीसगढ़: भाजपा को 56, कांग्रेस 33 और एक सीट पर अन्य को मिली जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शुरुआती रुझानों में सत्तारूढ़ कांग्रेस, भाजपा से आगे थी और बीच-बीच में लगा कि दोनों के बीच कांटे का मुकाबला है लेकिन बाद में भाजपा ने अच्छी-खासी बढ़त हासिल कर ली. यहां की 90 में से 56 सीट पर भाजपा जीत चुकी है और जबकि कांग्रेस को 33 सीट पर सफलता मिली है और अन्य को एक सीट मिली है. छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को हो रही मतगणना के रुझानों में भाजपा बहुमत के आंकड़े को प्राप्त करती प्रतीत हो रही है. राज्य में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और बहुजन समाज पार्टी एक-एक सीटों पर आगे है. एक चुनाव अधिकारी ने बताया कि 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में वोटों की गिनती रविवार सुबह आठ बजे शुरू हुई, सुरक्षाबल के जवान राज्य के 33 जिलों में मतगणना केंद्रों पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं.

मध्य प्रदेश

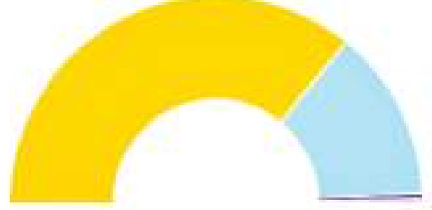

भाजपा - 163 सीट
कांग्रेस - 66 सीट
अन्य पार्टी - 01 सीट

230 सीट पर मतदान हुआ था

मध्य प्रदेश में भाजपा की प्रचंड जीत कांग्रेस को 66 व अन्य को 01 सीट

भोपाल। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 163 सीट जीत चुकी है. कांग्रेस 66 सीट जीत चुकी है और अन्य पार्टी ने एक सीट जीती है. मध्य प्रदेश में भाजपा नेताओं ने जीत का संकेत स्पष्ट होते ही जश्न मनाना शुरू कर दिया. भोपाल स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचे और मिठाइयां बांटीं. मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रचंड जीत की ओर बढ़ती दिख रही है. मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतों की गिनती के अब तक के रुझानों के अनुसार सत्तारूढ़ भाजपा प्रदेश की सत्ता बरकरार रखने की ओर अग्रसर प्रतीत हो रही है. चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन में स्पष्ट जीत की ओर बढ़ रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यदि इन राज्यों में सरकार बना लेती है तो वह अब अपने दम पर 12 राज्यों में सत्ता में होगी.

आम चुनाव में सभी 28 सीट जीतेंगे : बी एस येदियुरप्पा

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत की संभावनाओं के बीच रविवार को कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी कर्नाटक की सभी 28 सीटों पर जीत हासिल करेगी. येदियुरप्पा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के "प्रचंड जीत" की ओर बढ़ने की संभावना के बीच इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा को बधाई और श्रेय दिया. रविवार को जारी मतगणना में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भाजपा को स्पष्ट बढ़त मिलती दिख रही है जबकि तेलंगाना में कांग्रेस को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से आगे निकलते देखा जा सकता है.

अब बंगाल में 'मोदी सुनामी' का इंतजार : शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को दावा किया कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन का पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति पर असर पड़ेगा, जहां 2024 के लोकसभा चुनावों में "मोदी सुनामी" आने का इंतजार किया जा रहा है. पत्रकारों से बात करते हुए, अधिकारी ने छत्तीसगढ़ के बंगाली समुदाय को धन्यवाद दिया और दावा किया कि भाजपा के लिए उनके भारी समर्थन ने राज्य के विधानसभा चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाई. उन्होंने कहा कि मुझे छत्तीसगढ़ के भाजपा नेताओं का फोन आया और उन्होंने मुझे 'बंगाल फैक्टर' के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक लहर है. असली सुनामी का इंतजार है. लोकसभा चुनाव में हम मोदी सुनामी देखेंगे.

कांग्रेस अपने दम पर चुनाव जीतने में सक्षम नहीं : जदयू

नई दिल्ली। जनता दल (यूनाइटेड) ने रविवार को हिंदी पट्टी के तीन राज्यों में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन को लेकर उसे आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है. जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं . उन्होंने कहा कि चुनावों में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन गायब था. उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन राज्यों के चुनाव में 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के अपने सहयोगी दल को न कभी आमंत्रित किया और ना ही उससे सलाह-मशविरा किया. समाजवादी विचाराधारा वाले दलों से भी परामर्श नहीं किया गया, जिनकी इन राज्यों में ऐतिहासिक रूप से मौजूदगी रही है.

इन नतीजों का 'इंडिया' पर प्रभाव नहीं पड़ेगा: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों में विधानसभा चुनावों के नतीजों का विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. 'इंडिया' गठबंधन में कांग्रेस के नेतृत्व में 25 से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं. चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को जारी मतगणना के अब तक आए रुझानों के मुताबिक भाजपा मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी करती दिख रही है, वहीं राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों को वह उससे छीनती नजर आ रही है.

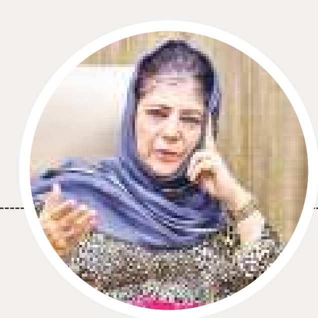

2024 लोकसभा के परिणाम और बेहतर रहेंगे: महबूबा

श्रीनगर। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के स्पष्ट जीत की ओर बढ़ने के बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को उम्मीद जताई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी दलों के लिए परिणाम बेहतर रहेंगे. मुफ्ती ने कुपवाड़ा में पार्टी के एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा कि विपक्षी दलों को जांच एजेंसियों, धन बल और निर्वाचन आयोग सहित सरकार की ताकत का सामना करना पड़ा है.

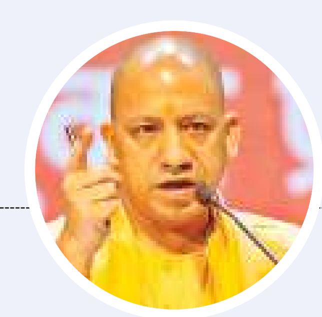

मोदी की गारंटी पर लगी जनता की मुहर : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठक तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने रविवार को हाल ही में हुए चुनावों में तीन राज्यों में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन को दिया. मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा के निर्णायक बढ़त के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है.

यह परिणाम कांग्रेस की विफलता को दर्शाते हैं: टीएमसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने रविवार को दावा किया कि तीन राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का अच्छा प्रदर्शन उसकी सफलता से ज्यादा कांग्रेस की 'विफलता' है. मध्य प्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों में भाजपा जीत की ओर बढ़ रही है, जबकि छत्तीसगढ़ में उसने काफी बढ़त हासिल कर ली है. टीएमसी के और प्रवक्ता कुणाल घोष ने सोशल मीडिया पर संदेश में कहा कि इन तीन राज्यों में यह भाजपा की सफलता से ज्यादा कांग्रेस की विफलता है.

जनता ने कांग्रेस के कुशान को नकार दिया : वसुंधरा राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे ने प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के परिणामों में उनकी पार्टी की जीत पर प्रतिक्रिया जताते हुए रविवार को कहा कि जनता ने कांग्रेस के कुशासन को नकार दिया है. राजे इस चुनाव में झालरापाटन सीट से जीत गई हैं. रुझानों में भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बीच राजे ने कहा, ''राजस्थान की ये शानदार जीत हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मंत्र ''सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और सबका प्रयास'' की जीत है. उनकी दी हुई 'गारंटी' की जीत है.

गठबंधन के तहत चुनाव लड़ा होता तो मप्र का नतीजा अलग होता : राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि अगर कांग्रेस ने 'इंडिया' गठबंधन के तहत इसके घटक दलों के साथ कुछ सीटें साझा की होतीं तो मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे अलग होते. राउत ने यह भी कहा कि कांग्रेस को सहयोगियों के प्रति अपने दृष्टिकोण पर फिर से विचार करना चाहिए और याद दिलाया कि कमलनाथ ने चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के साथ सीटें साझा करने का विरोध किया था. हालांकि, राउत ने कहा कि चुनाव नतीजों से 'इंडिया' गठबंधन के सदस्यों में कोई मतभेद नहीं होगा.

मिजोरम के लिए मतगणना आज होगी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

आइजोल। मिजोरम में विधानसभा चुनाव की सोमवार को होने वाली मतगणना के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किये गये हैं. इस बार चुनाव में सत्तारूढ़ मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ), जोरम पीपुल्स मूवमेंट (जेडपीएम) और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है. मिजोरम में मतगणना रविवार को मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना के साथ होनी थी. हालांकि, राजनीतिक दलों, गैर सरकारी संगठनों, चर्च और छात्र संगठनों की अपील के बाद निर्वाचन आयोग ने इसे स्थगित कर दिया क्योंकि रविवार का दिन ईसाई बहुल मिजोरम के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है. मिजोरम के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच लियानजेला ने पीटीआई-भाषा को बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच सभी 13 केंद्रों पर सुबह आठ बजे मतगणना शुरू होगी. उन्होंने कहा कि इन 13 केंद्रों पर 40 विधानसभा सीट में से प्रत्येक के लिए एक मतगणना हॉल बनाया गया है. सबसे पहले डाक मतपत्रों की गिनती होगी और सुबह 8.30 बजे से ईवीएम में पड़े वोटों की गिनती शुरू होगी. एच लियानजेला ने कहा कि 12 विधानसभा क्षेत्रों वाले आइजोल जिले में तीन मतगणना केंद्र जबकि 10 अन्य जिलों में एक-एक केंद्र स्थापित किया गया है. उन्होंने कहा कि कुछ सीट पर जहां मतदाताओं की संख्या कम है, केवल दो दौर की गिनती होगी, लेकिन अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में पांच दौर की गिनती होगी. मतगणना प्रक्रिया में 4,000 से अधिक कर्मी शामिल होंगे. उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, ईवीएम के लिए 399 टेबल और डाक मतपत्रों की गिनती के लिए 56 टेबल होंगी. मिजोरम विधानसभा के लिए मतदान सात नवंबर को हुआ था और राज्य के 8.57 लाख मतदाताओं में से 80 प्रतिशत से अधिक ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था. चुनाव में 18 महिलाओं सहित कुल 174 उम्मीदवार मैदान में हैं. एमएनएफ, जेडपीएम और कांग्रेस ने 40-40 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि भाजपा ने 13 सीटों पर उम्मीदवार उतारे.

कोन्याक की नगालैंड की तापी सीट पर जीत

कोहिमा। नगालैंड में सत्तारूढ़ नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के उम्मीदवार वांगपांग कोन्याक ने रविवार को मोन जिले की तापी विधानसभा सीट पर उपचुनाव में विजय प्राप्त की. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार वांग्लेम कोन्याक को 5,333 मतों के अंतर से हराया. उन्होंने बताया कि एनडीपीपी को इस सीट पर 10,053 वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 4,720 मत मिले. उपचुनाव के लिए सात नवंबर को 96.25 प्रतिशत मतदान हुआ था. एनडीपीपी के विधायक नोके वांगनाओ का 28 अगस्त को निधन होने के बाद तापी विधानसभा सीट पर उपचुनाव जरूरी हो गया था. इस उपचुनाव में केवल दो उम्मीदवार खड़े हुए थे. वांगपांग कोन्याक एनडीपीपी और पीपुल्स डेमोक्रेटिक अलायंस के संयुक्त उम्मीदवार थे.

भाजपा 12 राज्यों में सत्ता हासिल करने की राह में, कांग्रेस तीन में सीमित

एजेंसी ।नयी दिल्ली

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन में स्पष्ट जीत की ओर बढ़ रही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) यदि इन राज्यों में सरकार बना लेती है तो वह अब अपने दम पर 12 राज्यों में सत्ता में होगी, जबकि दूसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी कांग्रेस राजस्थान और छत्तीसगढ़ में हारने के बाद तीन राज्यों में सिमट जाएगी. दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकार के साथ आम आदमी पार्टी (आप) राष्ट्रीय दलों में तीसरे स्थान पर है. केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, गुजरात, गोवा, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश में सत्ता में है और आज जारी मतगणना के रुझान यदि परिणामों में बदल जाते हैं तो वह मध्य प्रदेश में सत्ता बरकरार रखेगी तथा राजस्थान और छत्तीसगढ़ को कांग्रेस से छीन लेगी. इसके अलावा, भाजपा चार राज्यों - महाराष्ट्र, मेघालय, नगालैंड और सिक्किम में सत्तारूढ़ गठबंधन का भी हिस्सा है. कांग्रेस अब अपने दम पर तीन राज्यों - कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में सत्ता में होगी. तेलंगाना में कांग्रेस अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराकर जीत की राह पर है. कांग्रेस बिहार और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का भी हिस्सा है और तमिलनाडु में शासन करने वाली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सहयोगी है. हालांकि, वह राज्य सरकार का हिस्सा नहीं है. नतीजों ने एक प्रमुख विपक्षी दल के रूप में आप की स्थिति को मजबूत किया. वह दो राज्यों में सरकार के साथ दूसरी सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन गई है, क्योंकि कांग्रेस की हिस्सेदारी में गिरावट आई है. आप नेता जैस्मीन शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''आज के परिणामों के बाद, आम आदमी पार्टी दो राज्य सरकारों - पंजाब और दिल्ली के साथ उत्तर भारत में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के रूप में उभरी है.'' वर्तमान में भारत में छह राष्ट्रीय दल - भाजपा, कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और आप हैं. विधानसभा चुनाव का अगला दौर 2024 में होगा जब सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा और आंध्र प्रदेश में चुनाव होंगे. जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव भी लंबित हैं. चूंकि इस दौर में कई मौजूदा सांसदों ने विधानसभा चुनाव लड़ा है, इसलिए लोकसभा की उन सीट के खाली होने की उम्मीद है. हालांकि, चूंकि आम चुनाव अगले साल होने हैं, इसलिए विधायक के रूप में चुने जाने पर सांसदों के सीट खाली करने पर भी कोई उपचुनाव नहीं होगा.

देश में एक ही गारंटी चलती है और वह है 'मोदी की गारंटी': भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए रविवार को जारी मतगणना के बीच कहा कि देश में एक ही गारंटी चलती है और वह है 'मोदी की गारंटी'. भाजपा की ओर से यह प्रतिक्रिया मतगणना के शुरुआती रुझानों के बाद आई. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा जबकि तेलंगाना में कांग्रेस आगे है. पांचवें राज्य मिजोरम में मतगणना सोमवार को होगी. भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मोदी की गारंटी.' इस पोस्ट के साथ ही उन्होंने धोती और कुर्ता पहने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक तस्वीर लगाई जिसमें लिखा है, ''देश में एक ही गारंटी चलती है और वह मोदी की गारंटी''. पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा के संकल्प पत्र और कांग्रेस की गारंटी के बीच मुकाबला था और प्रधानमंत्री मोदी हर चुनावी सभा में मतदाताओं को भाजपा के संकल्प पत्र को ''मोदी की गारंटी'' के रूप में पेश कर रहे थे. छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर है तथा दक्षिण के राज्य तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और कांग्रेस आमने-सामने हैं. निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 155 सीट पर बढ़त के साथ लगातार पांचवीं बार सत्ता की ओर बढ़ती दिख रही है जबकि कांग्रेस 73 सीट पर आगे है.

भाजपा राजस्थान में भी सत्तारूढ़ कांग्रेस से काफी आगे है.

सत्ताविरोधी लहर और मतदाताओं का मन बदल जाने के कारण बीआरएस को मुंह की खानी पड़ी

एजेंसी ।हैदराबाद

तेलंगाना में सत्ताविरोधी लहर, केसीआर परिवार से मतदाताओं का मोहभंग, युवाओं में उपजे असंतोष जैसे कारकों की वजह से प्रदेश के विधानसभा चुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को मुंह की खानी पड़ी. मतगणना में प्राप्त रुझानों और परिणामों में बीआरएस बुरी तरह पिछड़ गयी है. बीआरएस प्रमुख एवं मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की छवि, पार्टी के विस्तृत जमीनी नेटवर्क तथा कल्याणकारी कार्यक्रमों के बावजूद उसके नेताओं के आसानी से नहीं मिल पाने की धारणा ने सत्ताविरोधी भावनाओं को बढ़ाया. उसपर भी तुर्रा यह रहा कि विपक्ष ने लोगों के सामने पेश किया कि राज्य में बीआरएस परिवार का शासन है. इस बात ने भी सत्ताविरोधी भावना को काफी बढ़ाया. इस चुनाव में अधिकतर मौजूदा विधायकों को फिर से उतारने का पार्टी भी फैसला भी उसे वांछित परिणाम नहीं दे पाया. 2014 में तेलंगाना के गठन के समय से बीआरएस का राज्य की राजनीति पर दबदबा रहा. उससे पहले भी 2001 से अविभाजित आंध्र प्रदेश में उसकी अच्छी खासी उपस्थिति थी. वैसे तो बीआरएस सरकार कई कल्याणकारी योजनाएं लेकर आयी लेकिन गरीबों के लिए मकान, नौकरी के पर्याप्त अवसर सृजित करने, बेरोजगारी राहत देने, किसान ऋण माफी के क्रियान्वयन में देरी समेत अहम चुनाव वादों को पूरा करने में उसकी कथित विफलता तथा भर्ती परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने जैसी घटनाएं उसके खिलाफ चली गयीं. प्रारंभ में भाजपा को बीआरएस के लिए बड़ी चुनौती समझा गया लेकिन मई में कर्नाटक चुनाव के बाद कांग्रेस आगे बढ़ गयी और परिदृश्य बदल गया. खासकर दिल्ली की आबकारी नीति मामले में बीआरएस और भाजपा के बीच गुचचुप समझौते के आरोपों ने भाजपा को कमजोर किया तथा सत्ताविरोधी वोट कांग्रेस के पक्ष में एकजुट हो गये. इस आबकारी नीति मामले में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कविता कथित रूप से शामिल हैं. पिछले चुनावों के विपरीत इस बार भावनात्मक मुद्दों का चुनाव में खास असर नजर नहीं आया. पिछले चुनावों में पृथक राज्य गठन की भावना ने अहम भूमिका निभायी थी. सन् 2018 के चुनाव में कांग्रेस और तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) ने गठजोड़ किया था तथा बीआरएस ने तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू पर तेलंगाना विरोधी होने का आरोप लगाया था. लेकिन इस बार, आंध्र प्रदेश में चल रहे कानूनी मामलों और नायडू के जेल में रहने के कारण तेदेपा ने तेलंगाना में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया. इसी तरह, अविभाजित आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे वाई एस राजशेखर रेड्डी की बेटी वाई एस शर्मिला की अगुवाई वाली वाईएसआर तेलंगाना पार्टी भी तेलंगाना के चुनावी मुकाबले से हट गयी और उसने कांग्रेस के प्रति समर्थन की घोषणा की. कांग्रेस ने भी एक जबर्दस्त अभियान चलाया जो बदलाव पर केंद्रित था. इस अभियान में 'मारपू कवली - कांग्रेस रवली (बदलाव होना चाहिए, कांग्रेस को आना चाहिए) मुख्य नारा था और मतदाताओं को यह बड़ा रास आया.

तीन राज्यों में अप्रत्याशित हार के बाद कांग्रेस को तेलंगाना में मिली राहत

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव में से चार के नतीजे घोषित हो रहे हैं, और हिन्दी हार्टलैण्ड के तीन बड़े राज्यों - राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ - में कांग्रेस को करारी हार का सामना करना पड़ा है. बस, कांग्रेस के लिए एक अच्छी ख़बर दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना से ही आई, जहां वह राज्य गठन के बाद से लगातार सत्ता में बने हुए बीआरएस नेता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) को सत्ताच्युत करती नज़र आ रही है. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बहुमत का आंकड़ा पार कर चुकी है, और तेलंगाना में यही आंकड़ा कांग्रेस ने पार किया है.

माना जा रहा है कि हिन्दी बेल्ट के तीन राज्यों में कांग्रेस की हार की सबसे बड़ी वजह जनजातीय मतदाताओं का पार्टी से मोहभंग हो जाना रहा. यहां तक कि मध्य प्रदेश में भी कांग्रेस को जनजातीय वोटरों से मिलने वाले वोट कम हुए हैं.

कांग्रेस की मोलभाव करने की स्थिति हो सकती है कमजोर

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले हिंदी पट्टी के तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में कांग्रेस को मिली करारी शिकस्त न सिर्फ उसके लिए बड़ा झटका है, बल्कि यह हार विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) में नेतृत्व एवं सीट बंटवारे पर मोलभाव करने की उसकी स्थिति को संभवतः कमजोर कर सकती है. इसकी बानगी भी चुनावी रुझानों में तीन राज्यों में कांग्रेस की हार नजर आने के साथ मिल गई जब गठबंधन के एक प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल अपने दम पर जीतने में सक्षम नहीं है. जद (यू) के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस की पराजय और भाजपा की विजय का संकेत देते हैं . उन्होंने कहा कि चुनावों में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन गायब था. मध्य प्रदेश में कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी ने यह दावा तक कर दिया कि इस पराजय के लिए अखिलेश यादव के बारे में कमलनाथ की टिप्पणी जिम्मेदार है. कमलनाथ ने सीट बंटवारे के विवाद के संदर्भ में अखिलेश यादव को लेकर 'अखिलेश वखिलेश' वाली टिप्पणी की थी. सपा प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब शायद कमलनाथ जी के समझ में बात आ गई होगी. अखिलेश यादव जी का मतलब क्या है. अगले लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुकाबला करने के लिए 26 विपक्षी दलों ने 'इंडिया' गठबंधन गठित किया है. इस पराजय के बीच कांग्रेस के लिए उम्मीद की एक किरण दक्षिण भारत से आई है जहां कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना में उसे जीत मिली है.

उम्मीदों को बड़ा झटका

कांग्रेस को उम्मीद थी कि पांच राज्यों के चुनाव में अच्छा प्रदर्शन कर वह 2024 के लिए अपनी राह तैयार करेगी. उसे उम्मीद थी कि इन चुनावों में जीत के बाद वह विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में नेतृत्व को लेकर अपना दावा मजबूत करेगी. उसकी इन उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है. स्थिति को भांपते हुए कांग्रेस ने कहा कि वह 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए खुद को तैयार करेगी. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनका दल इन राज्यों में खुद को मजबूत करेगा तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के साथ मिलकर अगले लोकसभा चुनाव के लिए अपने आपको तैयार करेगा. खरगे ने कहा कि हमें इस हार से हताश हुए बग़ैर 'इंडिया' के घटक दलों के साथ दोगुने जोश से लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग जाना है. इन नतीजों से यह भी स्पष्ट है कि कांग्रेस के लिए हिंदीभाषी राज्यों में जाति जनगणना और 'गारंटी' के मुद्दे भी काफी हद तक बेअसर साबित हुए हैं. राहुल गांधी ने इन चुनावों में जाति जनगणना के मुद्दे का बार-बार जिक्र किया था.

पहली बार सत्ता में आई

कांग्रेस ने राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सत्ता गंवा दी तो मध्य प्रदेश में करीब दो दशक का उसका वनवास (बीच में 15 महीने छोड़कर) खत्म नहीं हुआ. तेलंगाना के 2014 में नए राज्य के रूप में गठन के बाद कांग्रेस वहां पहली बार सत्ता में आई है. इस साल मई में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद ये चुनावी नतीजे उसके लिए बड़े निराशाजनक कहें जाएंगे. कर्नाटक के नतीजों के बाद पार्टी ने कहा था कि यह विजय उसके लिए 'बूस्टर डोज' है. मध्य प्रदेश में कांग्रेस पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरी. कमलनाथ और पार्टी के दूसरे वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने इस चुनाव में पूरी ताकत झोंकी, हालांकि टिकटों के बंटवारे के बाद उस समय दोनों के बीच तल्खी देखने को मिली थी जब कमलनाथ ने 'दिग्विजय सिंह के खिलाफ कपड़े फाड़ो' वाली टिप्पणी की थी. बाद में दोनों नेताओं ने यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है.

घटक दलों के बीच विवाद

मध्य प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच गठबंधन नहीं होने के कारण एक बड़ा विवाद खड़ा हुआ. कमलनाथ की 'अखिलेश वखिलेश' वाली टिप्पणी को लेकर भी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के इन दोनों घटक दलों के बीच विवाद पैदा हुआ. कांग्रेस को उम्मीद थी कि वह मध्य प्रदेश में अपनी 11 'गारंटी' के माध्यम से जनता का समर्थन हासिल करेगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता तथा राज्य की भाजपा सरकार की 'लाडली' योजना जैसे कार्यक्रम उस पर भारी पड़े. राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सरकार द्वारा शुरू की गई 'चिरंजीवी' स्वास्थ्य बीमा योजना, 500 रुपये में सिलेंडर तथा कांग्रेस की सात 'गारंटी' के सहारे चुनावी मैदान में उतरी कांग्रेस को विफलता हाथ लगी.

आश्चर्यजनक हार का सामना

छत्तीसगढ़ में आम धारणा से इतर कांग्रेस को आश्चर्यजनक हार का सामना करना पड़ा. ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के 'नवा छत्तीसगढ़' बनाने के दावे को जनता ने स्वीकार नहीं किया. चुनाव से ऐन पहले 'महादेव' ऐप का मामला भी कांग्रेस के लिए बड़ी मुसीबत बना. हिंदीभाषी क्षेत्र के तीन प्रमुख राज्यों में हार के बीच तेलंगाना में जीत कांग्रेस के लिए राहत लेकर आई.

तीन राज्यों में भाजपा का परचम

ब्रांड मोदी अंततः मोदी गारंटियों और हिंदुत्व के सहारे हिंदी भाषी तीन राज्यों में कामयाब रहा. इससे एक बात तो साफ हो गयी है कि लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी नीतियों और वायदों पर जनता के भरोसे को जीतने में सफल रहे. दूसरी ओर दुविधाग्रस्त कांग्रेस को जिस तरह की हार का सामना इन तीन राज्यों में करना पडा है, उसके संदेश भी स्पष्ट हैं. दरअसल चुनाव में जीत के लिए विचार, संगठन और प्रबंधन का कौशल चाहिए. कांग्रेस इन तीनों ही मामलों में कमजोर साबित हुई है. उसके क्षेत्रीय नेतृत्व की सीमाएं स्पष्ट हो गयीं. इन चुनावों से एक तथ्य और उभर कर सामने आया है कि दक्षिण और उत्तर भारत के समीकरण, राजनीतिक चयन और प्रजातंत्र में फर्क है. इसके साथ इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि कोई भी राजनीतिक दल किसी अन्य की नकल कर सफल नहीं हो सकता है. कांग्रेस ने जिस तरह हिंदुत्व के मुद्दों को अपनाने का प्रयास किया जनता ने उसे नकार दिया, क्योंकि उसके पास पहले से ही हिंदुत्व की विचारधारा वाली पार्टी है, जिसने पिछडों, दलितों और आदिवासियों के एक तबके में धार्मिक सांस्कृतिक बोध पैदा किया है और उसे अपने अनुकूल बना कर समाहित करने का प्रयास किया है. जाति जनगणना का राहुल गांधी एजेंडा भी इन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश के वोटरों ने नकार दिया. इससे एक और तथ्य सामने आता है कि पिछडे और दलितों की राजनीति मंडल दो के किसी सूत्र को स्वीकार नहीं कर रही. एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि वैकल्पिक आर्थिक एजेंडा का अभाव भी विपक्षी दलों के लिए आत्मघाती साबित हो रहा है, लेकिन वे इस पर सोचने के लिए तैयार ही नहीं है. चुनाव परिणाम यह भी बता रहे हैं कि गैर भाजपा दलों के बीच का आपसी टकराव भी एक ऐसा कारक बन कर उभर रहा है, जो आम लोगों में मोदी के विकल्प का रुझान नहीं बनने दे रहा है. वैसे तो दुनिया भर में इस समय तेजी से धुरदक्षिणपंथी राजनीति चुनावी फतह हासिल कर रही है. इजराइल, इटली, नीदरलैंड, अर्जेंटीना इसके सबूत हैं. जर्मनी, फ्रांस में वह उभार पर है. इस उभार के कारणों की गहराई से छानबीन करने की जरूरत है. चूंकि अब लोकसभा का चुनाव कुछ महीने ही दूर है, विपक्षी दलों की चुनौतियां और गहरा गयी हैं. विपक्षी दलों का इंडिया ब्लॉक तो एक तरह से अब तक निष्क्रिय ही साबित हुआ है. उनमें आपसी मतभेद भी गहरे हैं. इन चुनावों की हार ने विपक्ष के समक्ष साख का संकट और गवर्नेंस के प्रश्न को भी खड़ा किया है. कांग्रेस को न केवल अपने क्षत्रपों, बल्कि पहले से बैठे उन नेताओं से भी निपटना होगा, जो जनता के सवालों का जवाब देने में सक्षम नहीं है.

> जाति जनगणना का राहुल गांधी एजेंडा भी इन छत्तीसगढ़, राजस्थान और मध्यप्रदेश के वोटरों ने नकार दिया. इससे एक और तथ्य सामने आता है कि पिछड़ेऔर दलितों की राजनीति मंडल दो के किसी सूत्र को स्वीकार नहीं कर रही.

सुभाषित

लालयेत् पञ्च वर्षाणि दश वर्षाणि ताडयेत्।
प्राप्ते तु षोडशे वर्शे पुत्रे मित्रवद् आचरेत्॥

पहले पांच साल बच्चों को बहुत लाड़-प्यार करो. बाद के दस साल आत्मसंयम की शिक्षा की जरूरत महसूस हो तो बच्चे को दण्ड भी देना चाहिए, लेकिन बच्चे जब सोलह साल का हो जाते हैं तो उन्हें अपना मित्र बना लिया जाना चाहिए.

राहुल की गारंटी पर भारी, मोदी की गारंटी

लोकसभा चुनाव से महज 4-5 महीने पहले. हिंदी पट्टी के तीन अहम राज्यों में एकतरफा जीत. 4 राज्यों की चुनावी जंग में 3-1 से जीत का परचम. 2024 से पहले इस जबरदस्त जीत से भाजपा का दिल बाग-बाग होना लाजिमी है. एमपी में वह प्रचंड बहुमत से अपनी सरकार बचाने में कामयाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में पार्टी ने कांग्रेस की सत्ता को उखाड़ दिया है.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

राजस्थान में तो वैसे भी पिछले कई चुनाव से हर बार सत्ता परिवर्तन की परंपरा रही है, लेकिन छत्तीसगढ़ का कांग्रेस के हाथ से फिसलना ग्रैंड ओल्ड पार्टी के लिए जबरदस्त झटके की तरह है. हालांकि, तेलंगाना में पार्टी ने बीआरएस के विजयरथ को रोकते हुए उसे पहली बार दक्षिण भारत के किसी राज्य में किसी पार्टी की हैट्रिक का करिश्मा करने से भी रोक दिया. कर्नाटक के बाद तेलंगाना में जीत से कांग्रेस को दक्षिण भारत में मजबूती जरूर मिली है, लेकिन हिंदीभाषी प्रदेशों में राहुल गांधी की 'मोहब्बत की दुकान' नहीं चल पाई. जनता ने शटर ही डाउन कर दिया. राहुल गांधी अक्सर 'मोहब्बत की दुकान' की बात करते हैं. भाजपा को नफरत फैलाने वाला करार देते हैं. लेकिन 'मोहब्बत की दुकान' में 'पनौती' जैसे निजी हमलों के सामान को जनता ने भाव नहीं दिया. राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निजी हमला करते हुए उन्हें 'पनौती' करार दिया था. इस जीत का असल सेहरा पीएम मोदी के सिर ही बंधेगा. भाजपा ने इन चुनावों में किसी भी राज्य में सीएम पद के लिए चेहरा नहीं घोषित किया था. पूरा चुनाव सामूहिक नेतृत्व और पीएम मोदी के चेहरे पर लड़ा गया. इसी साल कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में भी भाजपा ने बिना सीएम फेस दिए चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों ही राज्यों में उसका ये प्रयोग बुरी तरह फेल हुआ था. इसके बावजूद भाजपा ने इस बार भी किसी भी राज्य में सीएम फेस घोषित नहीं किया. पीएम मोदी ने चुनावी राज्यों में धुआंधार प्रचार किया. रोडशो किए. पीएम ने अपनी सरकार की उपलब्धियों, जी-20 समिट के सफल आयोजन के बहाने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के बढ़ते कद, चंद्रयान-3 की सफलता, राम मंदिर निर्माण, विपक्षी की तरफ से सनातन के कथित अपमान सरीखे राष्ट्रीय मुद्दों को जोर-शोर से उठाया. नतीजे तो यही बता रहे हैं कि पीएम मोदी के चेहरे पर राज्यों के चुनाव लड़ने का भाजपा का दांव इस बार हिट रहा है.नतीजों से जाहिर होता है कि भाजपा एमपी, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में आदिवासी वर्ग को साधने में कामयाब हो गई है. 2018 के चुनावों में आदिवासी वर्ग उससे छिटक गया था जिसकी उसे तीनों ही राज्यों में बड़ी कीमत चुकानी पड़ी थी. पिछली बार बीजेपी मध्य प्रदेश में एससी के लिए सुरक्षित 35 सीटों में से 18 पर तो जीत हासिल कर ली थी, लेकिन एसटी के लिए सुरक्षित 47 सीटों में से महज 16 पर उसे जीत मिली थी. इसी तरह छत्तीसगढ़ में एससी के सुरक्षित 10 सीटों में भाजपा महज 2 और एसटी के लिए सुरक्षित 29 सीटों में से महज 3 पर ही जीत हासिल कर पाई थी. कुछ ऐसा ही हाल राजस्थान में रहा. जहां एससी के लिए सुरक्षित 34 सीटों में से भाजपा महज 12 ही जीत पाई थी. एसटी के लिए सुरक्षित 25 सीटों में उसे 9 पर जीत मिली. इस वजह से भाजपा तीनों ही राज्यों में सत्ता से बाहर हो गई. हालांकि, बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया की कांग्रेस से बगावत के बाद वह मध्य प्रदेश की सत्ता पर फिर से काबिज होने में कामयाब हुई. मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और राज्यों की सरकारों की भी कुछ स्कीमों की बदौलत भाजपा ने एक बड़ा वोट बैंक तैयार कर लिया है, जो है लाभार्थी वर्ग. पीएम मोदी अपनी सभाओं में 'इंडिया' के नेताओं की तरफ से सनातन के खिलाफ जहर उगलने के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया. उन्होंने कहा कि 'घमंडिया गठबंधन' सनातन को खत्म करना चाहता है. तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन, डीएमके के एक और बड़े नेता ए राजा ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि 'सनातन को जड़ से मिटा' दिया जाना चाहिए. इन चुनावों में भाजपा, कांग्रेस समेत कोई भी दल लोकलुभावन वादों में पीछे नहीं रहे. राजस्थान और छत्तीसगढ़ की अपनी सरकारों की लोक कल्याणकारी योजनाओं के अलावा कांग्रेस ने अपनी चुनावी गारंटियों में कर्जमाफी, मुफ्त बिजली, सस्ते गैस सिलिंडर, बेरोजगारी भत्ता, महिलाओं के लिए कैश समेत कई लोकलुभावन वादे भी किए थे. एमपी में शिवराज सिंह चौहान की भाजपा सरकार ने भी चुनावी साल में 'लाडली बहना योजना' का ऐलान कर दिया. इसके तहत पात्र महिलाओं को हर महीने एक-एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई. दूसरी तरफ, पीएम मोदी अपनी रैलियों में कांग्रेस के वादों को 'मुफ्त की रेवड़ी' बता कर खारिज कर रहे थे और भाजपा के वादों को 'मोदी की गारंटी' बता रहे थे, जो पूरी होनी ही होनी है. नतीजों को इस रूप में भी देखा जा सकता है कि जनता ने कांग्रेस की गारंटियों के ऊपर 'मोदी की गारंटी' को तरजीह दी है. मध्य प्रदेश में 'लाडली बहना स्कीम' बीजेपी के लिए गेमचेंजर साबित हुई. राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी महिलाओं के बीच भाजपा का जादू काम करता दिखा.

वैसे तो इन चुनावों को लोकसभा चुनाव से पहले 'सत्ता का सेमीफाइनल' भी कहा गया, लेकिन नतीजों का 2024 पर कोई सीधा असर पड़ेगा, ऐसा पुख्ता तौर पर नहीं कह सकते. हिंदी पट्टी के इन तीनों राज्यों के चुनाव परिणामों और उसके अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के नतीजों में कोई सीधा संबंध नहीं है. 2013 में भाजपा ने तीनों राज्यों में जीत हासिल की थी और 2014 के लोकसभा चुनाव में भी इन राज्यों में भाजपा का जबरदस्त प्रदर्शन रहा. 2018 में भाजपा ने तीनों राज्य गंवा दिए. (हालांकि एमपी में बाद में कांग्रेस विधायकों के पाला बदल के बाद सरकार बनाने में कामयाब रही). लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में उसका प्रदर्शन एक बार फिर दमदार रहा. हां, इतना जरूर है कि कर्नाटक और हिमाचल की जीत के बाद कांग्रेस के जो हौसले सातवें आसमान पर थे, अब एक झटके में पार्टी पस्त हो गई है.

• बोधि-वृक्ष | डॉ. सत्यकेतु संजय

परम हितकारी श्राप

श्राप अमंगलकारी ही होता है. यही कारण है कि बड़े-बड़े महारथी भी श्राप के नाम से भयभीत हो जाते हैं. क्या श्राप भी मंगलकारी हो सकता है? सामान्यतः इसका उत्तर में नहीं ही होगा, लेकिन रामचरित मानस में गौतम के श्राप को परम हित मान लिया गया-रामहिं चितई सुरेश सुजाना, गौतम श्राप परम् हित माना.. स्थान जनक पुर, समय श्री राम जी के विवाह की शुभ बेला, बराती अवधवासी, घराती जनकपुर वासी, विशेष बराती समस्त देव गण अपनी अपनी वधुओं के साथ. श्री राम विवाह के समय उनकी सुंदरता को देखकर इन्द्र आज पूर्व में गौतम ऋषि द्वारा दिए गए श्राप को परम हितकर मानकर अति प्रसन्न हो रहे हैं. आश्चर्य है ,श्राप भी किसी को हितकर लगे. ऐसा कैसे हो सकता है? परन्तु यदि विचार करें तो ऐसा प्रतीत होगा कि प्राचीन काल में संत, महात्माओं ने जिन्हें भी श्राप आदि दिया, उससे कहीं न कहीं उनका उद्धार ही हुआ. जय विजय आदि आगे तक या इससे पूर्व जितने भी उदाहरण मिलेंगे, सबमें कहीं न कहीं भक्त का हित ही हुआ है. भगवान नारद प्रसंग में नारद जी से भी यही कहते हैं कि (जेहिं विधि होई परम हित नारद सुनहुं तुम्हार) अर्थात् जिस प्रकार से आपका परम हित हो में वही करूंगा. अब जनक पुर में उपस्थित देव गण श्री राम के विवाह को कितने नेत्रों से देख रहे हैं? आइए विचार करें. ब्रम्हा जी आठ नेत्रों से, देवताओं के सेनापति कार्तिकेय जी बारह नेत्रों से, भगवान शिव पंद्रह नेत्रों से और देवराज इन्द्र इस विवाह को पूरे एक हजार नेत्रों से देख रहे हैं. सुधी जनों को ज्ञात ही होगा कि जब ब्रह्मा जी की पुत्री तथा गौतम ऋषि की पत्नी अहल्या का छल द्वारा इन्द्र ने व्रत भंग किया था .तब गौतम ऋषि ने इन्द्र के शरीर में एक हजार भग होने का श्राप दे दिया था. दोनों के द्वारा क्षमा याचना करने पर गौतम ने कहा कि त्रेता में भगवान राम के चरण स्पर्श से अहल्या के तथा राम के विवाह का दर्शन करने से इन्द्र के श्राप का शमन होगा. इन्द्र के एक हजार भग उतने ही नेत्रों में बदल जाएंगे. परिणाम स्वरूप अहल्या का उद्धार हुआ. उसे पति लोक मिला और इन्द्र को भी अपने पूर्व श्राप मुक्ति मिली. आज सभी इन्द्र की प्रसंशा कर रहे हैं-देव सकल सुरपतिहिं सिहाहीं, आज पुरंदर सम कोइ नाहीं.

पारंपरिक शिल्पकारों को मिले महत्व

• उद्यम

अशोक शरण

पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों की भूमिका हमारे समाज में महत्वपूर्ण रही है, परंतु यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विकास की अवधारणा में जितना महत्व इनको दिया जाना चाहिए था वह नहीं दिया गया. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश में विकास की मिश्रित अर्थव्यवस्था का जो मॉडल अपनाया गया, उसकी धुरी बड़े-बड़े उद्योग बनते गए जिसमें सार्वजनिक उपक्रमों की भूमिका महत्वपूर्ण बनती गई. मनमोहन सिंह के वित्तमंत्री रहते हुए तत्कालीन अर्थव्यवस्था को 1991 में वैश्वीकरण का एक बड़ा आधार मिला, जिसकी वजह से देश की आर्थिक नीतियों, परिस्थितियों में बड़ा बदलाव आया. यह भी नहीं कहा जा सकता कि विकास के इस दौर में पारंपरिक कारीगर, शिल्पकार बिल्कुल हाशिये पर चले गए, पर उनके सामने आजीविका और पारंपरिक शिल्प को बचाये रखने की चुनौतियां बढ़ती गईं. इसके कई कारण रहे, जिनमें मुख्य रूप से पारंपरिक एवं विरासत शिल्प की तुलना में मशीन द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पादित वस्तुओं को कई उपभोक्ता प्राथमिकता देने लगे, हमारी शिक्षा प्रणाली में पारंपरिक और विरासत कौशल की शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया गया. कई विरासत शिल्प अद्वितीय होने के बावजूद उचित मान्यता नहीं पा सके, कॉर्पोरेट सेक्टर की तुलना में इस सेक्टर को पर्याप्त सरकारी बजट उपलब्ध नहीं हो पाया.सरकारें आती जाती रहती हैं, पर समस्या यह है कि सरकार द्वारा घोषित योजनाओं का जीवन कितना होता है और जिस उद्देश्य से ऐसी योजनाएं बनायी जाती हैं, वे उसमें खरी उतरती भी हैं कि नहीं. प्रधानमंत्री रोजगार योजना वर्ष 1993 में शिक्षित बेरोजगारों के लिए बनायी गयी थी, जिसमें दो लाख रुपये का लोन दिया जाता था. यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलाया गया. एक और योजना ग्रामीण रोजगार सृजन कार्यक्रम खादी ग्रामोद्योग आयोग, सूक्ष्म, लघु, माध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा चलाया जाता था. सरकार ने वर्ष 2008 में दोनों योजनाओं को मिलाकर एक नयी योजना-प्रधानमंत्री स्वरोजगार सृजन कार्यक्रम घोषित किया. इसकी नोडल एजेंसी खादी ग्रामोद्योग आयोग को बनाया गया, जिसे राज्य स्तर पर खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और जिला उद्योग केंद्र क्रियान्वयन कर रहे हैं. इस योजना में लोन पर दी जाने वाली सबसिडी शहरी क्षेत्र 15 फीसद की तुलना में ग्रामीण क्षेत्र 25 फीसद के साथ-साथ महिलाओं और अन्य वर्गों के लिए काफी अधिक है. अब प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना 17 सितंबर से लागू की गयी है, जिसका प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन और भगवान विश्वकर्मा जयंती पर उद्घाटन किया. इसकी ऋण सहायता राशि भी प्रधानमंत्री रोजगार योजना की भांति दो लाख रुपये है, जिसे पांच प्रतिशत की ब्याज दर पर शिल्पियों को दिया जाएगा. योजना का नाम बदल-बदल कर परोसना सरकारों की मजबूरी है, क्योंकि उन्हें अपना काम भी दिखाना होता है. समय बताएगा कि क्या पांच वर्षों में 13000 करोड़ रुपये सुपात्रों तक पहुच पाते हैं और यह भी देखना रोचक होगा कि इसमें से कितने कितने रुपये ग्रामीण और शहरी परंपरागत कारीगरों/ शिल्पियों तक पहुंच पाते हैं. पहले वर्ष में कारपेंटर, नाव बनाने वाले, लोहार, मोची, नाई, राजमिस्त्री, धोबी, दर्जी, खिलौने बनाने वाले आदि 18 व्यवसायों के कारीगरों, शिल्पियों के 6 लाख परिवार इसमें शामिल किए जाएंगे. 5 वर्ष में 30 लाख परिवार इस योजना से जुड़ जाएंगे. इसमें ओबीसी हिंदू और पसमांदा मुसलमान जो पारंपरिक कौशल आधारित शिल्पी होंगे उन्हें शामिल किया जाएगा. इस योजना के अंतर्गत एक परिवार से एक सदस्य को ₹2 लाख का ऋण 5% ब्याज पर दो किस्तों में उपलब्ध कराया जाएगा. सरकार द्वारा ऐसी प्रत्येक योजना में प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल विकास पर जोर दिया गया है, बल्कि वर्ष 2014 में अलग से एक कौशल विकास मंत्रालय बनाया गया. इसके बावजूद वैश्विक दृष्टि से देखा जाए तो हमारे देश की स्थिति बहुत उत्साहवर्धक नहीं है. कौशल विकास उद्यमिता पर राष्ट्रीय नीति 2015 की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत में कुल कार्यबल का केवल 4.7 फीसद ने औपचारिक कौशल प्रशिक्षण प्राप्त किया है, जबकि अमेरिका में 52 फीसद, जापान में अस्सी फीसद और दक्षिण कोरिया में 96 फीसद है. सरकारी मंशा यदि सही हो तो भी योजना का क्रियान्वयन सूझबूझ से होना आवश्यक है.

> कई विरासत शिल्प अद्वितीय होने के बावजूद उचित मान्यता नहीं पा सके, कॉर्पोरेट सेक्टर की तुलना में इस सेक्टर को पर्याप्त सरकारी बजट उपलब्ध नहीं हो पाया.सरकारें आती जाती रहती हैं, पर समस्या यह है कि सरकार द्वारा घोषित योजनाओं का जीवन कितना होता है और जिस उद्देश्य से ऐसी योजनाएं बनायी जाती हैं, वे उसमें खरी उतरती भी हैं कि नहीं.

पृथ्वी को बुरे हाल से बचाना ही होगा

• पर्यावरण

सर्वप्रिय

हम अपनी पृथ्वी का क्या बुरा हाल कर रहे हैं, इस बारे में खतरे की घंटी पेरिस में सन् 2015 की सीओपी (कांफ्रेंस ऑफ़ पार्टीज) शिखर बैठक में बजा दी गई थी. तब पहली बार दुनिया ने तथाकथित विकास की वजह से जलवायु को हुई हानि की ओर ध्यान दिया. पेरिस सीओपी में अनुमान लगा था कि यदि दुनिया नहीं जागी और सभी देशों ने आवश्यक नीतिगत फैसले नहीं किए तो सन् 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान औद्योगिकरण से पहले की तुलना में 3 डिग्री सेंटीग्रेड से भी अधिक बढ़ जाएगा. इसके बावजूद तब कोई ठोस कदम नहीं उठे. बस इतना जाना-समझा कि कुछ किया जाना है और वह जल्द से जल्द होना चाहिए. उसी बैठक में भविष्य में होने वाले सीओपी के लिए नियमों का निर्धारण हुआ. तय हुआ कि सन् 2023 में विश्वस्तर पर हालात का एक बार फिर जायजा लिया जाएगा. देखा जायेगा कि 2015 में हुए समझौते के व्यापक लक्ष्यों के निकट पहुंचने के लिए क्या किया जा चुका है और क्या नहीं किया जा सका है. अब उसी सिलसिले में आज दुनिया भर के देशों के प्रतिनिधि यूएई के दुबई में सीओपी28 के लिए एकत्रित हुए हैं, जहां यह चर्चा होगी कि हमने क्या हासिल किया है और जलवायु संकट का मुकाबला करने के प्रयास किस दिशा में जा रहे हैं. हाल में 2023 की यूएनईपी गेप रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी देश पेरिस समझौते के अंतर्गत जो कुछ उन्हें करना है, उसे पूरी तरह से कर दें तभी हम औसत वैश्विक तापमान की वृद्धि 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने की दिशा में ही आगे बढ़ सकेंगे, जो पेरिस में निर्धारित किए गए और 2021 में ग्लासगो में दुहराए गए 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड के लक्ष्य की तुलना में बहुत कम होगा. यहां यह याद रखा जाना चाहिए कि 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि भी इतनी अधिक है कि वह अरबों लोगों का जीवन दूभर कर देगी. बहरहाल, अनिश्चितता के हालात बने हुए हैं. वैश्विक औसत तापमान में 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड की वृद्धि से विनाशकारी प्राकृतिक आपदाएं आएंगी, जिनके व्यापक दुष्प्रभाव होंगे. इस पृष्ठभूमि और ज्ञात इतिहास के सबसे गर्म साल में विश्व की अपेक्षा है कि सीओपी 28 में यह आह्वान किया जायेगा कि हम नयी राह पर चलें, क्योंकि अभी हम जिस रास्ते पर चल रहे हैं, वह हमें कहीं नहीं ले जाएगा. वैश्विक तापमान में वृद्धि को औद्योगिकरण के पूर्व के तापमान की तुलना में 1.5 डिग्री सेंटीग्रेड की अधिकतम 'सुरक्षित' सीमा से कम रखने के लिए हमारी दुनिया पर्याप्त कदम नहीं उठा रही है. पिछले वर्ष हुए जलवायु सम्मेलन में सभी देश 'अकुशल फॉसिल फ्यूल्स पर अनुदान' घटाने पर सहमत हुए थे, लेकिन पूरी दुनिया की सरकारों द्वारा इसके लिए दिया जाने वाला अनुदान सन् 2022 में अब तक के सर्वोच्च स्तर 1700 अरब डालर तक पहुंच गया. दुबई में भले ही नए, बेहतर लक्ष्य निर्धारित न किए जाएं, परंतु जलवायु संबंधी वर्तमान लक्ष्यों को हासिल करने के लिए भी सब देशों को मिलकर पूरे जोश से काम करना होगा. यूएई की सरकारी तेल कंपनी के चीफ एग्जीक्यूटिव सुल्तान अल जेबर, जो सीओपी28 की अध्यक्षता करेंगे, पर बड़ी ज़िम्मेदारी है. उन्हें भविष्य में कार्बन उत्सर्जन न में कमी लाने संबंधी नए समझौते करवाने हैं, ग्लोबल वार्मिंग से हुई हानि की भरपाई के रूप में किए जाने वाले भुगतान का मामला देखना है और गरीब देशों को जलवायु संबंधी वित्तीय सहायता दिए जाने की एक अधिक न्यायपूर्ण व्यवस्था कायम करने पर ध्यान देना है, यह वित्तीय सहायता अधिकतर उच्च ब्याज दर वाले ऋण के रूप में होती है.विकासशील देशों का कहना है कि यदि विकसित देशों ने क्योटो समझौते के लक्ष्यों को हासिल कर लिया होता तो वे भी फॉसिल फ्यूल्स के उपयोग में कमी लाकर ग्रीन हाउस गैस उर्त्सजन को घटाने में अपनी 'उचित भागीदारी' का प्रयास करते. किंतु हालत यह है कि सन 2050 तक तेल और गैस के जो नए कुँए बनेंगे, उनमे से अधिकांश पांच धनी देश-अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया, नार्वे और यूके-बनाएंगे. सीओपी28 ऐसे समय में हो रहा है, जब हमारे सामने गंभीर खतरे हैं, मगर अवसर भी हैं. इस सम्मेलन में वर्तमान हालात का जायजा लिया जा सकता है और जलवायु संबंधी लक्ष्यों को हासिल करने के लिए तीव्र गति से अधिक बड़े पैमाने पर कदम उठाने का निर्णय लिए जा सकते हैं. या यह ऐसा एक और ऐसा सम्मेलन साबित हो सकता है जिसमें वायदे, संकल्प और प्रतिज्ञाएं तो होंगी मगर अंतिम नतीजा सिफर होगा.

> हाल में 2023 की यूएनईपी गेप रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि सभी देश पेरिस समझौते के अंतर्गत जो कुछ उन्हें करना है, उसे पूरी तरह से कर दें तभी हम औसत वैश्विक तापमान की वृद्धि 2.9 डिग्री सेंटीग्रेड तक सीमित रखने की दिशा में ही आगे बढ़ सकेंगे, जो पेरिस में निर्धारित किए गए.

मीडिया में अन्यत्र

सीओपी से क्या मिला

संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन फ्रेमवर्क सम्मेलन के निकाय कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (सीओपी) की दुबई में प्रस्तावित 28वीं बैठक में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट जारी की है. दुबई में इस सम्मेलन का इसलिए भी विशेष महत्त्व है कि यह विभिन्न देशों के लिए यह आकलन करने का अवसर है कि पेरिस समझौता, 2015 के अंतर्गत तय लक्ष्यों की पूर्ति की दिशा में दुनिया ने कितनी प्रगति की है. परंतु, यह आकलन स्वयं अपने आप में दुनिया के बीच आपसी सहमति से तैयार दस्तावेज प्रतिबिंब ही होगा. इस सम्मेलन में, विशेषकर, उन लक्ष्यों की वर्तमान उपयोगिता पर संभवतः चर्चा नहीं हो पाएगी. उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट में इस महत्त्वपूर्ण बिंदु पर ध्यान आकृष्ट किया गया है कि दुनिया में ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) का उत्सर्जन अब भी वैश्विक तापमान में वृद्धि 2 डिग्री से नीचे रखने के लिए जरूरी मात्रा से कहीं अधिक हो रहा है. रिपोर्ट में विशेष रूप से इस बात की चर्चा की गई है कि 'वैश्विक तापमान में वृद्धि 2 डिग्री और 1.5 डिग्री से कम रखने के लक्ष्य तक कम से कम खर्च में पहुंचने के लिए वैश्विक स्तर पर जीएचजी के उत्सर्जन में क्रमशः 28 प्रतिशत और 42 प्रतिशत की कमी आवश्यक है.' पेरिस समझौते में यह सहमति बनी थी कि दुनिया का प्रत्येक देश- राष्ट्र निर्धारित योगदान (एनडीसी) को उत्सर्जन में कमी के वैश्विक प्रयासों के अनुरूप आगे बढ़ाएगा. परंतु, इन बातों का निर्णय देशों पर छोड़ दिया गया है और इस दृष्टिकोण से पेरिस समझौता मात्र एक समझौता ही है, न कि संधि. अधिकांश मामलों में एनडीसी इस बात को उचित महत्त्व नहीं दे पाता है कि कौन से लक्ष्य हासिल हो सकते हैं और कौन आवश्यक हैं.दुनिया के देशों द्वारा हालात के आकलन में इन एनडीसी के अगले चरण के बारे में सूचित किया जाएगा. अनुमान है कि दुनिया के देश 2025 तक एनडीसी सौंप देंगे. यह मालूम होने के बाद कि उत्सर्जन कम करने में दुनिया के देशों ने कितनी प्रगति की है और कौन से उपाय और किए जाने की आवश्यकता है, आशा की जा रही है कि और अधिक महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए जाएंगे.हालांकि, उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट हालात की समीक्षा की तुलना में आंखें खोलने वाली हो सकती है.

(बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आमिर/आमिल/आमिन/आमीन

हिंदी फिल्म जगत के अभिनेता के रूप में आमिर खान की डंका पूरी दुनिया में बजती है. आमिर कभी अभिनय के लिए चर्चा में रहे हैं तो कभी अपने अटपटे बयानों के कारण. लगता है कि उनके स्वभाव पर उनके नाम का भी असर है. हालांकि बहुत से लोग यह नहीं मानते कि नाम का असर भी व्यक्तित्व या स्वभाव पर पड़ता है, लेकिन आमिर के व्यक्तित्व को महसूस करने के बाद यह मानना पड़ता है कि नाम का असर तो होता ही है. इसे तभी समझा जा सकता है, जब हम आमिर शब्द का अर्थ समझ लें. वर्धा हिंदी शब्दकोश एवं रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार आमिर अरबी मूल का संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है अधिकारी, हाकिम, आमिल, हुक्म देनेवाला. जिसके नाम का ऐसा अर्थ है अगर वह अभिमान में थोड़ा ऐंठा दिखता है तो उसमें आश्चर्य की क्या बात है? आमिर शब्द पर विचार करते समय उसके समानार्थी के रूप में आमिल शब्द सामने आता है. आमिल शब्द हिंदी मूल का भी है और अरबी मूल का भी. हिंदी मूल के आमिल का मतलब है कच्चे आम को सुखा कर बनायी जानेवाली खटाई, खट्टा. इसी प्रकार अरबी मूल के आमिल का मतलब है कार्यकर्ता, अधिकारी, हाकिम, प्रधान, वह जो धार्मिक हो. तंत्र-मंत्र करनेवाले, झाड़फूंक करनेवाले, तांत्रिक, ओझा, सिद्ध और शासक को भी अरबी भाषा में आमिल ही कहा जाता है. यह आमिल के संज्ञा पुल्लिंग के रूप में अर्थ है. विशेषण के रूप में इसका मतलब अमल में लानेवाला तथा अमली जामा पहनानेवाला भी होता है. इससे मिलता-जुलता शब्द है आमिन. यह भी हिंदी और अरबी दोनों भाषाओं में अपने विशेष अर्थ के साथ मौजूद है. हिंदी आमिन का अर्थ है एक प्रकार का छोटा मीठा आम. अरबी आमिन का मतलब है निडर, निर्भय, सुरक्षित. किसी के आग्रह, अनुनय विनय को स्वीकार करने का भाव देनेवाला शब्द है आमीन. यह भी अरबी भाषा मूल का ही है, जिसका मतलब है तथास्तु, एवमस्तु, ईश्वर या खुदा करें ऐसा ही हो, खुदा हिफाजत करें.

नमक न तो ज्यादा हो और न ही कम

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेन्द्र वर्मा

वे कोई रसोइया नहीं थे. बुद्धिजीवी थे. बातों बातों में नमक के बारे में उन्होंने अपनी बुद्धि दौडाई. बोले, खाने का अपना कोई स्वाद नहीं होता. सारा स्वाद नमक में होता है. खाने में नमक ज्यादह हो अथवा कम हो, खाने का स्वाद बिगड़ जाता है. खाना तो पृष्ठभूमि में पडा रहता है. बस नमक ठीक होना चाहिए. नमक ठीक तो सब्जी भी ठीक. ढेर सारी सब्जी का स्वाद बस चुटकी भर नमक ही तय करता है. पर चुटकी भर नमक, यानी कितना नमक? ऐसा कोई यंत्र नहीं बना जो तौल कर बता दे कि चुटकी भर नमक ग्राम के अनुसार बस इतना ही होना चाहिए. मैं दिल का मरीज़ हूं. बीपी भी कुछ ज्यादह ही रहता है. डाक्टर को दिखाया. तमाम परीक्षणों के बाद वे बोले, नमक कम कर दीजिए. मैंने कहा, नमक तो मैं वैसे भी 'कम' ही लेता हूं. बोले, थोड़ा और कम कर दीजिए. अब 'कम' को भी 'और कम' कैसे किया जाए? –बड़ी समस्या है. हार्ट की समस्या से तो वैसे ही ग्रस्त था. अब एक समस्या और खड़ी हो गई. मैंने अपनी इस समस्या को नज़र-अंदाज़ करते हुए पूछा, मैं मीठा-प्रेमी हूं, यदि नमक कम कर दूं तो शक्कर थोड़ी ज्यादह ले सकता हूं? प्रश्न सुनकर आपकी तरह डाक्टर साहब को भी हंसी आ गई. लेकिन फिर गंभीर होकर कहने लगे,'चीनी कम'. नमक ही नहीं, शक्कर भी आपको कम ही लेना है. हार्ट पेशेंट्स के लिए यह बहुत ज़रूरी है कि वे नमक और चीनी दोनों से ही परहेज़ करें. मारे गए. कुछ लोग जन्मजात नमकीन होते हैं कुछ को नमकीन बने रहने के लिए प्रयत्न करना होता है. कई महिलाएं बेचारी नमकीन बने रहने के लिए क्या क्या नहीं करतीं. नमकीनियत सिर्फ नमक में ही नहीं होती. विवाहित लोग समधिन में, साली में, सलहज में – कहीं भी इसे ढूंढ़ निकालते हैं. उनकी पत्नियां बदला लेने के लिए देवरों और बहनोइयों में नमकीनियत खोजने लगती हैं. पति-पत्नी के बीच थोड़ी बहुत नोक-झोंक तो होती ही रहती है. ये नोक-झोंक वैवाहिक जीवन का नमक है लेकिन वह इतनी न बढ़ जाए कि रिश्ते की मिठास ही ख़त्म हो जाए. नमकीनियत भी बस इतनी होनी चाहिए कि मीठी लगे. बुद्धिमान लोग अपना दर्द छिपा कर रखते हैं. वे जानते हैं कि मरहम हर जगह नहीं मिलता और घाव पर मरहम लगाने वाले भी बहुत कम होते हैं. किसी का नमक खाया है तो उसे चुकाना पड़ता है. दुनिया में नमक के दृष्टिकोण से उनकी दो किस्में हैं – नमक हलाल और नमक हराम. जो लोग दूसरों का खाया नमक चुकता कर देते हैं, नमक हलाल की कोटि में आते हैं. जो नमक डकार जाते हैं, नमक हराम होते है. नमक हरामों की उच्चतम श्रेणी में वे लोग आते हैं जो आपका नमक खाकर आपके ही ज़ख्मों पर उसे छिड़क देते हैं.

सुकून

मोटिवेशन

छोटी बुद्धि वाले लोग

कुछ लोग मेहनती भी कम नहीं होते. हंसते-बोलते हैं, सहायता भी करते हैं और कभी-कभी थोड़ी मस्ती भी कर लेते हैं. लेकिन जिंदगी में बहुत तरक्की नहीं करते. तनाव वाली जिंदगी जीते हैं और अक्सर अपनी उल्टी सीधी हरकतों से परिवार का माहौल खराब किए रहते हैं. ये छोटी बुद्धि वाले लोग होते हैं. इनकी क्या-क्या विशेषताएं होती हैं, इस पर गौर फरमाइए-

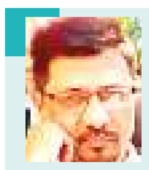

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

1. आवेश में आकर काम करने वाले : बॉस ने डांट दिया तो नौकरी छोड़ दी. नौकरी छोड़ तो दी, लेकिन दूसरी नौकरी मिलती नहीं. साल, छह महीना बेकार-बेरोजगार बैठे रहते हैं. अपनी नाकामी की भड़ास घर वालों पर निकालते हैं और घर का माहौल खराब किए रहते हैं. सही बुद्धि वाला इंसान बॉस की नाराजगी की वजह जानेगा. गलती होगी तो माफी मांगेगा. अगर सही होगा तो उचित समय देखकर बॉस के सामने अपनी बात रखेगा. और नौकरी छोड़नी भी हो, तो पहले दूसरी नौकरी ढूंढ कर रखेगा.

2. संबंध बिगाड़ कर नौकरी छोड़ना : छोटी बुद्धि वाले लड़कर, गाली गलौज कर नौकरी छोड़ते हैं. 'देख लेंगे', 'दिखा देंगे', 'आप पहचानते नहीं हैं हमको' वाली भाषा का प्रयोग करते हैं. यह भूल जाते हैं कि एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट के लिए उन्हें वापस उसी ऑफिस में और उसी बॉस के पास जाना पड़ेगा. जब वे एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट के लिए जाते हैं, तो उन्हें खूब दौड़ाया जाता है और ज्यादातर समय उन्हें एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट मिलता भी नहीं. सही बुद्धि वाला संबंध सही रखकर नौकरी छोड़ता है. नियम के अनुसार नौकरी छोड़ता है. इसीलिए उसे एक्सपीरियंस सर्टिफिकेट मिलने में कोई समस्या नहीं आती और बाद में उसी ऑफिस में पुनः आना चाहे तो उसे वापस ले भी लिया जाता है.

3. तुरंत का लाभ : छोटी बुद्धि वाले सिर्फ तुरंत का लाभ देख नौकरी छोड़ देते हैं. पैसे में थोड़ी वृद्धि देखी और नौकरी छोड़ दी. उन्हें नौकरी बदलने का अनुभव भले हो जाए, काम का अनुभव नहीं हो पाता. कोई बड़ी, अच्छी कंपनी उन्हें नौकरी पर नहीं रखती. 10 साल बाद भी उनकी सैलरी में कोई बहुत बड़ा इजाफा नहीं होता. सही बुद्धिवाला पैसे के साथ-साथ अपना फ्यूचर प्रोस्पेक्ट देखता है. अगर उसे कंपनी में अच्छा फ्यूचर प्रोस्पेक्ट दिखता है, तो सिर्फ पैसे के लिए नौकरी नहीं छोड़ता. सही समय देखकर एक बड़ा जंप लेता है. ऐसे लोग ही किसी कंपनी के बहुत ऊंचे पोस्ट पर पहुंचते हैं क्योंकि ये कंपनी के लिए बहुत उपयोगी साबित होते हैं.

4. सुविधावादी : छोटे लोग जब तक काम रहता है, बहुत चिकनी-चुपड़ी बातें करते हैं, मीठा-मीठा बोलते हैं. जब काम पूरा हो जाता है, तो रास्ता बदल लेते हैं. कुछ मामलों में यह दुनिया बहुत छोटी है. सुविधावादी भूल जाते हैं कि उन्हें उस व्यक्ति से फिर काम पड़ सकता है. और जब काम पड़ता है तो वे निर्लज्ज की तरह पुनः पहुंच जाते हैं और अपमानित होकर वापस भी आ जाते हैं.

5. कंपनी और बॉस की बुराई : छोटी बुद्धि वाले जिस थाली में खाते हैं, उसी में छेद करते हैं. जहां से उनका घर चलता है, उसी की बुराई करते चलते हैं, बॉस की चुगली करते हैं. बॉस बहुत शार्प होते हैं. वे अपने ऑफिस के हर व्यक्ति के बारे में पूरी जानकारी रखते हैं. देर-सबेर उन्हें उस व्यक्ति के बारे में पता चल ही जाता है. फिर वह नौकरी से निकाला जाता है या एक ही पोजीशन में जूता घिसता रहता है.

6. सिर्फ अपनी सुख सुविधा देखना : 'मैं सुबह 8 बजे नहीं आ सकता', 'मैं रविवार को नहीं आ सकता', 'मेरे यहां गेस्ट आने वाले हैं' 'कल मुझे डॉक्टर के पास जाना है', 'मेरे यहां पूजा है' 'मुझे तो छुट्टी चाहिए'. छोटी बुद्धि वाले अपनी सुख-सुविधा को प्राथमिकता देते हैं. बहुत बार जब ऑफिस को उनकी बहुत ज्यादा जरूरत होती है, तो नागा करने से नहीं चूकते. अपने निर्धारित काम से कुछ भी ज्यादा नहीं करते. यही कारण है कि अपनी निर्धारित सैलरी से ज्यादा ऊपर नहीं उठते.

मूल मंत्र : छोटी बुद्धि वाले खुद को बहुत स्मार्ट समझते हैं. लेकिन ओवरस्मार्ट बनने के चक्कर अपना ही नुकसान कर बैठते हैं. फ्रांसिस बेकन ने कितनी सही बात कही है – सही या बुद्धिमान व्यक्ति जहां गुंजाइश नहीं रहता, वहां भी अपने लिए रास्ता निकाल लेते हैं और अवसर बना लेते हैं, और छोटी बुद्धि वाले मिले अवसर को गंवा देते हैं.

क्या आप डोपामाइन डिटॉक्स पर हैं?

आज सामाजिकता या मानवता के उस स्तर पर हैं जहां हम कतार में हमारे बगल में खड़े अजनबी से बात करने से बचने के लिए मजबूरी में अपने इंस्टाग्राम फ़ीड को स्क्रॉल करते रहते हैं. हम वेबसीरीज के कई एपिसोड एक पर एक देखते रहेंगे पर किसी किताब का एक पन्ना पढ़ना हमें बोरियत भरा लगता है. पड़ोस में कौन-कैसे रहता है, हमारे रुचि से बाहर का विषय है पर सोशल मीडिया पर आभासी मित्रों के साथ कैसे घंटों गुजर जाता है, पता भी नहीं चलता. काम भी तो (खासतौर पर आईटी सेक्टर का) ऐसा हो गया है कि हम दिन के 8 से 12 घंटे तक कंप्यूटर/मोबाइल पर उलझे रहते हैं. बड़े-बड़े डिसिजन ऑनलाइन मीटिंग पर धड़ल्ले से लिए जा रहे जिसके लिए अभी कुछ साल पहले तक हम ऑफिस कॉन्फ्रेंस रूम ही नहीं मीलों की यात्रा तय कर किसी खास स्थान पर एकत्र होते थे. घंटो अकेले गजेट्स के साथ जूझने के बाद जब अकेलापन, तनाव का अनुभव होता है तो बजाय इससे निबटने और लोगों से मिलने के सिगरेट-शराब में हल ढूंढे जा रहे. मुंह में जंकफूड ठूंस रहे. या फिर शोर भरे संगीत में सुकून ढूंढने की असफल कोशिश करते हैं. कोरोना के बाद के पीरियड में बढ़ी इस स्थिति के दुष्परिणाम नजर आने लगे हैं. नींद आंखों से कोसों दूर रहती है. तनाव और अवसाद अब लोगों की दिनचर्या को प्रभावित कर रहे. जैसे खानपान की बिगड़ी स्थिति सुधारने के लिए हम कुछ सप्ताह में एक दिन फल-कच्चे आहार पर रहते हैं, वैसे ही गजेट्स से बिगड़े तन-मन को राहत देने के लिए डोपामाइन डिटॉक्स किया जा रहा है.

इसलिए जरूरी है डोपामाइन डिटॉक्स

जिंदगी में अगर कुछ अलग नहीं किया तो क्या किया! यदि आप भी अपने जीवन में कुछ महत्वपूर्ण करना चाहते हैं – एक किताब लिखकर, एक व्यवसाय शुरू कर, एक नया कौशल सीख कर – कुछ भी जिसके लिए कड़ी मेहनत, ध्यान, धैर्य और दृढ़ता की आवश्यकता होती है – तो आपको शांत रहना सीखना होगा. डोपामाइन डिटॉक्स ऐसा करने का एक प्रभावी तरीका है. यह उन गतिविधियों पर हमारा ध्यान केंद्रित करने में मददगार होता है जो स्वाभाविक रूप से हमारे डोपामाइन के स्तर को बढ़ाते हैं – जैसे स्वस्थ भोजन करना, व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना. आइए, आज ऐसी ही कुछ आदतों की चर्चा करें जो डोपामाइन डिटॉक्स को जिंदगी जीने का अंदाज बनाएंगे–

बेड पर फोन की नो इंट्री

सोशल मीडिया पर फियर ऑफ मिसिंग आउट का भय इतना तगड़ा है कि हम चैन की नींद खो रहे. बेड पर सोए–सोए स्क्रॉल करते शारीरिक और मानसिक सुकून को खुद परे धकेल रहे. हमारी संज्ञानात्मक क्षमताएं भी इससे प्रभावित हो रहीं. इससे बचने का एक छोटा पर कारगर उपाय है कि सोने के लिए जब हम बेड पर जाएं तो मोबाइल साथ में न हो. सोने से घंटे भर पहले ही मोबाइल से सारा नाता छोड़ दें.

मनोरंजन धीरे-धीरे

इंटरनेट/सोशल मीडिया पर इतना कुछ उपलब्ध है कि पूरी जिंदगी इंटरटेनमेंट की खुराक मिलती रहे. लेकिन इनके साथ बने रहने की कोशिश आपको पागल कर देगी. आप संभवत: इसका पूरा उपभोग नहीं कर सकते. भले ही आप सामग्री का भरपूर उपभोग करते हों, पर यह सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है कि इनका उपभोग हम तभी करें जब अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपेक्षित घंटे पूरे कर लिए हों. यानी फुर्सत के कुछ पल ही इनके नाम किए जाए. इनके उपयोग के सामय इस सूत्र को भी ध्यान रखें कि इनसे शिक्षा पहले लें, मनोरंजन बाद में.

घर का बना भोजन करें

बाहर खाना हमेशा स्वास्थ्य के लिए ही घातक नहीं होता, बल्कि जेब पर भी भारी पड़ता है. खुद बनाएं या किसी से बनवाएं, पर घर का खाना खाने से शरीर दुरुस्त रहेगा. हां कभी कभार रेस्त्रां में खाना, टेववेज या ड्राइव थ्रू फूड में कोई हर्ज नहीं है.

शॉपिंग बजट बनाएं

जरुरत के लिए शॉपिंग बुरी नहीं, पर बोरियत दूर करने के लिए भी मॉल में या ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो यह आदत छोड़ दें. बेशक शॉपिंग कर डोपामाइन रिलीज होने से आपको खुशी का अहसास होता है, लेकिन कुछ समय गुजरने के बाद आप अपराध बोध से भर जाते और पैसे व्यर्थ खर्च को लेकर दुखी–शर्मिंदा होते हैं.

मेडिटेशन करें

ध्यान अब कोई शौक नहीं रहा. आधुनिक समाज में यह एक आवश्यकता है. यह आपके दिमाग को आपके जीवन में होने वाली हर चीज पर रुकने और विचार करने का मौका देता है, एक ऐसी दुनिया में जहां हम लगातार काम करने और खुद को व्यस्त रखने के आदी हैं. यह बाध्यकारी प्रवृत्तियों को समाप्त करता है और आपको अपने विचारों और कार्यों के प्रति अधिक जागरूक बनाता है.

किताबें पढ़ें

किताबें पढ़ना हमेशा से एक बढ़िया हॉबी रही है, लेकिन इन दिनों यह कम देखी जा रही. पढ़ने के शौकीन भी इलेक्ट्रॉनिक स्क्रींस पर ही किताबें पढ़ते हैं. भौतिक किताब को हाथों में रख कर पढ़ना कम हो गया है. यदि आप बहुत अधिक और अक्सर पढ़ते हैं, तो आप अपने दिमाग को एक समय में एक ही कार्य पर केंद्रित रहने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, जो एक ऐसा गुण है जो जीवन के हर क्षेत्र में सहायक होता है. इसके अलावा, पढ़ना आपके संचार कौशल को तेज करता है और आपको स्मार्ट बनाता है. बेहतर हो, हमेशा एक किताब आपकी जिंदगी में शामिल रहे जिसे आप भौतिक तौर पर ही पढ़ें.

एक्सरसाइज करें

एक्सरसाइज करने से हमारे शरीर में एंडॉर्फिंस का स्राव होता है जो हमारे मूड और स्वास्थ्य दोनों को बेहतर बनाता है. जब आप फील गुड हार्मोन को इस तरह अर्जित करने हैं तो दिमाग खुशी के शॉर्ट कट (मोबाइल स्क्रॉल करने या शॉपिंग से खुशी पाने जैसे तरीकों) का विरोध करने के लिए प्रशिक्षित होता है.

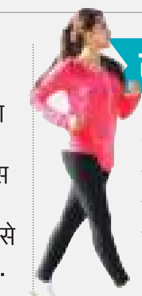

लंबी दूरी तक टहलना

बिना किसी संगीत या दूसरे उत्तेजित करने वाली चीजों के टहलना सच पूछिए तो एक तरह का मेडिटेशन ही है. यह आपके मस्तिष्क को साफ करता है और नए विचारों से भरता है.

सोशल मीडिया के जाल से उबरें

हमारा ध्यान खींचने का एक बड़ा माध्यम है सोशल मीडिया. इसके जाल में एक बार फंस जांए तो हमारे रिश्ते, हमारा करिअर, स्वास्थ्य, पैसे सब प्रभावित होने लगते हैं. इसलिए बहुत देर होने से पहले इस जाल से बाहर निकल आएं.

एक्सपर्ट व्यू

क्या है डोपामाइन डिटॉक्स

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोरोग विशेषज्ञ
रिनपास, रांची

डोपामाइन प्लेजर न्यूरोट्रांसमीटर है. जब मस्तिष्क में डोपामाइन रिलीज होता है, तब हमें खुशी का अहसास होता है. इन दिनों यह बेहद सहज और अधिक मात्रा में होने लगा है. फोन उठाते हैं और स्क्रॉल करते ही एक से बढ़ कर एक रील्स सामने आते हैं और डोपामाइन रिलीज होता है. ऑनलाइन चैट, जुआ, शॉपिंग सब एक क्लिक में प्रचूर मात्रा में डोपामाइन रिलीज करता है. पर यहां कुछ भी असीमित नहीं. डोपामाइन रिलीज होने की भी एक सीमा है. एक समय के बाद इसकी क्षमता कम हो जाती है और बड़ी से बड़ी बात पर भी इसका रिलीज कम होता है. हालात कुछ ऐसे समझिए कि हम एक रुपए से भी जहां पहले प्रसन्न हो जाते थे, वहां सौ रुपए पर भी खुशी नदारद रहती है. ऐसे में वापस एक रुपए से खुशी पाने वाली स्थिति तक पहुंचने के लिए आज हम डोपामाइन डिटॉक्स को अपना रहे हैं.

असल जिंदगी का लाइट, कैमरा, एक्शन

अब वह जमाना नहीं रहा जब कैमरा फेस करना एक खास फील्ड के लोगों तक सीमित था. इन दिनों जब-तब हम सभी को कैमरा फेस करना पड़ता है. कभी वीडियो कॉल तो कभी वेब कॉन्फ्रेंसिंग के लिए. कुछ नहीं तो किसी पार्टी, गेट टूगेदर आदि में भी रील बनाने या वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए कैमरे का सामना करना आम है. बेशक कैमरे पर बोलना आसान नहीं. कई बार यह घबराहट, अनिश्चितता और बेचैनी का कारण भी बन सकता है. आइए, आज ऐसे कुछ बातों की करें चर्चा जिससे कैमरे के सामने आप आत्मविश्वास से भरपूर नजर आएं-

आई कॉन्टेक्ट जरूरी

जब आप कैमरे को देखते हैं तो यह दर्शकों को महसूस कराता है कि आप उनसे बात कर रहे हैं. आई कॉन्टेक्ट आपकी उपस्थिति को अधिक विश्वसनीय और आकर्षक बनाता है.

स्क्रिप्ट याद न करें

कैमरा फेस करने से पहले यदि स्क्रिप्ट लिखने का मौका मिले तो जरूर लिखें. यह आपको बातों को क्रमवार रखने में मदद कर सकता है. लेकिन इसे रटने की कोशिश न करें. इससे आप तनावग्रस्त और असहज महसूस कर सकते हैं.

स्वभाविकता रहें

कैमरे पर बोलते समय आप जैसे हैं, वैसे ही बने रहें. यदि आप बनावटी बनेंगे तो यह दर्शकों को पसंद नहीं आएगा और वे आप पर विश्वास नहीं करेंगे. इसके बजाय अपनी व्यक्तिगत शैली और व्यक्तित्व को दिखाएं.

हंसता हुआ नूरानी चेहरा

मुस्कान आपकी उपस्थिति को अधिक आकर्षक और मैत्रीपूर्ण बना सकती है. यह दर्शकों को यह भी संकेत देती है कि आप कंफर्टेबल और फुल कॉन्फिडेंस में हैं.

आवाज पर ध्यान

अकेले में आइने में देख कर बोलने के अभ्यास से आवाज की गति व स्वर दुरुस्त रहेंगे. घबराहट महसूस करते हैं, तो गहरी सांस लें. कैमरे पर बोलने का अभ्यास करने के लिए आप यूट्यूब पर कई रिसोर्सेज देख सकते हैं.

बेहद खूबसूरत है स्वाद का यह अंदाज

घर का डाइनिंग एरिया सबसे महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है. यही वह जगह है जहां परिजनों, दोस्तों के साथ भोजन करते हैं, गप्पों का पिटारा खोलते हैं, कहकहे लगाते हैं और पुरानी यादें साझा करते हैं. इसलिए डाइनिंग एरिया सुकून भरा और खूबसूरत होना चाहिए. जहां अपनों के साथ समय गुजारना, खाना सुखद और आरामदायक लगे, ऐसा ही होना चाहिए अपना डायनिंग एरिया. अगर आप भी डाइनिंग एरिया के मेकओवर करने या नए डाइनिंग एरिया को तैयार करने की प्रक्रिया में हैं तो ये टिप्स आपके लिए

रोशनी : चाहे डाइनिंग एरिया हो या घर का कोई और हिस्सा, रोशनी किसी भी कमरे के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है. एक अच्छी रोशनी वाला डाइनिंग एरिया आपके परिवार और मेहमानों के लिए एक स्वागत योग्य वातावरण बना सकता है. डाइनिंग टेबल के ऊपर एक झूमर या पेंडेंट लाइट लटकाना एक बेहतर विकल्प है. यदि डाइनिंग रूम/ एरिया अधिक बड़ा है तो बेहतर लाइटिंग के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करें.

फर्नीचर : डाइनिंग एरिया के लिए कंफर्टेबल और मजबूत डाइनिंग टेबल और कुर्सियां खरीदें जो कई वर्षों तक चलेंगी. यदि आपका डाइनिंग एरिया छोटा है, तो अधिक आत्मियता भरा माहौल बनाने के लिए एक गोल मेज बेहतर विकल्प हो सकता है. कुछ अलग करना चाहते हैं और जरा डिफरेंट लुक चाहिए तो अलग -अलग कुर्सियों को मिक्स एंड मैच भी कर सकते हैं.

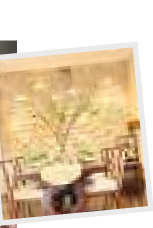

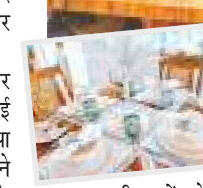

टेबल सजावट : डाइनिंग टेबल अपने आप में आपके डाइनिंग रूम में सजावटी तत्वों को शामिल करने के लिए एक उत्कृष्ट जगह है. एक केंद्रबिंदु शामिल करने पर विचार करें, जैसे ताजे फूलों का फूलदान या फलों का कटोरा. आप अपने डाइनिंग स्पेस की रंग थीम से मेल खाने के लिए प्लेसमेट्स, नैपकिन और अन्य एक्सेसरीज़ के साथ लुक को पूरा कर सकते हैं.

दीवार की सजावट : डाइनिंग एरिया में एक बढ़िया आर्ट पीस, फैमिली फोटो फ्रेम, पेंटिंग आदि लगा कर अपने व्यक्तित्व व शैली को दर्शा सकते हैं. एक बड़ा और कलात्मक आइना भी डाइनिंग एरिया में लगाया जा सकता है. इससे लाइट रिफ्लेक्ट होता है और रोशनी में इजाफा होता है. आइना या मिरर लगाने से स्पेस के बड़े होने का अहसास भी होता है.

टेबल डेकोर : डाइनिंग टेबल पर कुछ सेंटर पीस रखें. यह ताजे फूलों का गुलदस्ता भी हो सकता है और फलों भरा बास्केट भी. प्लेसमैट, नैपकिंस, सॉल्ट सेकर्स व दूसरी एसेसरीज से भी डाइनिंग एरिया को रंग और अंदाज दिला सकते हैं.

रमता जोगी : झील के उस पार एक जहां ऐसा भी

नुपूर अशोक

बड़े शहरों का अपना एक आकर्षण होता है, चमक दमक होती है – कुछ-कुछ पांच सितारा होटल की तरह जहां पहुंच कर आप उसकी साजसज्जा से चकित रह जाते हैं. पर छोटे शहरों का अपना अलग ही आकर्षण है - कुछ कुछ एक छोटी चाय की गुमटी की तरह जिसमें चाय तो मिलती ही है, बहुत सारा अपनापन भी मिलता है. अमेरिका में मुझे ऐसे कुछ शहरों को देखने का मौका मिला, जिनमें एक था – बेमिजी. यहां आने से पहले मैं ने इसका नाम भी नहीं सुना था लेकिन हमारे मेजबानों के एक मित्र यहां थे और उनके निमंत्रण पर हम भी वहां पहुंचे. मुख्य सड़क से अंदर की सड़क पर जाते ही मुझे कई अंग्रेज़ी और हिन्दी फिल्में याद आने लगीं जिनमें पेड़ों से घिरी एक लम्बी सुनसान सड़क दूर तक चलती रहती है, बीच में न कोई और आदमी दिखता है, न कोई गाड़ी, न कोई घर. कुछ मीलों के बाद यह सड़क एक बड़े से मकान के पास पहुंचती है जिस विशाल मकान में कोई नौकर-चाकर नहीं होता, बस एक पति-पत्नी का जोड़ा होता है और बड़ी-बड़ी कांच की खिड़कियों के पार जंगल दिखाई दे रहा होता है.

फिलहाल, बेमिजी की उस मीलों लंबी सड़क पर चलते हुए हम इस मकान तक पहुंचे.

अंदर प्रवेश करते ही हमने वहां बिल्कुल फिल्मों जैसा ही दृश्य देखा. फर्क सिर्फ इतना था कि पति-पत्नी में कोई किसी की हत्या की योजना नहीं बना रहा था! खिड़की के बाहर एक ओर जंगल और एक ओर झील दिख रही थी. कांच की खिड़कियों वाले उस विशाल कमरे के बीचोबीच एक पियानो रखा हुआ था और ज़मीन पर रखी एक छोटी सी टोकरी में एक छोटा सा कुत्ता सो रहा था. वैसे मुझे कुत्तों से बिल्कुल प्रेम नहीं है लेकिन उतना शांत और सुशील कुत्ता मैं ने और कहीं नहीं देखा. यहां तक कि उसके भौंकने की आवाज़ भी महीन घंटी की तरह थी.

सारी दुनिया घूमने के शौकीन इस दंपती के गैराज में दर्जन से भी अधिक मोटरसाइकिलें थीं. इनमें से कई उन्होंने खुद बनाई थीं, कई की अपनी खासियतें थीं जो उन्होंने बहुत चाव से हमें बताईं. न सिर्फ एक शहर से दूसरे शहर बल्कि एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश, एक देश से दूसरे देश तक उन्होंने मोटरसाइकिल द्वारा यात्राएं की थीं. इसके अलावा कई तरह की गाड़ियां- कोई फोर व्हील ड्राइव, कोई बर्फ पर चलने वाली. झील पर रहने वालों के लिए नावें तो होती ही हैं. हमारे लिए ये सभी एक अलग दुनिया की बात थी. हमारे देश में तो लोग थोड़ा पैसा आते ही नौकर इकट्ठा करना शुरू करते हैं - घर साफ करने वाला, बर्तन साफ करने वाला, गाड़ी साफ करने वाला, गाड़ी चलाने वाला ...पर इन सबसे भी अधिक चकित मैं उनके कविता प्रेम से हुई. उन्होंने आग्रह किया कि मैं अपनी कविताएं उन्हें सुनाऊं हालांकि वे हिन्दी का एक शब्द भी नहीं जानती थीं. पर उन्होंने कहा- कविता किसी भी भाषा में हो, उसकी आवाज़ खूबसूरत होती है. मैंने कविता सुनाई और उन्होंने हमारे लिए पियानो बजाया.

कांच की खिड़कियों के बाहर जंगल और झील, अंदर कविता के शब्द और पियानो का संगीत - यह दृश्य मेरे मन मस्तिष्क में सदा अंकित रहेगा.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

दुकानों में लगी आग लाखों का नुकसान

पटना। राजधानी में एक साथ तीन दुकानों में आगलगी की घटना से हड़कंप मच गया. मामला पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र के दरियापुर फकीरवारा के पास की है, जहां तीन दुकान में अचानक रविवार की सुबह आग लग गई. स्थानीय लोगों द्वारा पीरबहोर थाना पुलिस को सूचना दी गई. सूचना पर दो थानों कदमकुआं और पीरबहोर की पुलिस के साथ अग्निशमान विभाग के कर्मचारी पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश की. बताया जा रहा है कि आगलगी की घटना में करीब 5 लाख रुपए की संपति का नुकसान हुआ है.

ठाकुर गिरोह का एक और सदस्य हुआ गिरफ्तार

कटिहार। कटिहार पुलिस ने गैस यादव को गिरफ्तार करने का दावा किया. इसके साथ ही जिले के दियारा क्षेत्र में दहशत के ''दी एंड'' करने को लेकर इस बार पुलिस सजग होने का भी दावा कर रही है. बता दें कि पिछले साल सेमापुर थाना क्षेत्र के बकिया दियारा में वर्चस्व की लड़ाई में पांच लोगों की हत्या कर दिया गयी थी. जो पूरे बिहार में सुर्खियों में था. इस मामले को अंजाम देने का आरोप मोहन ठाकुर गिरोह पर था. पुलिस इस मामले में 20 लोगों को आरोपी भी बनाया था. जिसमें अब तक 18 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है.

पुलिस ने पीरपैंती से एक अपराधी को पकड़ा

भागलपुर। पुलिस ने अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरु कर दिया है. इसी क्रम में पुलिस ने पीरपैंती थाना क्षेत्र में भागलपुर जिले के कुख्यात अपराधी लवकुश यादव पिता जयप्रकाश यादव ग्राम मधुबन टोला थाना पीरपैंती, को गिरफ्तारी कर लिया. बता दें कि लवकुश यादव का आपराधिक इतिहास रहा है. इस पर अब तक हत्या, लूट, फिरौती और आर्म्स एक्ट जैसे संगीन अपराध के कुल पांच कांड में आपराधिक केस दर्ज हैं. एसपी ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में लवकुश की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी गठित की थी. इसमें बृजेश कुमार थाना अध्यक्ष भी शामिल थे.

वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग पर बाइक चालक ने सड़क पर खड़े गन्ना लदे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी थी

बेतिया में बाइक और ट्रक में टक्कर, दो लोगों की मौत

संवाददाता ।बेतिया

पश्चिम चंपारण के बगहा एनएच व वाल्मीकिनगर मुख्य मार्ग पर शनिवार की देर रात तेज रफ्तार बाइक चालक ने अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े गन्ना लदे ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी. जिससे दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया.

जिसे स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से इलाज़ के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई. मृत व्यक्ति की पहचान मंगलपुर ब्रमस्थान गांव निवासी सुरेन्द्र राय के 25 वर्षीय पुत्र कन्हैया राय, मोतीलाल चौधरी के 26 वर्षीय पुत्र बिट्टू चौधरी और चंद्रभान राय के 26 वर्षीय पुत्र शुखल राय के रूप में हुई है. तीनों एक ही बाइक पर सवार होकर रामपुर से अपने घर आ रहे थे.

ट्रेन से कटकर महिला समेत दो मासूम बच्चों मौत हो गई

बक्सर जिले में रविवार को हुए एक दर्दनाक हादसा हुआ. ट्रेन से कटकर एक महिला समेत दो मासूम बच्चों मौत हो गई. यह हादसा बक्सर–आरा रेल खंड के रघुनाथपुर स्टेशन पर हुआ, जहां लाइन पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से एक 40 वर्षीय महिला सहित दो मासूम बच्चों की कटने से मौत हो गई. वहीं इस घटना में एक वृद्ध महिला बाल–बाल बच गई. हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई. सूचना मिलने के बाद जीआरपी की टीम भी मौके पर पहुंची. पुलिस मृत महिला व बच्चों की पहचान का प्रयास कर रही है.घटना के संबंध में बताया जाता है कि समस्तीपुर जिले की रहने वाली उक्त महिला एक वृद्ध महिला और दो मासूम बच्चों के साथ रघुनाथपुर स्टेशन पर उतरी थी. उसे योगियां पंचायत के कृत सागर गांव स्थित अपने एक रिश्तेदारी में जाना था. चारों पश्चिमी गुमटी के सामने लाइन पार कर रहे थे. इसी दौरान अप लाइन में पटना दादर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से महिला सहित उसके दो मासूम बच्चों की मौत हो गई.

आओ जानें

सामान्य ज्ञान

- बिहार युवक संघ की स्थापना किस वर्ष हुई थी – 1928
- लोकसभा में किस आधार पर सीटें बांटी जाती हैं – **जनसंख्या**
- किस बीमारी के इलाज के लिए संकल्प प्रोजेक्ट बनाया गया था – **एचआईवी**
- बिहार केसरी किसे कहा जाता है – **श्री कृष्ण सिंह**
- बहमनी सल्तनत के संस्थापक कौन थे – **अलाउद्दीन बहमन शाह**
- भारत के किस पड़ोसी देश ने टिकटॉक पर बैन लगाया है – **नेपाल**
- बिहार के किस जिले में अभ्रक मिट्टी पाई जाती है – **नवादा**
- भारत में सोंगमो झील कहां पर है – **सिक्किम**
- बिहार राज्य चीनी निगम लिमिटेड कहां स्थित है – **पटना**
- भारत में गन्ने का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है – **उत्तर प्रदेश**

पटनाः रविवार को पटना में छात्रों ने भारत के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी. (पीटीआई फोटो)

चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन पर चिराग ने की मोदी की सराहना, कहा-

एक अकेला सब पर भारी

संवाददाता ।पटना

चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में से तीन (राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) रुझान ने प्रदेश की राजनीति का माहौल बदल दिया है. महागठबंधन की बजाय भाजपा और उसके समर्थित दलों ने जदयू और राजद को घेरना शुरू कर दिया. लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने भी सोशल मीडिया एक्स पर एक ट्वीट किया कि एक अकेला सब पर भारी. अपने ट्वीट में चिराग पासवान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक फोटो भी शेयर की है. फोटो में पीएम मोदी चिराग पासवान को गले लगाते दिखाई नजर आ रहे हैं. वहीं बिहार पूर्व सीएम व हम संयोजक जीतन राम मांझी ने भी सोशल मीडिया एक्स पर एक शेयर पोस्ट किया है. अपने पोस्ट में जीतन राम मांझी ने लिखा है कि जीत के लिए जूनून चाहिए, आत्मविश्वास रगों में खूब चाहिए. ये आसमान भी आएगा जमी पर, बस इरादों में जीत की गूंज चाहिए. भाई नरेंद्र मोदी जी का जलवा है. भारत को बड़ी जीत की बधाई. हर एनडीए कार्यकर्ता को शुभकामनाएं. इंडिया वालों ने इंडीया गठबंधन को धूल चटा दी.

वहीं इस रुझान पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देख सम्राट चौधरी ने भी उनका उत्साह बढ़ाते हुए दावा किया कि चुनाव परिणाम बिहार के सियासत को भी प्रभावित करने वाली है. बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा 3 राज्यों की जीत से ये साफ है कि ये जीत मोदी जी की गारंटी की जीत है. लोगों ने साबित कर दिया कि मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है.

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान तो अभी झांकी है बिहार अभी बाकी है. बहुत जल्द आपको बिहार में भी इसकी तस्वीर दिखने लगेगी क्योंकि महा गठबंधन कैसे बना है और कैसे स्वार्थ में डूबा हुआ है ये सब देख रहे हैं. बिहार की जनता ने भी मन बना लिया है कि बिहार में भी लोग बीजेपी की सरकार बनाना चाहते है. उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर कांग्रेस को घेरते हुए लिखा कि कांग्रेस तेरे पाप समाप्त नहीं होंगे, जब तक कांग्रेस समाप्त नहीं होंगी. तीन दिसंबर 1984 को भोपाल में भीषण गैस कांड हुआ था. इस घटना में हजारों लोगों की मृत्यु हुई थी, लेकिन कांग्रेस ने हत्यारे एंडरसन को सजा-ए-मौत न देकर भागने के लिए फ्लाइट दिया. बता दें कि सम्राट चौधरी ने सोशस मीडिया हैंडल पर एक के बाद एक कई पोस्ट करते हुए कांग्रेस पार्टी पर जमकर हमला बोला है.

वहीं पांच राज्यों के चुनाव पर नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि नरेंद्र मोदी का जलवा बरकरार है और जो संकल्प प्रधानमंत्री ने लिया था, युवाओं का महिलाओं का किसानों का गरीबों का उत्थान करने का उसी का नतीजा है तीन राज्यों का परिणाम. सिन्हा ने कहा कि हमारा जो संकल्प है देश की निःस्वार्थ भाव से सेवा करना आज देश की जनता ने उस पर मुहर लगा दी और जो जातीय उन्माद धार्मिक उन्माद तुष्टिकरण की राजनीति से वंशवादी भ्रष्टाचारी मानसिकता को बढ़ाना चाहते थे उसको तमाचा लगा है, इंतज़ार कीजिए ज़िंदा क़ौम पांच साल इंतजार नहीं करती, समय के पहले ही बिहार में भी चुनाव हो सकता है. भाजपा विधान पार्षद नवल किशोर ने कहा कि तीन राज्यों में बीजेपी सरकार बना रही हैं.

बोले चिराग

- चिराग ने नरेंद्र मोदी की एक फोटो भी शेयर की
- मांझी ने एक्स पर लिखा कि जीत के लिए जुनून चाहिए
- सम्राट ने लिखा ये जीत मोदी जी की गारंटी की जीत है

एनआईए ने फेक करेंसी केस में की छापेमारी

रोहतास। रोहतास में एनआईए की टीम ने फेक करेंसी केस में शशि भूषण कुमार नाम के एक युवक के घर छापेमारी. टीम ने शशि भूषण से 6 घंटे तक पूछताछ की और उसके घर की तलाशी ली. इसके बाद टीम अपने साथ मोबाइल और लैपटॉप को जब्त कर अपने साथ ले गई. शनिवार के अहले सुबह बिजली कॉलोनी में बेंगलुरु और पटना से एनआईए की टीम ने छापेमारी के बाद पूरे घर की सघन तलाशी ली. बताया जा रहा है कि बेंगलुरु में हुए फेंक कैरेन्सी मामले शशि भूषण की भूमिका संदिग्ध थी. इस मामले में शशि भूषण की मां कंचन ने बताया कि सुबह सिविल ड्रेस में कुछ लोग घर आए और सर्च वारंट दिखाकर घर की तलाशी ली.

निषाद का बेटा वोट नहीं बेचेगाः सहनी

एजेंसी।कैमूर

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में जुटे विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख और बिहार के पूर्व मंत्री मुकेश सहनी कैमूर जिले के चांद प्रखंड के लेदरी गांव में एक रैली की. जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया.

इसके बाद एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हमलोग उस दशरथ मांझी के बिहार वाले हैं जो पहाड़ में रास्ता बनाने वक्त कहा करते थे कि जब तक तोड़ेंगे नहीं तब तक छोड़ेंगे नहीं. मुकेश सहनी के कहा कि आज हमने भी तय कर लिया है कि जब तक आरक्षण नहीं ले लेंगे तब तक छोड़ेंगे नहीं. सन ऑफ मल्लाह के नाम से चर्चित सहनी ने साफ लहजे में दावा करते हुए कहा कि अब निषाद का बेटा वोट नहीं बेचेगा.

उन्होंने कहा कि आरक्षण की लड़ाई कोई नई नहीं है. यह मेरा हक और अधिकार है. जब देश एक है, संविधान एक है, पीएम एक है तो फिर पश्चिम बंगाल और दिल्ली में निषादों को आरक्षण है और बिहार, झारखंड और यूपी में निषादों को आरक्षण क्यों नहीं है.

कारोबार

प्रैक्टो का अगले साल लाभ में आने का लक्ष्य

नयी दिल्ली। स्वास्थ्य देखभाल एवं डायग्नोस्टिक्स मंच प्रैक्टो की अगले वित्त वर्ष में लाभ की स्थिति में आने और जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना है. कंपनी के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी शशांक एनडी ने यह जानकारी दी. प्रैक्टो छोटे शहरों और कस्बों में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के साथ ही आंकड़ों के बेहतर विश्लेषण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल करने की तैयारी में है.

पानीपत रिफाइनरी की लागत 10 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने पानीपत रिफाइनरी के विस्तार की लागत का अनुमान 10 प्रतिशत बढ़ाकर 36,225 करोड़ रुपये कर दिया है. इसके साथ ही परियोजना पूरा होने की समयसीमा भी एक साल बढ़ाकर दिसंबर, 2025 कर दी गई है. आईओसी हरियाणा के पानीपत में स्थित इस रिफाइनरी की सालाना क्षमता 1.5 करोड़ टन से बढ़ाकर 2.5 करोड़ टन तक करने की योजना पर काम कर रही है.

ऑल्टमैन की वापसी के बाद समर्स हाल ही में ओपन एआई के नए बोर्ड में शामिल हुए

कंपनी का काम महत्वपूर्ण हैः लैरी

भाषा ।नयी दिल्ली

चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के बोर्ड मेंबर लैरी समर्स ने कहा कि कंपनी का काम असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है. उसे रेगुलेटरी इश्यू, नेशनल सिक्योरिटी इश्यू, टेक्निकल इश्यू के डेवलपमेंट पर सरकार के साथ सहयोग करने के लिए तैयार रहना होगा. यह टिप्पणी इस बात पर प्रकाश डालती है कि पूर्व अमेरिकी ट्रेजरी सचिव समर्स सिलिकॉन वैली स्टार्टअप में क्या काम करने की योजना बना रहे हैं. कंपनी के को-फाउंडर ऑल्टमैन की वापसी के बाद समर्स हाल ही में ओपन एआई के नए बोर्ड में शामिल हुए हैं. समर्स ने यह भी कहा कि वह इस साल की शुरुआत में दिए गए अपने बयान पर कायम हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि एआई कुछ लोगों की नौकरियां ले सकता है. उन्होंने वाइट कॉलर जॉब्स के जाने का अंदेशा जताया था. डेस्क से काम करने वालों को वाइट कॉलर वर्कर कहा जाता है.

68 साल के समर्स क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन में 1999 से 2001 तक ट्रेजरी सचिव थे. 2009 में राष्ट्रपति ओबामा के चीफ इकोनॉमिक एडवाइजर बने थे. उनकी इकोनॉमिक स्किल और वॉशिंगटन से उनके कनेक्शन ओपन एआई के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं. समर्स 2001 से 2006 तक हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट रह चुके हैं.

वह वर्तमान में चार्ल्स डब्ल्यू. एलियट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और हार्वर्ड केनेडी स्कूल में मोसावर-रहमानी सेंटर फॉर बिजनेस एंड गवर्नमेंट के डायरेक्टर के रूप में काम करते हैं. सैम ऑल्टमैन को 18 नवंबर को कंपनी ने निकाल दिया था. बोर्ड ने कहा था कि अब उन्हें ऑल्टमैन की काबिलियत पर भरोसा नहीं है. ऑल्टमैन के अलावा कंपनी के प्रेसिडेंट ग्रैग ब्रॉकमैन को बोर्ड ने पद से हटा दिया था. बाद में उन्होंने भी कंपनी छोड़ दी थी. हालांकि, एम्प्लॉइज और इन्वेस्टर्स के दबाव के बाद ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन की कंपनी में वापसी हुई. नया बोर्ड भी बनाया गया है. ऑल्टमैन और ब्रॉकमैन को बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पिछले बोर्ड के 4 मेंबर्स में से 3 को हटा दिया गया. नए बोर्ड में इन 4 मेंबर्स में से केवल एक मेंबर एडम डी एंजेलो बचे हैं.

बोले समर्स

- ओपनएआई कंपनी के बोर्ड मेंबर हैं लैरी समर्स
- समर्स ने कहा था कि एआई नौकरियां ले सकता है
- समर्स क्लिंटन एडमिनिस्ट्रेशन में ट्रेजरी सचिव रहे थे

सैम को ओपनएआई से बाहर किया गया था

सैम ऑल्टमैन ने इंटरव्यू में खुलासा किया कि जब उन्हें पहली बार एक बार फिर ओपनएआई का सीईओ बनने का प्रस्ताव मिला, तो उन्हें अहंकार और भावनाओं से उबरने में थोड़ा समय लगा. आखरकार, उन्होंने उनके सामने रखे गए प्रस्ताव को स्वीकार करने का निर्णय लिया. जाहिर तौर पर, मुझे वास्तव में कंपनी बहुत पसंद आई और पिछले साढ़े चार वर्षों से मैंने इसमें अपनी पूरी जीवन शक्ति लगा दी है, लेकिन अपने अधिकांश समय के साथ वास्तव में इससे भी अधिक समय बिताया है. और हम इस मिशन पर इतनी अच्छी प्रगति कर रहे हैं कि उन्होंने साक्षात्कार में कहा, मुझे सुरक्षित और लाभकारी एजीआई के मिशन की बहुत परवाह है.

भारत की उत्सर्जन तीव्रता 33 प्रतिशत घटी

दुबई। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के मुकाबले भारत की उत्सर्जन तीव्रता वर्ष 2005 और 2019 के बीच 33 प्रतिशत कम हुई और देश ने 11 साल पहले ही निर्धारित लक्ष्य को हासिल कर लिया. एक सरकारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवधि में भारत की जीडीपी सात प्रतिशत की संचयी दर से बढ़ी, जबकि उसका उत्सर्जन प्रति वर्ष केवल चार प्रतिशत ही बढ़ा. इससे पता चलता है कि देश अपनी आर्थिक वृद्धि के मुकाबले ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन घटाने में सफल रहा है. अधिकारियों ने कहा कि ''द थर्ड नेशनल कम्युनिकेशन टू द यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज'' नामक रिपोर्ट दुबई में चल रही जलवायु वार्ता के दौरान संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन निकाय को सौंपी जाएगी. पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि भारत ने वर्ष 2005 से 2019 के बीच अपनी जीडीपी के मुकाबले उत्सर्जन तीव्रता में 33 प्रतिशत की कमी की. इस दौरान 1.97 अरब टन कार्बन डाई-ऑक्साइड के बराबर कार्बन अवशोषित हुआ.

अडाणी ग्रुप अगले 10 साल में 84 अरब डॉलर खर्च करेगा

भाषा।नयी दिल्ली

अडाणी ग्रुप अगले 10 साल में 84 अरब डॉलर यानी करीब 7 लाख करोड़ इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर खर्च करेगा. ग्रुप के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर (सीएफओ) जुगेशिंदर सिंह ने इस बात की जानकारी दी है. सिंह ने बताया कि हम 20 लाख करोड़ तक इन्वेस्ट करने की क्षमता रखते हैं, लेकिन अच्छे वेंडर्स की कमी के चलते इतना बड़ा निवेश करने में दिक्कत आ रही है.

उन्होंने कहा कि हम जैसे-जैसे अपने वेंडर्स की संख्या बढ़ाएंगे, हमारा कैपिटल एक्सपेंडिचर भी बढ़ेगा. अगर हमारे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स बेहतर परफॉर्म करते हैं, तो अगले 25 साल में हम 80 लाख करोड़ तक खर्च करने में सक्षम हो जाएंगे. अडाणी ग्रुप की 6 कंपनियां अडाणी ग्रीन एनर्जी, अडाणी पोर्ट्स एंड सेज, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडाणी पावर और दो अनलिस्टेड कंपनियां- अडाणी एयरपोर्ट्स और अडाणी रोड्स जल्द ही ग्लोबल और डोमेस्टिक मार्केट में बड़े इन्वेस्टमेंट की प्लानिंग कर रही हैं. इसके लिए ये कंपनियां बॉन्ड जारी कर मार्केट से फंड उठाएंगीं. कंपनियां टोटल फंड का 80% फॉरेन मार्केट से और 20% डोमेस्टिक मार्केट से रेज करेंगीं. इसी साल 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए थे, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी. हालांकि इनमें बाद में रिकवरी हुई.

शेयर विदेशी संस्थागत निवेशक फिर पुनः खरीदार बने और नकद संभाग में पूरे सप्ताह में उन्होंने 10590 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे

पिछले सप्ताह निफ्टी में 473 अंकों की बढ़त रही, 20291 का सर्वकालिक सर्वोच्च स्तर छुआ

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

अब तो भारतीय शेयर मार्केट सोमवार को बड़ी उछाल के लिए तैयार लग रहा है. पहले तो पिछले सप्ताह गुरुवार को एक साथ इतने सकारात्मक समाचार आएं जितने एक दिन में तो संभवतः पहले किसी एक दिन मैंने तो नहीं देखे. दूसरी तिमाही की जीडीपी 7.6, एफआईआई की नकद संभाग में 8174 करोड़ रुपए की खरीदारी, क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरल से गिर 80 डॉलर प्रति बैरल, बीजेपी का विधानसभा चुनावों के एक्जिट पोल में अच्छा प्रदर्शन, डाउ में 500 से अधिक अंकों की उछाल. परिणामस्वरूप निफ्टी में शुक्रवार को 134 अंकों का उछाल आया. यह तेजी अधिक भी होती परंतु कुछ प्रमुख विधानसभाओं के चुनाव परिणाम रविवार को आने थे. यद्यपि एक्जिट पोल में भाजपा की स्थिति अच्छी बताई जा रही थी, परंतु अंतिम चुनाव परिणाम की प्रतीक्षा, कोई विपरीत परिणाम आ जाने की आशंका रहती ही है तथा शेयर मार्केट में इनका प्रभाव रहता ही है. इसलिए निफ्टी में उछाल 134 अंकों का ही दिखा. रविवार को चुनाव परिणाम आ गए हैं तथा भाजपा की बड़ी विजय हुई है.

सोमवार को भारतीय शेयर बाजार अच्छी तेजी के साथ खुल इस तेजी का विस्तार करते हैं कि नहीं, अब यह महत्वपूर्ण है. यदि इस तेजी का अच्छा विस्तार होता है तो आने वाले दिनों में एक बड़ी अप्रत्याशित तेजी भी दिख सकती है. इस चुनावी सफलता के साथ मोदी के नेतृत्व में अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा तथा उनके सहयोगी दलों की सरकार पुनः बनने की संभावना अधिक बलवती हुई है. भारतीय शेयर मार्केट के लिए यह उत्साहजनक है. भारत आर्थिक महाशक्ति बनने के मार्ग पर अग्रसर रहेगा एवं जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, शेयर मार्केट का विस्तार तथा आकर उतना ही बड़ा होना निश्चित ही है. स्थितियों में कोई बड़ा नकारात्मक परिवर्तन नहीं होता है तो भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए सर्वोत्तम सुनहरा समय आरंभ होने वाला ही है. विश्लेषण के साथ बुद्धिमता से शेयरों का चयन करेंगे तो आशातीत लाभ होगा. पिछले सप्ताह निफ्टी में 473 अंकों की बढ़त रही तथा इसने 20291 का सर्वकालिक सर्वोच्च स्तर छुआ. विदेशी संस्थागत निवेशक पुनः खरीदार बने तथा नकद संभाग में पूरे सप्ताह में उन्होंने 10590 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे.

स्टॉक फ्यूचर में उनकी खरीदारी 10867 करोड़ रुपए की रही. इन दोनो को जोड़ दें तो यह खरीदारी 21475 करोड़ रुपए की हो जाती है. यह एक बहुत बड़ी खरीदारी है. ऐसे में जब सोमवार को बीजेपी की विजय के साथ भारतीय शेयर बाजार खुलेंगे तो मंडाडियों की बड़ी शॉर्ट कवरिंग दिख सकती है. इंडेक्स फ्यूचर में एफआईआई अधिक सक्रिय नहीं दिखे. घरेलू संस्थागत निवेशकों ने विगत सप्ताह 4262 करोड़ रुपए की खरीदारी की. एफआईआई तथा डीआईआई की संयुक्त खरीदारी 14852 करोड़ रुपए की रही. सामान्यतया एफआईआई तथा डीआईआई के निवेश प्रारूप में विपरित दिशा रहती है. पिछले सप्ताह दोनो की बड़ी संयुक्त खरीदारी का अर्थ अपेक्षाकृत दुर्बल हाथों से शक्तिशाली हाथों में शेयरों के जाने का संकेत है. यह मार्केट के आधार को और भी शक्तिशाली करेगा. एक बात का ध्यान रखना होगा. कभी कभी बहुत अधिक अच्छे समाचारों पर जो उछाल आता है, उन उछालों पर एक मंडाडियां समूह बन जाता है जो मंदी के सौदे कर मार्केट को नीचे लाने का प्रयास करता है. लघु अवधि के सट्टे के तेजी के सौदे करने वालों को इस पर एक निकट दृष्टि रखनी होगी. यद्यपि अभी भारतीय तथा विदेशी निवेशक भारतीय शेयर मार्केट को अच्छा आधार प्रदान कर रहें हैं. विश्व के प्रमुख निवेश संस्थानों का भारत के प्रति भरोसा बढ़ा है. पेंशन फंड की ओर से 32000 करोड़ रुपए के निवेश आने की संभावना है.

विदेशी निवेशक चीन की अपेक्षा भारत को अधिक आकर्षक बाजार मान रहे हैं

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भी खरीदार बने हैं. नवंबर माह में उन्होंने 9001 करोड़ रुपए का निवेश किया था, दिसंबर में तो पहले दिन ही 9744 करोड़ के शेयर खरीदे. विश्व की प्रमुख संपत्ति प्रबंध संस्थाओं के प्रबंधक जो 2166 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति का प्रबंधन करते हैं. चीन की अपेक्षा भारत को अधिक आकर्षक बाजार मान रहें हैं. यह भारत में बड़ी धनराशि का प्रवाह ला सकता है. अभी भी अमेरिका सहित अन्य विकसित राष्ट्रों की तुलना में भारत का शेयर मार्केट का आकार काफी छोटा है. अतः यहां विकास की अभी भी बहुत संभावना है. पिछले सप्ताह अमेरिकी शेयर बाजार में भी अच्छी तेजी आई. डाउ ने 2023 वर्ष की नई ऊंचाई 36264 बनाई. वहां भी तेजी की अवधारणा शक्तिशाली हो रही. अनुमान लगाया जा रहा कि ब्याज दरों में कटौती का क्रम प्रारंभ होगा तथा 2025 दिसंबर तक ब्याज दरें 3.5 तक आ सकती हैं. इससे भी इक्विटी में निवेश बढ़ सकता है. ओपेक देशों द्वारा क्रूड के उत्पादन में कटौती की घोषणा के पश्चात भी ब्रेंट क्रूड नीचे हो 79.10 डॉलर प्रति बैरल आ गया. यूएस डॉलर इंडेक्स 103.19 है. यूएस बोल्ड यील्ड 4.20 है.शेयर मार्केट के लिए सकारात्मक है. कुल मिला जुला कर सभी संकेत अच्छे ही हैं, बहुत अच्छे हैं. कभी–कभी सभी कुछ का अच्छा होना भी अच्छा नहीं माना जाता है. अतः अभी अतिरिक्त सजगता, चेतना के साथ निवेश का निर्णय लें. वैसे मोदी भारतीय अर्थजगत तथा शेयर मार्केट के लिए शुभंकर ही हैं. नवंबर माह का जीएसटी संग्रह 1.68 लाख करोड़ आया है.

ब्रीफ खबरें

भाजपाइयों ने मनाया जीत का जश्न

मनोहरपुर। उत्तर भारत के तीन बड़े राज्य मध्यप्रदेश,छतीसगढ़ एवं राजस्थान में भाजपा की प्रचंड जीत की ख़ुशी में मनोहरपुर के भाजपाईओं ने जश्न मनाया.रविवार शाम मनोहरपुर थाना चौक पर वरिष्ठ भाजपा नेता इंद्रकुमार डागा एवं मंडल अध्यक्ष बहनु तिर्की की अगुवाई में जमकर आतिशबाजी की गयी . लोगों के बीच मिठाइयां बांटी.वहीं जीत की ख़ुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जीत की बधाई दिया.

मजदूरों को मिलने वाली सुविधाओं पर की चर्चा

नोवामुंडी। नई बनाई गई बोकारो स्टील वर्कर्स यूनियन इंटक के पदाधिकारीयों ने गुवा सेल के खदान क्षेत्र में सेल कर्मियों के साथ बैठक कर मजदूरों की मिलने वाली सुविधाओं पर चर्चा की. जिसमे कांट्रेक्टर वॉर्कर की मानदेय में बृद्धि,39 महीने का एरियर,बोनस में अनियमितता, नाइट अलाउंस में बढ़ौतरी,ऑपरेटर की स्वास्थ और सेफ्टी का विशेष ध्यान रखकर उससे काम लिया जाय, बीएसएल की नई बहाली में गुवा के स्थानीय की उपेक्षा पर गहन चर्चा हुई.

भाजपा ने निकाला विजय जुलूस

चांडिल। भाजपा की तीनों राज्य में बहुमत से जीत की ख़ुशी में भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने रविवार की शाम चांडिल बाजार में विजय जुलूस निकाला. गाजे-बाजे के साथ निकाले गए विजय जुलूस के दौरान जमकर आतिशबाजी की गई और अबीर-गुलाल खेले गए. मौके पर भाजपा नेता व कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर और आम लोगों के बीच मिठाई बांटकर खुशी जताया. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष के पक्ष में जमकर नारेबाजी कर रहे थे.

निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

मैथन। स्वर्गीय रघुनाथ खरकिया की 52वीं पुण्यतिथि पर चिरकुंडा स्थित लायंस क्लब रघुनाथ खरकिया मेमोरियल नेत्र अस्पताल द्वारा 939 वीं मुफ्त नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया. शिविर का उद्घाटन अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर अतिथियों ने कहा कि पिछले पांच दशक से भी ज्यादा समय से लायंस क्लब रघुनाथ खरकिया नेत्र अस्पताल पश्चिम बंगाल, के लोगों के लिए शिविर लगाने का काम करता आ रहा है.

महायज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश शोभायात्रा

धनबाद। धनबाद के झरिया स्थित अयोध्यानगरी भागा हनुमान मंदिर में रविवार को 7 दिवसीय श्री रामचरितमानस महायज्ञ को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई . यज्ञ शाला से आरंभ हुई कलश यात्रा में 501 सुहागिन महिला व कुंवारी कन्याओं ने सिर पर कलश लेकर जब दामोदर नदी के लिए प्रस्थान किया तो पूरे रास्ते मे आस्था व श्रद्धा की धारा बहती नजर आई .गाजे बाजे व ढोल नगाड़े के साथ निकाली गई.

दलित सेना के राम विनय को दी श्रद्धांजलि

आदित्यपुर। दलित सेना के संस्थापक सदस्य और समाजवादी नेता राम विनय पासवान की 20वीं पुण्यतिथि रविवार को मनाई गई. थाना रोड स्थित उनके प्रतिमा पर गणमान्यों ने पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की. गणमान्यों ने श्रद्धांजलि संदेश में उन्हें दलित पिछड़ों का सर्वमान्य नेता बताया. सभा की अध्यक्षता स्वर्गीय राम विनय पासवान के पौत्र और लोकजन शक्ति पार्टी के जिला अध्यक्ष मनोज पासवान ने की. मुख्य अतिथि शारदा देवी ने कहा कि वे चाचा समान थे.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

बेरमो। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भाजपा की प्रचंड जीत के ख़ुशी में रविवार शाम को फुसरो में कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़ व मिठाई खिलाकर जश्न मनाया. पुराना बीडीओ ऑफिस स्थित कार्यालय से रविवार शाम को गाजे बाजे के साथ नाचते गाते हुए विजय जुलूस निकाला गया और फुसरो बाजार का भ्रमण कर शहीद निर्मल महतो चौक पहुंचा. जहां शहीद निर्मल महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया.

केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा 34वीं अंचल स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता किया गया है आयोजन

केवि के 54 छात्र युवा संसद के लिए जयपुर रवाना

संवाददाता । जमशेदपुर

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा जयपुर में 34वीं अंचल स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता- 2023-24 का आयोजन किया गया है. इसमें भाग लेने के लिये केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु के 54 छात्र-छात्राओं को लेकर 5 शिक्षकों का दल 3 दिसम्बर को बस से रवाना हुआ. इन विद्यार्थियों को विद्यालय के प्राचार्य डा आशीष कुमार, उप प्राचार्य रविशंकर चौधरी ने विधिवत पूजा-अर्चना व हरी झंडी दिखाकर रवाना किया. प्राचार्य डा आशीष कुमार ने सारे बच्चों को सफल होकर लौटने की शुभकामनाएं और अनुशासन में रहने का निर्देश दिया. इस दौरान बच्चों के अभिभावक मौजूद थे.

उल्लेखनीय है कि संसदीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार की मार्गदर्शिका व रूपरेखा अनुसार केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा 34वीं अंचल स्तरीय युवा संसद प्रतियोगिता जयपुर के केन्द्रीय विद्यालय-1 स्कूल में 5 एवं 6 दिसम्बर को आयोजित होगा. इस प्रतियोगिता में पश्चिमी अंचल के अहमदाबाद, जयपुर, मुम्बई, आगरा एवं रांची संभाग की टीम भाग लेगी. केन्द्रीय विद्यालय रांची संभाग की विभिन्न स्कूलों के बीच पिछले दिनों हुए मुकाबले में केन्द्रीय विद्यालय मेघाहातुबुरु की टीम विजेता हुई थी. इसलिए मेघाहातुबुरु की टीम जयपुर प्रतियोगिता में भाग लेने जा रही है.

केवी मेघाहातुबुरु से रविवार की सुबह लगभग 9 बजे बस से सारे छात्र-छात्राएं व शिक्षक-शिक्षिकायें रांची के लिये रवाना हुये. रांची से शाम में राजधानी एक्सप्रेस से दिल्ली जायेंगे और दिल्ली से डबल डेकर ट्रेन से 4 दिसम्बर को जयपुर के लिये रवाना होंगे. इन विद्यार्थियों के साथ शिक्षक दीपक कुमार, सुधीर कुमार, राई बानरा, स्वाति कुमारी, सरिता गौंड गए हैं.

आओ जानें

झारखंड के प्रसिद्ध खिलाड़ी

नाम	खेल	उपलब्धि	शहर
दीपिका कुमारी	तीरंदाजी	2015 तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में रजत पदक	रांची
महेंद्र सिंह धोनी	क्रिकेट	2007 आईसीसी विश्व ट्वेंटी20, 2010 और 2016 एशिया कप और 2011 आईसीसी क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान	रांची
जयपाल सिंह मुंडा	हॉकी	1928 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान	खूंटी
प्रेमलता अग्रवाल	पर्वतारोहण	माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली झारखंड की पहली महिला	जमशेदपुर

इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशन का दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार संपन्न

अपनी सभ्यता-संस्कृति का सम्मान करें : प्रभारी कुलपति

संवाददाता। जमशेदपुर

सरायकेला स्थित इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशन कॉलेज की ओर से एवं श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल, जमशेदपुर व कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडिया (कैट) के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय नेशनल सेमिनार रविवार को समारोहपूर्वक संपन्न हुआ. बिष्टुपुर स्थित श्री कृष्णा पब्लिक स्कूल प्रेक्षागृह में आयोजित इस सेमिनार के समापन समारोह के मुख्य अतिथि कोल्हान यूनिवर्सिटी के प्रभारी कुलपति सह प्रमंडलीय आयुक्त मनोज कुमार थे. उनका स्वागत पारंपरिक विधि से किया गया. स्वागत गीत और स्वागत नृत्य के साथ समारोह आरंभ हुआ. महाविद्यालय के निदेशक आरएन माहान्ती ने मनोज कुमार को पुष्प गुच्छ, शॉल तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया. सेमिनार में विभिन्न बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली सुमित अन्य राज्यों से आए शिक्षाविदों और प्रतिभागियों ने शिक्षा, शिक्षा नीति, स्वास्थ्य, खेल, व्यापार, तकनीकी शिक्षा, नैतिक मूल्यों और महत्वपूर्ण विषयों पर अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए. भावी युवाओं के भविष्य को कैसे बेहतर बनाया जा सके, इस विषय पर गहराई से सोचा जाए.

मुख्य अतिथि मनोज कुमार इस दो दिवसीय सेमिनार के विषय से प्रभावित नजर आये. इसमें मुख्य रूप से स्वास्थय और नैतिकता को महत्व देते हुए उन्होंने आश्वासन भी दिया कि स्वास्थ्य और नैतिकता को बढ़ावा देना है. स्वास्थ्य के संबंध में उन्होंने बताया कि झारखंड में अभी भी एक तिहाई बालिकाएं एनीमिक हैं. स्वास्थ्य के क्षेत्र में राज्य में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए सरकार सतत प्रयत्नशील है. इसके लिए सरकार कई योजनाएं भी चल रही हैं. शिक्षा और नैतिकता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें अवसर मिले तो वह भी इसको आगे बढ़ायेंगे. साथ ही उपनिषद् और पुराणों की शिक्षा में वर्तमान में लागू करना चाहिए. शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे बदलाव तथा उससे युवा पीढ़ी को लाभ और बेहतर जीवन की विषय पर चर्चा किया. युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए पाश्चात्य सभ्यता की ओर झुकाव न कर अपनी सभ्यता का सम्मान करें. नशा से दूरी रखें तथा माताओं और बहनों का सम्मान करें. ई-कार्मस के माध्यम से दोहरी शिक्षा के साथ व्यवसाय पर भी ध्यान दिया जा सकता है. उन्होंने सेमिनार की सराहना करते हुए आगे भी इस तरह क्या आयोजन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया एवं शुभकामनाएं दी.

सेमिनार उपस्थित सभी के लिए बहुत ही उपयोगी और महत्वपूर्ण रहा. सेमिनार के दूसरे व अंतिम दिन तीन तकनीकी सत्र हुए. आज के पहले सत्र के सभाध्यक्ष के रूप में इग्नू देवघर के निदेशक डॉ सरोज कुमार मिश्रा. प्रतिभागियों में डॉ. मनोज कुमार पाठक, स्वाति किरण, डॉ राखी कुमारी, डॉ विनय कुमार गुप्ता, डॉ रत्ना मित्रा, प्रो कमल कुमार बुद्धा थे. दूसरे सत्र में सभाध्यक्ष महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के डीन एवं विभागाध्यक्ष नृपेन्द्र प्रसाद मोदी थे. प्रतिभागियों में विनय कुमार सिंह, सिक्की कुमारी, वंदना कुमारी, डॉ स्वीटी सिन्हा, इंदु कुमारी ने अपने पेपर प्रस्तुत किये. तीसरे सत्र के सभाध्यक्ष डॉ मिथलेश चौब थे जबकि रिर्पोटियर सुमन कुमारी थीं. इसमें डॉ आशा कुमारी व अन्य ने अपने पेपर प्रस्तुत किये. इस दो दिवसीय सेमिनार की सूत्राधार कोल्हन विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ शुक्ला महन्ती ने कहा कि यह शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत ही सराहनीय कार्य रहा, जिससे शिक्षक, छात्र और समाज सभी के लिए महत्वपूर्ण है, जिसके लिए शिक्षा अत्यन्त आभारी रहेगा. सेमिनार में करीब 200 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड में हिस्सा लिया. प्रतिभागियों के बीच अतिथियों ने प्रमाण पत्र का वितरण किया. धन्यवाद ज्ञापन सिक्की कुमारी ने किया.

रोड रेस और क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन

चाईबासा । पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ से मान्यता प्राप्त जिले के सबसे प्राचीनतम एवं प्रतिष्ठित क्रिकेट क्लबों में से एक फ्रेंड्स क्लब चाईबासा अपने स्थापना काल का स्वर्ण जयंती समारोह मना रहा है. इसी क्रम में रविवार को 8 बजे तीन किलोमीटर के 'ओपन रोड रेस' का आयोजन किया गया. जिसमें जिले के 89 प्रतिभागियों ने शिरकत की. इन प्रतिभागियों में 55 पुरुष एवं 34 महिलाएं शामिल थी. शहीद पार्क से प्रारंभ हुए इस रोड रेस को सदर एसडीओ शशींद्र कुमार बड़ाईक तथा एसडीपीओ सदर दिलीप खलखो ने झंडा दिखाकर रवाना किया. प्रारंभ विंदु शहीद पार्क से शुरू होकर यह रेस रुंगटा चौक, बांध पाड़ा टुंगरी, पोस्ट ऑफिस चौक एवं सदर थाना होते हुए बिरसा मुंडा इंडोर स्टेडियम में समाप्त हुआ. पूरे दौड़ के दरम्यान फ्रेंडस क्लब के सदस्य चिकित्सा व्यवस्था के साथ सहयोग के लिए बने हुए थे.रोड रेस के सफल प्रतिभागियों में प्रथम स्थान लालु कालुंडिया, द्वितीय स्थान तुरी कांडेयांग एवं तृतीय स्थान चिरंजीत पुरती ने प्राप्त किया. महिला प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन के लिए हीरामुनी दिग्गी एवं दिलकी पाडेया को सांत्वना पुरस्कार के लिए अलग से चयनित किया गया. स्वर्ण जयंती समारोह के दूसरे चरण में 11 बजे से आदर्श नगरपालिका बांग्ला मध्य विद्यालय में वर्ग 8 से वर्ग 10 के बच्चों के लिए 'अंतर स्कूल क्वीज प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में जिले के अलग - अलग विद्यालयों से दो बच्चों के समूह में आए कुल 25 ग्रुप ने भाग लिया.

न्यूज अपडेट

श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की 18 जनवरी से

लातेहार। सदर प्रखंड के निंदिर गांव में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा. आयोजन की तैयारियों को लेकर पंचायत के राजा मेदिनी राय, सेमरी मैदान में रविवार को ग्रामीणों की एक बैठक हुई. इसकी अध्यक्षता नंदकिशोर सिंह ने की. मौके पर सर्वसम्मति से यज्ञ अनुष्ठान कराने को निर्णय लिया गया. यज्ञ समिति के संरक्षक राकेश सिंह ने बताया कि श्री श्री 1008 स्वामी शत्रुघ्नाचार्य जी महाराज की अगुवाई में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन निंदिर गांव में आयोजित किया जायेगा. महायज्ञ का शुभारंभ आगामी 18 जनवरी को भव्य कलश यात्रा से होगा. 23 जनवरी को पूर्णाहुति होगी और संत को विदाई दी जायेगी.

लैंपस में पड़ा है 1.16 लाख, फिर मरने को मजबूर पुतुल

आदित्यपुर । आदित्यपुर के लैंपस में सब्जी बेचकर 1 लाख 16 हजार फिक्स डिपॉजिट किया और चालू खाता में भी करीब 16 हजार रुपये सब्जी बेचने वाली महिला पुतुल लोहार ने जमा किया था. लेकिन, आज वह गंभीर बीमारी से मरने को मजबूर है. लैंपस वाले उनकी जमा राशि नहीं दे रहे हैं. लैम्प्स की हालत खस्ता है. आदित्यपुर का ब्रांच बंद हो चुका है और गम्हरिया शाखा के लैंपस कर्मचारी किसी की सुनते ही नहीं हैं. नतीजा गरीब महिला पुतुल लोहार अपना इलाज भी ठीक से नहीं करवा पा रही है. बता दें कि आदित्यपुर लैंपस की यह हालत यहां के पूर्व अधिकारी की वजह से हुई है, जिन्होंने लैंपस में जमा गरीबों के पैसे अपने चाहने वालों में ऋण के रूप में बांट दी. अब वे लोग ऋण के रुपये जमा नहीं कर रहे हैं. यही वजह है कि 4 साल से आदित्यपुर ब्रांच बंद पड़ा हुआ है और यहां के सैकड़ों खाताधारकों के पैसे लैंपस में फंस गए हैं. यहां के खाताधारकों को गम्हरिया लैंपस द्वारा केवल आश्वासन दिया जा रहा है. उनके पैसे वापस नहीं किये जा रहे हैं. हालांकि लैंपस द्वारा बकायेदारों के विरुद्ध सर्टिफिकेट केस किया गया है.

परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी मंदिर में लगा आनंद मेला

जमशेदपुर । परमहंस लक्ष्मीनाथ गोस्वामी समिति की ओर से स्मृति पर्व के उपलक्ष्य में रविवार को बिष्टुपुर स्थित मंदिर परिसर में स्कूली बच्चों के बीच बाल उन्नयन प्रतियोगिता के तहत चित्रांकन, रंगोली, निबंध, भाषण, भजन, क्विज आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक सरयू राय उपस्थित थे. उन्होंने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इसमें भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया. विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया, जिसमें सैकड़ों बच्चे शरीक हुए. ये प्रतियोगिताएं सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलीं.

एनएच 32 पर टकराए दो वाहन, दो जख्मी

चांडिल । चांडिल-धनबार राष्ट्रीय राजमार्ग 32 पर नीमडीह थाना क्षेत्र के दुमदुमी गांव के समीप दो वाहनों की टक्कर में चालक और खलासी जख्मी हो गए. घटना रविवार सुबह लगभग सात बजे की है. एनएच 32 पर बगैर नंबर का नया पिकअप वैन का विपरीत दिशा से जा रहे मालवाहक ट्रक के साथ जोरदार टक्कर हो गया. बताया जा रहा है कि इस दुर्घटना में पिकअप वैन का चालक व खलासी आधा घंटा तक वाहने के अंदर ही फंसे रहे. ग्रामीणों ने काफी मेहनत मशक्कत के बाद पिकअप वैन का दरवाजा तोड़कर दोनों को बाहर निकाला. स्थानीय लोगों ने तत्काल इसकी सूचना नीमडीह थाना की पुलिस को दी. सूचना मिलते ही नीमडीह थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया. मौके से भाग रहे ट्रक को नीमडीह पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया. इस संबंध में नीमडीह थाना प्रभारी तंजील खान ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर लिया है. दुर्घटना में चालक और खलासी को हल्की चोट लगी है. पिकअप वैन चांडिल की ओर से धनबाद की ओर जा रहा था, जबकि ट्रक धनबाद की ओर से जमशेदपुर की ओर जा रहा था.

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

जमशेदपुर । पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका में आगामी 7 दिसंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दौरे को लेकर रविवार को उपायुक्त मंजुनाथ भजंत्री ने एक बैठक की. बैठक में मुख्य रुप से बैठक में उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा, अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, एनईपी निदेशक ज्योत्सना सिंह, सिविल सर्जन डॉ जुझार माझी, एसओआर दीपू कुमार, डीसीएलआर रविन्द्र गागराई, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षाव अन्य सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे.

मजदूरों की हक खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : अरूप

निरसा । निरसा गुरुदास भवन मासस कार्यालय में रविवार को एमपीएल कामगार यूनियन की बैठक महेश मंडल की अध्यक्षता में हुई. बैठक में निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित थे. बैठक में पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का गठन किया गया. बैठक में सर्वसम्मति से पूर्व विधायक अरूप चटर्जी को कमेटी के अध्यक्ष के अलावा सचिव महेश मंडल, सह सचिव चिरंजीत मंडल, कोषाध्यक्ष चंदन मंडल, सह कोषाध्यक्ष दिगंबर तिवारी बनाये गये. सभी एमपीएल कामगार यूनियन के सदस्यों ने नवनियुक्त पदाधिकारी को माला पहनाकर अभिनंदन किया. मौके पर पूर्व विधायक सह यूनियन के अध्यक्ष अरूप चटर्जी ने कहा कि आज एमपीएल कामगार यूनियन में नई चेहरे एवं नई जोश के साथ कमेटी का गठन किया गया. आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि एमपीएल कामगार यूनियन जिस तरह से मजदूरों की हर एक समस्या पर लड़ाई लड़ती आयी है उसे नई कमेटी और आगे बढ़ाएगी. नई कमेटी के गठन होने से यहां के मजदूरों के हक की लड़ाई और तेज होगी. संगठन मंत्री प्रभु सिंह ने कहां कि कमेटी बने काफी समय हो गया इसलिए नई कमेटी का गठन किया गया है. हमलोगों का उद्देश्य मजदूरों के हितों के लिए आवाज उठाना है. साथ ही संगठन मे आज कई पार्टी के लोग हमारे यूनियन से जुड़े हैं. इससे प्रतीत होता है कि मजदूरों की समस्या सुनने वाला सिर्फ एक हमारी यूनियन ही है.

जेम्को मैदान के अतिक्रमण का विरोध, लोगों ने की बैठक

जेम्को गुरुद्वारा में बैठक करते स्थानीय लोग

संवाददाता। जमशेदपुर

जेम्को मैदान के अस्तित्व को बचाने के लिए अब स्थानीय लोग आगे आ गए है. इसे लेकर रविवार को स्थानीय लोगों ने जेम्को गुरुद्वारा में एक बैठक की. आम जनता जनसभा की इस बैठक में आजादबस्ती, लक्ष्मीनगर, प्रेमनगर, झगरूबगान, बिरसानगर, वीर बिरसागढ़ के लोग शामिल थे. सभी ने इस मैदान का अतिक्रमण किए जाने पर विरोध जताया. साथ ही एक स्वर में इस मैदान को बचाने के लिए आंदोलन करने की घोषणा की. जेम्को भगत सिंह स्मारक समिति के अध्यक्ष सोनू सिंह ने बताया कि टाटा स्टील के द्वारा जेम्को कंपनी में लॉन्ग प्रोडक्ट रोल मिल प्लांट बैठाया जा रहा है. इसके लिए कंपनी ने मैदान पर जबरन कब्जा कर लिया है. मैदान में पार्किंग का निर्माण हो रहा है. जबकि इस मैदान को जेम्को कंपनी के पूर्व मालिक ने स्थानीय लोगों को खेलने के लिए दिया था. प्लांट बनने में लगभग तीन साल का समय लगेगा, लेकिन अभी से ही कंपनी ने इस मैदान को जर्जर अवस्था में पहुंचा दिया है. जगह-जगह गड्ढे कर दिए गए हैं और निर्माण सामग्री बीच मैदान में गिरा दी गई है. इस कारण बच्चे नहीं खेल पा रहे हैं और लोगों का आना-जाना भी मुश्किल हो गया है. कंपनी के इस सोच के विरोध के लिए आसपास के लोग अब आंदोलन करने का मन बना चुके हैं.

कृष्ण प्रिया ने सफलता हासिल कर निरसा का मान बढ़ाया

निरसा। बिहार पब्लिक सर्विस कमिशन द्वारा आयोजित सहायक अभियोजन पदाधिकारी के परिणाम की घोषणा शनिवार देर रात की गई. जिसमें निरसा एगयरकुंड निवासी कृष्ण प्रिया ने सफलता प्राप्त किया. सफलता की सूचना पर रविवार को झारखंड बार काउंसिल के सदस्य वरीय अधिवक्ता महेश तिवारी, धनबाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी, भारत स्वाभिमान न्यास के जिला संयोजक मनजीत सिंह ने कृष्ण प्रिया के एग्यारकुंड स्थित भारती निवास पहुंचकर अभिनंदन किया. वरीय अधिवक्ता महेश तिवारी ने कहा कि न्यायपालिका के प्रति देश में सम्मान एवं विश्वास है. इस विश्वास को बनाए रखने की जिम्मेदारी आपके जैसे पदाधिकारियों पर है. उन्होंने कृष्ण प्रिया के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं की. धनबाद बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम गोस्वामी ने कृष्ण प्रिया के परिवार के सदस्यों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी. भारत स्वाभिमान न्यास के जिला संयोजक मनजीत सिंह ने कहा कि कृष्ण प्रिया ने समाज में एक मिसाल पेश की है. महिलाएं पारिवारिक दायित्व का निर्वहन करते हुए बड़ी से बड़ी सफलता हासिल कर सकती है.

40 एकड़ जमीन चिह्नित, जल्द बनेगी यूनिवर्सिटी : स्पीकर

नाला में 40 एकड़ जमीन चिन्हित, जल्द बनेगा आईटी यूनिवर्सिटी- स्पीकर

संवाददाता। जामताड़ा

झामुमो के सिद्धांत और नाला विधानसभा क्षेत्र के विकास को देखते हुए नगरी पंचायत के संतोष गोराई के नेतृत्व में करीब डेढ़ दर्जन लोगों ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. सभी का पार्टी की ओर से प्रखंड अध्यक्ष जयश्वर मुर्मू ने माला पहना कर स्वागत किया. इस अवसर पर मुख्य रूप से विधानसभा अध्यक्ष सह नाला विधायक रविन्द्रनाथ महतो मौजूद रहे. नगर पंचायत के लोगों ने स्थानीय विधायक को बेलडंगाल दुर्गा मंदिर के पास जोरदार स्वागत किया. ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक के विकास कार्यो से प्रभावित होकर पार्टी में योगदान देने की इच्छा जाहिर की. कहा कि किसानों के हित को देखते हुए नाला के सलूका में पांच हजार मैट्रिक टन क्षमता का कोल्ड स्टोरेज बनेगा. इसके बनने से किसानों के फसलों का उचित मूल्य मिलेगा. कोल्ड स्टोरेज इतनी बड़ी है कि पड़ोसी राज्य व बंगाल के भी किसान उस कोल्ड स्टोरेज में अपनी फसलों को रख सकेंगे.

इन्होंने ली पार्टी की सदस्यता : सौरव मंडल, नयन कुमार मंडल, जयराम पुजहर, गौतम मंडल, एकांत मंडल, आकाश मंडल, दीपक साहा, सुनील धीबर, फुचुराम लोहार, समीर खां, जगदीश मिर्धा, उज्जवल मंडल, मनबोध मंडल, जगह लोहार, उत्पल रविदास, कानन रविदास, जयंती गोराई, नयन लोहार, लखन गोराई सहित अन्य ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण सुब्दीडीह

सफलता | सुब्दीडीह व मुरलीपहाड़ी गांव में पुलिस ने छापेमारी अभियान चलाया

पुलिस की छापामारी में चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। जामताड़ा

प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते पुलिस अधिकारी.

एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार रविवार की अहले सुबह जामताड़ा साइबर थाना की पुलिस ने करमाटांड़ थाना क्षेत्रन्तर्गत सुब्दीडीह व मुरलीपहाड़ी गांव में छापेमारी की. इस दौरान चार साइबर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार आरोपियों में गिरीडीह जिलान्तर्गत बैंगाबाद थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव निवासी पियारी मंडल है, जो मुरलीडीह गांव छठियारी का निमंत्रण देने पहुंचा था. इस दरम्यान पुलिस ने छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया. उसके विरुद्ध गिरिडीह थाना कांड संख्या-17/23 के तहत साइबर अपराध का मामला दर्ज है,जिसमें वह फिरार चल रहा था. वही सुब्दीडीह गांव से इजहार अंसारी, मोजाहिद अंसारी व सफाउल अंसारी को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार सफाउल अंसारी नारायणपुर थाना क्षेत्र के मानपुर गांव का रहने वाला है. उसके विरुद्ध साल 2017 में नारायणपुर थाना में साइबर अपराध का कांड दर्ज है. उक्त मामले में पुलिस की ओर से न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया गया है. इन सभी आरोपियों के खिलाफ जामताड़ा साइबर अपराध थाना कांड संख्या-67/23 के तहत भादवि की धारा 414, 419, 420, 467, 468, 471 भादवि एवं आईटी एक्ट की धारा 66 बी सी डी दर्ज किया गया है. आरोपियों के पास से 15 मोबाइल, 31 सिम व 03 बाइक जब्त किये गये हैं.

राजस्थान व गुजरात के लोगों से करते थे साइबर ठगी : साइबर डीएसपी मन्जरूल होदा व थाना प्रभारी मनोज कुमार ने रविवार को जामताड़ा साइबर थाना में प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि गिरफ्तार साइबर अपराधियों ने साइबर ठगी का नया तरीका ढूंढ लिया था. खासकर वे गुजराज व राजस्थान के लोगों से साइबर ठगी करते थे.कहा कि गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया है कि गूगल सर्च इंजन पर एनिमल प्रोटेक्शन के नाम पर हेल्पलाइन नंबर जारी किया था, जिस हेल्पलाइन पर संपर्क करने वाले सड़क व गली-मुहल्लों में विचरण करने वाले आवारा पशुओं को सुरक्षित रखने का भरोसा देते थे. इसके एवज में संपर्क करने वाले व्यक्ति को प्रोसेसिंग चार्ज के रूप में 10 रुपए जमा करने को कहते थे.वही प्रोसेसिंग चार्ज के रूप में 10 रूपए जमा करने की जगह क्यूक सपोर्ट ऐप व अन्य शेयरिंग ऐप डाउनलोड करवाकर ई-बैंकिंग से संबंधित सारी जानकारियां हासिल कर लेते थे. उसके बाद साइबर ठगी करते थे.

इंग्लिश प्रीमियर लीग : न्यूकासल ने मैनचेस्टर यूनाईटेड को हराया

1-0 से जीती न्यूकासल की टीम, 55वें मिनट में मैच का एकमात्र गोल एंथोनी गोर्डन ने दागा

▪ मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था.

भाषा । लंदन

खिलाड़ियों की चोटों से जूझने के बावजूद न्यूकासल यूनाईटेड ने इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में यहां मैनेचस्टर यूनाईटेड को 1-0 से हरा दिया. न्यूकासल के मैनेजर एडी होवे को लगातार तीसरे मैच में समान एकादश के साथ शुरुआत करने को मजबूर होना पड़ा लेकिन उनके खिलाड़ी उम्मीद पर खरे उतरते हुए जीत दर्ज करने में सफल रहे. मैच का एकमात्र गोल 55वें मिनट में एंथोनी गोर्डन ने किया जो न्यूकासल को जीत दिलाने के लिए काफी था.

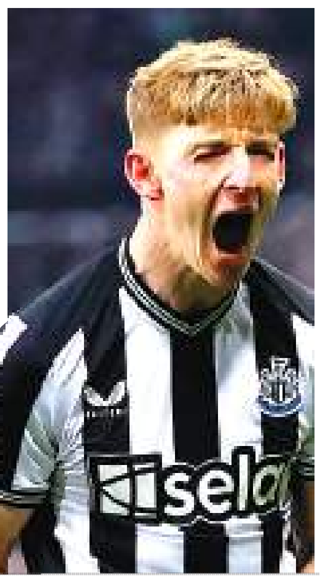

वोल्वरहैम्पटन को हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर आर्सेनल ने बढ़त बरकरार रखी

आर्सेनल ने वोल्वरहैम्पटन को 2-1 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी बढ़त बरकरार रखी है. आर्सेनल की ओर से बुकायो साका और मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल दागे. आर्सेनल की टीम 14 मैच में 33 अंक के साथ शीर्ष पर है. मैनचेस्टर सिटी 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है लेकिन उसने आर्सेनल से एक मैच कम खेला है.

न्यूकासल की टीम आर्सेनल से सात अंक पीछे पांचवें पायदान पर है जबकि मैनचेस्टर यूनाईटेड सातवें नंबर पर है. अन्य मुकाबलों में बर्नले ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे शेफील्ड यूनाईटेड को 5-0 से हराया जबकि एवर्टन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट को 1-0 से शिकस्त दी. बर्नले के जे रोड्रिग्ज ने इस दौरान 16 सेकेंड के भीतर गोल दागा.

फुटबॉल लीग

- आर्सेनल की ओर से बुकायो व मार्टिन ओडेगार्ड ने गोल दागे
- 29 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है मैनचेस्टर सिटी

आओ जानें

प्रो कबड्डी लीग के सबसे महंगे खिलाड़ी

खिलाड़ी	टीम	शुल्क	सीजन
पवन कुमार सहरावत	तेलुगु टाइटंस	2.605 करोड़	सीजन 10
मोहम्मदरेज़ा सियानेह	पुनेरी पलटन	2.35 करोड़	सीजन 10
पवन कुमार सहरावत	तमिल थलाइवाज	2.26 करोड़	सीज़न 9
मनिंदर सिंह	बंगाल योद्धा	2.12 करोड़	सीजन 10
विकास कंडोला	बेंगलुरु बुल्स	1.70 करोड़	सीजन 9
फजल अत्राचली	गुजरात दिग्गज	1.60 करोड़	सीजन 10
प्रदीप नरवाल	यूपी योद्धा	1.65 करोड़	सीजन 8
मोनू गोयत	हरियाणा स्टीलर्स	1.51 करोड़	सीजन 6
सिद्धार्थ देसाई	तेलुगु टाइटंस	1.45 करोड़	सीजन 7
फ़ज़ल अत्राचली	पुनेरी पलटन	1.38 करोड़	सीजन 9

बासुकी सिंह मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का महाकुंभ शुरू

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एसएस शेट्टी.

राजेश चौबे । घाटशिला

घाटशिला के मौऊभंडार स्पोर्ट्स मैदान में रविवार को बासुकी सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के महाकुंभ का उद्घाटन एचसीएल/आईसीसी के ईडी एसएस शेट्टी ने झंडा फहराकर किया. इस मौके पर स्वर्णिम बासुकी सिंह के चित्र पर सभी आमंत्रित अतिथियों ने श्रद्धा सुमन पुष्प अर्पित की.

अतिथियों द्वारा क्रिकेट महाकुंभ का शुभारंभ मऊभंडार एवं आईसीसी की टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया गया. बता दें कि इस क्रिकेट टूर्नामेंट में झारखंड, बिहार, बंगाल एवं ओडिशा तथा अन्य राज्य के खिलाड़ी शामिल होते हैं. इस टूर्नामेंट के विजय टीम को आयोजन समिति की ओर से डेढ़ लाख तथा उपविजेता टीम को एक लाख और सेमीफाइनल मे हारने वाली टीमों को 40-40 हजार रूपए पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा. टूर्नामेंट का फाइनल 28 जनवरी को खेला जाएगा.

प्रतियोगिता शुरू

- 28 जनवरी को खेला जाएगा टूर्नामेंट का फाइनल
- विजेता टीम को डेढ़ लाख रुपये का मिलेगा पुरस्कार

ब्रीफ खबरें

वर्ल्ड चैलेंज में शीर्ष पर बरकरार हैं शेफलर

नसाउ । दुनिया के नंबर एक गोल्फर स्कॉटी शेफलर ने शनिवार को यहां तीसरे दौर में सात अंडर 65 के हफ्ते के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ वर्ल्ड चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट में बढ़त बरकरार रखी. यहां पिछले दो टूर्नामेंट के उप विजेता अमेरिका के शेफलर ने पहले दो दौर में 69 और 66 का स्कोर बनाया था. तीन दौर के बाद शेफलर का कुल स्कोर 16 अंडर है. तीसरे दौर में सात अंडर 65 का स्कोर बनाने वाले इंग्लैंड के मैट फिट्जपैट्रिक तीन स्थान की छलांग लगाकर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं. वह शेफलर से तीन शॉट पीछे हैं. अमेरिका के ही जस्टिन थॉमस फिट्जपैट्रिक से दो शॉट पीछे तीसरे स्थान पर हैं.

मेदजेदोविच ने नेक्स्ट जेन चैंपियनशिप जीता

जेद्दा । हेमाद मेदजेदोविच ने शनिवार को यहां शीर्ष वरीय आर्थर फिल्स को हराकर उलटफेर करते हुए नेक्स्ट जेन फाइनल्स टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया. मेदजेदोविच ने दो घंटे और 11 मिनट चले फाइनल में फिल्स को पांच सेट में 3-4 (6), 4-1, 4-2, 3-4 (9), 4-1 से हराया. टूर्नामेंट के छह सत्र में यह पहला मौका है जब फाइनल में पांच सेट खेले गए. इक्कीस साल या इससे कम उम्र के शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच होने वाले इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के दौरान 20 साल के मेदजेदोविच ने एक भी मुकाबला नहीं गंवाया और इस टूर्नामेंट के जीतने वाले सर्बिया के पहले खिलाड़ी बने.

फुटबॉल: अमेरिका ने चीन को हराया

फोर्ट लॉडरडेल (फ्लोरिडा) । ट्रिनिटी रोडमैन ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की, जिससे अमेरिका ने यहां महिलाओं के प्रदर्शनी फुटबॉल मैच में चीन को 3-0 से हरा दिया. चीन के खिलाफ दो प्रदर्शनी मुकाबलों के पहले मैच में रोडमैन के अलावा सोफिया स्मिथ और लिंडसे होरान ने भी गोल दागे. दूसरा प्रदर्शनी मैच टेक्सास के फ्रिस्को में मंगलवार को खेला जाएगा. सोफिया ने आठवें मिनट में रोडमैन के पास पर गोल दागकर अमेरिका को बढ़त दिलाई. राष्ट्रीय टीम की ओर से 37 मैच में यह सोफिया का 15वां गोल था.

राष्ट्रीय चयन पैनल से हटाए गए सलमान बट

लाहौर । पाकिस्तान के मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने पूर्व कप्तान सलमान बट को राष्ट्रीय चयन पैनल में शामिल करने के एक दिन बाद गहन समीक्षा करते हुए अपने फैसले को पलट दिया. स्पॉट फिक्सिंग के लिए पांच साल के प्रतिबंध के बाद 2016 में क्रिकेट में सफल वापसी करने वाले बट को शुक्रवार को उनके पूर्व साथी कामरान अकमल और राव इफ्तिखार अंजुम के साथ मुख्य चयनकर्ता रियाज का सलाहकार सदस्य नियुक्त किया गया था. पीसीबी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने बट को चयन समिति में सलाहकार सदस्य के रूप में शामिल करने के अपने फैसले को पलटने का विकल्प चुना है.

आईपीएल : ऑक्शन के लिए 1166 खिलाड़ियों ने कराया है रजिस्ट्रेशन

19 को दुबई में होगा मिनी ऑक्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

ईपीएल 2024 ऑक्शन के लिए जगह का एलान कर दिया गया है. रविवार को आईपीएल ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें एक बिल्डिंग पर नीलामी की तारीख और शहर के एलान का लाइट शो किया गया. पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों की नीलामी विदेश में आयोजित की जाएगी. आईपीएल ने घोषणा करते हुए कहा कि नीलामी 19 दिसंबर को दुबई में होगी. आईपीएल की नीलामी के इतिहास में ऐसा पहली बार होगा जब आईपीएल ऑक्शन देश के बाहर होगी. इस बार हर टीम में 100 करोड़ रुपए होंगे, जो कि पिछली बार की तुलना में 5 करोड़ अधिक है. पिछली नीलामी में सभी टीमों के पास 95 करोड़ का पर्स था जिसे अब बढाकर 100 करोड़ रुपए कर दिया गया है. इस बार आईपीएल ऑक्शन के लिए 1166 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है. इनमें 830 भारतीय और 336 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं.

विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने नाम नहीं दिया. टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने ज्यादातर खिलाड़ियों को रिटेन कर लिया है. इसलिए सिर्फ 77 खिलाड़ियों की खरादारी हो सकती है, जिनमें 30 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे. ऑक्शन में सभी टीमों के पास मिलाकर कुल 262.95 करोड़ रुपए बाकी हैं. ऑक्शन में 25 खिलाड़ियों की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है, इनमें ऑस्ट्रेलिया के 7 और भारत के 4 खिलाड़ी हैं. ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, स्टीव स्मिथ, जोश इंग्लिस और सीन एबॉट की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपए है. भारतीयों में हर्षल पटेल, केदार जाधव, शार्दूल ठाकुर और उमेश यादव की बेस प्राइस सबसे ज्यादा है. इनके अलावा 20 खिलाड़ियों की बोली 1.50 करोड़ और 16 प्लेयर्स की बोली 1 करोड़ रुपए से शुरू होगी. बाकी 1105 प्लेयर्स की बेस प्राइस 20 से 95 लाख रुपए के बीच है.

इन खिलाड़ियों पर लग सकती है बड़ी बोली : मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस, ट्रैविस हेड, जेराल्ड कूट्जी और रचिन रवींद्र जैसे बड़े विदेशी खिलाड़ी ऑक्शन में उतरेंगे. भारतीय खिलाड़ियों में हर्षल पटेल, शार्दूल ठाकुर, उमेश यादव और जयदेव उनादकट जैसे बड़े नाम शामिल हैं. इनकी कीमत 10 करोड़ रुपए के पार जा सकती है.

दो करोड़ बेस प्राइस वाले बड़े खिलाड़ी : हर्षल पटेल, शार्दुल ठाकुर, उमेश यादव, केदार जाधव, मुजीब उर रहमान, शॉन एबॉट, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंगलिस, मिचेल स्टार्क, स्टीव स्मिथ, मुस्ताफिजुर रहमान, टॉम बैंटन, हैरी ब्रूक, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, आदिल राशिद, डेविड विली, क्रिस वोक्स, लोकी फर्ग्यूसन, गेराल्ड कोएट्जी, राइली रूसो, रासी वान डर डुसेन, एंजेलो मैथ्यूज.

पहली बार भारत के बाहर होगी आईपीएल की नीलामी

1.5 करोड़ रुपये की बेस प्राइस वाले बड़े खिलाड़ी

मोहम्मद नबी, मोइसेस हेनरिक्स, क्रिस लिन, केन रिचर्डसन, डेनियल सैम्स, डेनियल वोरल, टॉम करन, मर्चेंट डी लांगे, क्रिस जॉर्डन, डेविड मलान, टाइमल मिल्स, फिल सॉल्ट, कोरी एंडरसन, कॉलिन मुनरो, जिमी नीशम, टिम साउदी, कॉलिन इंग्राम, वानिंदु हसरंगा, जेसन होल्डर, शेरफेन रदरफोर्ड.

1 करोड़ रुपये की बेस प्राइस वाले बड़े खिलाड़ी

एश्टन एगर, राइली मेरिडिथ, डी आर्सी शॉर्ट, एश्टन टर्नर, गस एटकिंसन, सैम बिलिंग्स, माइकल ब्रेसवेल, मार्टिन गुप्टिल, काइल जेमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, वेन पार्नेल, ड्वेन प्रिटोरियस, अल्जारी जोसेफ, रोवमन पॉवेल, डेविड वीजा.

सभी टीमों के पास कुल 77 खिलाड़ियों के स्लॉट खाली

टीम	खर्च किए	शेष राशि	कुल स्लॉट
चेन्नई	68.6	31.4	6
दिल्ली	71.05	28.95	9
गुजरात	61.85	38.15	8
कोलकाता	67.3	32.7	12
लखनऊ	86.85	13.15	6
मुंबई	82.25	17.75	8
पंजाब	70.9	29.1	8
बेंगलोर	76.75	23.25	6
राजस्थान	85.5	14.5	8
हैदराबाद	66	34	6
कुल	737.05	262.95	77

नजीम और फुर्बा तमांक ने गुवाहाटी हाफ मैराथन जीता

एजेंसी । गुवाहाटी

नजीम पुलिक्कल और फुर्बा तमांग ने रविवार को यहां कोल इंडिया गुवाहाटी हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता. भारतीय सेना की पूर्वी कमान के तत्वावधान में असम सरकार के सहयोग से इस हाफ मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें देश भर के हजारों धावकों ने हिस्सा लिया. रक्षा जन संपर्क अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत के अनुसार पुरुष वर्ग में नजीम ने एम्फियस नोनग्राम और तेइबोक्लांग बियाम को पछाड़कर खिताब जीता. महिला वर्ग में फुर्बा शीर्ष पर रहीं जबकि बेंदाशराई मार्वेन और फुलमोनी उरांग ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया. रावत के अनुसार विभिन्न आयु वर्ग की 21 किमी, 10 किमी और पांच किमी स्पर्धाओं में 5000 से अधिक धावकों ने हिस्सा लिया था.

विश्व कप के दावेदार हैं रिंकू: नेहरा

भाषा । नई दिल्ली

भारत के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा के अनुसार बायें हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह भारत की टी-20 विश्व कप टीम में 'फिनिशर' स्थान के लिए दावेदार के रूप में सामने आये हैं लेकिन उनका मानना है कि साथी खिलाड़ियों से उन्हें इस स्थान के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा. टी-20 विश्व कप अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा. रिंकू ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार फॉर्म में हैं. नेहरा ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि रिंकू भारत की टी-20 विश्व कप टीम में शामिल होने के दावेदार हैं. लेकिन विश्व कप अभी काफी दूर है और जिस स्थान के लिए वह दावेदार है, उसके लिए कई और खिलाड़ी उन्हें चुनौती पेश करेंगे. रिंकू ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला में कुछ अच्छी पारियां खेलीं जिसमें तिरूवनंतपुरम में दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में उनकी नौ गेंद में नाबाद 31 रन की पारी ने भारत की 44 रन की जीत में बड़ी भूमिका अदा की थी. रोहित शर्मा और विराट कोहली टी-20 विश्व कप के लिए भारत की योजना का हिस्सा होंगे या नहीं, इस पर कोई स्पष्टता नहीं है तो टीम में कई बड़े बदलाव हो सकते हैं और रिंकू 'स्लॉग ओवर' के लिए प्रबल दावेदार हो सकते हैं.

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इस पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा कि आप जितेश शर्मा (विकेटकीपर बल्लेबाज) और तिलक वर्मा को भी देख सकते हो. इसलिये चर्चा करनी होगी कि श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या किन स्थानों पर खेलेंगे. नेहरा ने कहा कि हमें देखना होगा कि 15 सदस्यीय टीम में कितने स्थान उपलब्ध हैं.

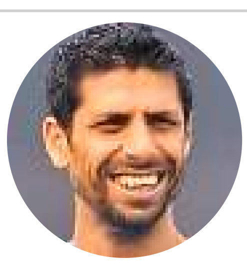

क्या कहा

- नेहरा ने कहा - रिंकू के साथ कई खिलाड़ी पेश करेंगे चुनौती
- वेस्टइंडीज व अमेरिका में खेला जायेगाटी-20 विश्व कप

खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार समिति के अध्यक्ष होंगे खानविलकर

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एएम खानविलकर मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन और द्रोणाचार्य पुरस्कार की 12 सदस्यीय चयन समिति की अध्यक्षता करेंगे. खेल मंत्रालय ने रविवार को यह घोषणा की. समिति में छह प्रमुख खेल हस्तियां भी शामिल हैं, जिनमें पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान धनराज पिल्लै, ओलंपियन मुक्केबाज अखिल कुमार, निशानेबाज शुमा शिरूर, टेबल टेनिस में आठ बार के राष्ट्रीय चैंपियन कमलेश मेहता प्रमुख हैं. मेहता भारतीय टेबल टेनिस महासंघ का प्रतिनिधित्व करेंगे. भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा, बैडमिंटन खिलाड़ी और मिशन ओलंपिक इकाई की सदस्य तृप्ति मुरगुंडे भी समिति में शामिल हैं.

ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन

सिडनी । ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ चैंपियनशिप में शानदार जीत दर्ज करने के बाद ऑस्ट्रेलियन गोल्फ क्लब में ट्रॉफी चुमकर खुशी जाहिर करते हुए चिली के चोकिन नीमन.

डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स : पलामू के एमके डीएवी में वॉलीबॉल महाकुंभ की हुई शुरुआत

13 टीमों के 220 खिलाड़ी ले रहे हैं प्रतियोगिता में भाग

संवाददाता । पलामू

पलामू के मेदिनीनगर में एमके डीएवी में नेशनल स्पोर्ट्स 2023 वॉलीबॉल महाकुंभ की शुरुआत हुई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर संजीव श्रीवास्तव थे. विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित चिकित्सक व सदस्य स्थानीय प्रबंधन समिति एमके डीएवी के डॉ जय कुमार एवं नायक सूबेदार के एन सिंह मौजूद थे.अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर तथा गेंद उछलकर प्रतियोगिता शुरुआत की. मेजाबान विद्यालय के प्रचार्च डॉ जीएन खान ने बताया कि यहां झारखंड के अनेक विद्यालयों से 14 वर्ष 17 वर्ष एवं 19 वर्ष आयु वर्ग की बालक- बालिका की 13 टीमें आई हैं. जिसमें 220 खिलाड़ी एवं शिक्षक यहां आए हैं. उन्होंने खिलाड़ियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आप यहां घर जैसा वातावरण पाएंगे. उन्होंने प्राचीन कहावत "खेलोगे कूदोगे होगे खराब" को संशोधित करते हुए कहा कि "खेलोगे कूदोगे होगे लाजवाब". खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों का समग्र विकास होता है. उपजेता और विजेता खिलाड़ियों का आपस में हाथ मिलवा कर उनके अंदर भावनात्मक विकास किया जाता है. जो उनके जीवन की नकारात्मकता को दूर कर मानव मूल्यों को स्थापित करता है. उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए उनसे कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती कविता भी दुहराई.

परिणाम

- अंडर-19 आयु वर्ग
- बालक वर्ग में डीएवी बारियातू और डीएवी भंडारीदह के बीच हुई प्रतियोगिता में डीएवी बरियातू की टीम जीती
- डीएवी ढोरी और डीएवी कथारा के बीच खेले गए मैच में डीएवी कथारा ने जीत दर्ज की
- बालिका वर्ग में एमके डीएवी डालटेनगंज और डीएवी कथारा के मैच में डीएवी कथारा ने जीत हासिल की.

14 वर्ष आयु वर्ग

- बालक वर्ग में एमके डीएवी डाल्टनगंज और डीएवी कथारा के मैच में डीएवी कथारा की टीम जीती

हैंडबॉल प्रतियोगिता जीत कर आज जमशेदपुर लौटेंगे ऑस्टिन

संवाददाता । जमशेदपुर

नेपाल के पोखरा में आयोजित तृतीय इंडो नेपाल इंटरनेशनल हैंडबॉल टेस्ट सीरीज प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष एवं महिला टीम ने नेपाल को हराकर चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम किया. पुरुष वर्ग में भारतीय टीम ने नेपाल को 27-11 गोल के अंतर से पराजित कर खिताब जीता था. भारतीय टीम में जमशेदपुर के एक खिलाड़ी ऑस्टिन डेनियल भी शामिल थे.

ऑस्टिन डेनियल जमशेदपुर के आदर्शनगर स्थित नारायण कॉम्प्लेक्स के निवासी हैं. ऑस्टिन डेनियल ने जमशेदपुर के बेलडीह चर्च स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और अब कोलकाता के भवानीपुर यूनिवर्सिटी से बीकॉम कर रहे हैं. नेपाल टीम को हराकर सोमवार को ऑस्टिन डेनियल अपने शहर जमशेदपुर लौटेंगे. परिवार के लोगों ने ऑस्टिन समेत पूरी टीम के सदस्यों को बधाई दी है. बता दें कि नेपाल के पोखरा में 26 से 28 नवंबर तक तृतीय इंडो नेपाल इंटरनेशनल हैंडबॉल टेस्ट सीरीज हैंडबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था.

तूफान 'मिगजॉम' का पड़ेगा असर

आओ जानें

10 क्रांतियां, जिनसे बदल गई दुनिया

1.	फ्रांस क्रांति	1789-1799
2.	रूसी क्रांति	1917
3.	चीनी क्रांति	1949
4.	क्यूबा क्रांति	1953-1959
5.	ग्लोरियस रिलोव्यूशन	1688
6.	टैपिंग रिबिलियन	1850-1864
7.	यंग टर्क रिवोल्यूशन	1908
8.	हैतियन क्रांति	1791-1804
9.	अमेरिकी क्रांति	1765-1783
10.	ईरानी क्रांति	1978-1979

नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराएगा तूफान मिगजॉम

कल आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा चक्रवात

भाषा। भुवनेश्वर

बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरा दबाव क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान 'मिगजॉम' में बदल गया और पांच दिसंबर तक इसके नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है. इस दौरान 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है. भारत मौसम विज्ञान (आईएमडी) ने एक बुलेटिन में यह जानकारी दी. उसने बताया कि इस च्रक्रवात के प्रभाव के कारण दक्षिणी ओडिशा के अधिकतर हिस्सों में एवं राज्य के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश की संभावना है. चक्रवात 'मिगजॉम' नाम म्यांमा ने सुझाया है और इसका अर्थ ताकत या लचीलापन है.

मौसम एजेंसी ने कहा कि दबाव क्षेत्र के कारण बनी प्रणाली पिछले छह घंटों के दौरान पांच किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ी और एक चक्रवाती तूफान में बदल गई जो सुबह साढ़े पांच बजे पुडुचेरी से लगभग 300 किलोमीटर पूर्व-दक्षिणपूर्व, चेन्नई से 310 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, नेल्लोर से 440 किलोमीटर दक्षिणपूर्व, बापटला से 550 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और मछलीपट्टनम से 550 किलोमीटर दक्षिणपूर्व में केंद्रित थी. इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते हुए और तेज होने और चार दिसंबर की दोपहर तक दक्षिणी आंध्र प्रदेश और उत्तरी तमिलनाडु तटों के पास पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में पहुंचने की संभावना है.

ओडिशा में भारी बारिश का अनुमान

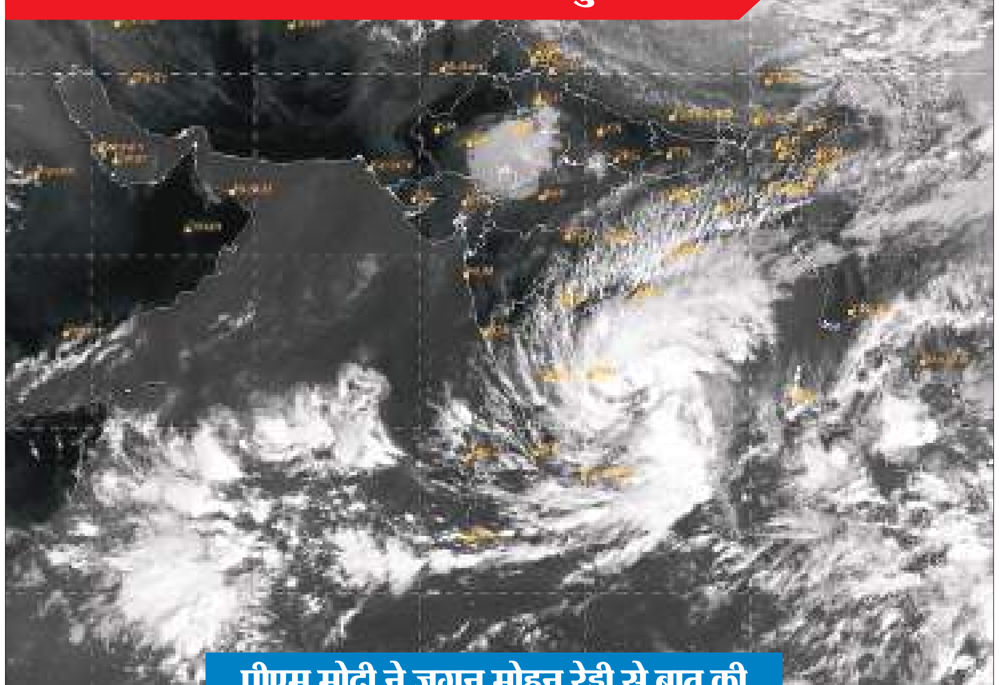

पीएम मोदी ने जगन मोहन रेड्डी से बात की

चक्रवात से निपटने की तैयारियों का जायजा लिया

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात 'मिचौंग' से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रविवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी से बात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया. मोदी ने शीर्ष अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि राज्य को हरसंभव मदद दी जाए. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक बुलेटिन में कहा कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र रविवार को चक्रवाती तूफान 'मिचौंग' में तब्दील हो गया और इसके पांच दिसंबर की सुबह नेल्लोर व मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट को पार करने की संभावना है.

तीन दिनों में ओडिशा में बारिश की तीव्रता बढ़ जाएगी

बुलेटिन में कहा गया है, इसके बाद यह उत्तर की ओर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट के लगभग समानांतर व करीब बढ़ेगा तथा पांच दिसंबर को पूर्वाह्न में 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से एक चक्रवाती तूफान के रूप में नेल्लोर और मछलीपट्टनम के बीच दक्षिण आंध्र प्रदेश तट से टकराएगा. इसके प्रभाव से ओडिशा में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी और चार से छह दिसंबर के दौरान दक्षिण तटीय और आसपास के दक्षिण आंतरिक ओडिशा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है और पांच दिसंबर को उसी क्षेत्र में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान है. क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, भुवनेश्वर के एक अधिकारी ने कहा, इसके प्रभाव से ओडिशा में तीन दिसंबर को बारिश फिर से शुरू हो सकती है और अगले तीन दिनों में इसकी तीव्रता बढ़ जाएगी. उन्होंने कहा कि रविवार को तटीय ओडिशा, नबरंगपुर, कालाहांडी और कंधमाल जिलों में एक या दो स्थानों पर या मलकानगिरी, कोरापुट, रायगडा, गजपति और गंजाम में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होगी. राज्य में चार दिसंबर को मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (सात से 11 सेंटीमीटर) होने की संभावना के मद्देनजर आईएमडी ने 'येलो अलर्ट' जारी किया है. आईएमडी ने बताया कि इसी तरह से मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम एवं पुरी में कई स्थानों पर मध्यम बारिश और गरज के साथ वर्षा का अनुमान है जबकि कंधमाल, नबरंगपुर, कालाहांडी, नयागढ़, खुर्दा, जगतसिंहपुर और कटक में कुछ स्थानों पर तथा राज्य के शेष हिस्सों के एक या दो स्थानों पर गरज के साथ बारिश हो सकती है.

आईएमडी ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया

आईएमडी ने पांच दिसंबर के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है. उसने पूर्वानुमान जताया कि मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा, गजपति और गंजाम के पांच जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (सात से 20 सेंटीमीटर) हो सकती है. राज्य सरकार ने सभी तटीय और दक्षिणी जिलाधिकारियों को अलर्ट पर रखा है और कृषि विभाग के तहत कार्यरत कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं. पूर्व तटीय रेलवे (ईसीओआर) ने बारिश और हवा की संभावना को देखते हुए अपने अधिकार क्षेत्र में54 ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है. मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे अगली सूचना दिए जाने तक समुद्र में न जाएं क्योंकि समुद्र में स्थिति बेहद खराब रहेगी.

क्षेत्रीय दलों में समाजवादी पार्टी ने सर्वाधिक संपत्ति घोषित की

▪ बीआरएस दूसरे स्थान पर

भाषा। नयी दिल्ली

खास बातें

- जदयू की संपत्ति बढ़कर 168 करोड़ रुपये हो गयी
- आप की संपत्ति बढ़कर 34.477 करोड़ हो गयी

देश के प्रमुख क्षेत्रीय दलों में समाजवादी पार्टी (सपा) ने वर्ष 2021-22 में सबसे अधिक संपत्ति घोषित की है, जबकि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) इस मामले में दूसरे स्थान पर रही. लोकतांत्रिक सुधारों के लिए काम करने वाले थिंकटैंक 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान सपा ने कुल 561.46 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की थी, जो 2021-22 में 1.23 फीसदी बढ़कर 568.369 करोड़ रुपये हो गई. बीआरएस ने वित्त वर्ष 2020-21 में 319.55 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2021-22 में 512.24 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति घोषित की. इन दो वर्षों के दौरान द्रविण मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक), बीजद और जदयू की कुल संपत्ति में 95 प्रतिशत की वृद्धि हुई. द्रमुक ने 2020-21 में 115.708 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की, जो 2021-22 में 244.88 प्रतिशत बढ़कर 399 करोड़ रुपये से अधिक हो गई. बीजू जनता दल ने 2020-21 में 194 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की थी, जो 2021-22 में 143% बढ़कर 474 करोड़ रुपये हो गई.

भारत की सफीना हुसैन को मिला 'वाइज' पुरस्कार

भाषा। नयी दिल्ली

गैर सरकारी संगठन 'एजुकेट गर्ल्स' की संस्थापक सफीना हुसैन को भारतीय गांवों में स्कूली पढ़ाई बीच में छोड़ देने वाली 14 लाख लड़कियों को मुख्यधारा की शिक्षा में वापस लाने के लिए प्रतिष्ठित 'वाइज' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और वह पांच लाख डॉलर की इनामी राशि वाला यह पुरस्कार पाने वाली पहली भारतीय महिला हैं. दिवंगत अभिनेता यूसुफ हुसैन की बेटी और फिल्म निर्माता हंसल मेहता की पत्नी सफीना को इस सप्ताह की शुरुआत में दोहा में 'वर्ल्ड इनोवेशन समिट फॉर एजुकेशन' (वाइज) शिखर सम्मेलन के 11वें संस्करण में कतर फाउंडेशन ने इस पुरस्कार से सम्मानित किया. यह शिक्षा के क्षेत्र में दिए जाने वाले सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है.

ब्रीफ खबरें

फिलीपीन में भूकंप से एक महिला की मौत

मनीला। दक्षिणी फिलीपीन में तेज भूकंप के कारण एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. भूकंप के कारण सुनामी की चेतावनी जारी किए जाने के बाद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर भागे. अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि शनिवार रात आए भूकंप की तीव्रता 7.6 थी और इसका केंद्र 32 किलोमीटर की गहराई में था.

मुंबई में इमारत में आग लगी, दो शव मिले

मुंबई। मुंबई पुलिस ने गिरगांव स्थित गोमती इमारत में एक दिन पहले आग लगने की घटना के सिलसिले में रविवार को दो आकस्मिक मृत्यु रिपोर्ट दर्ज की हैं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि आग लगने के स्थान से दो झुलसे हुए शव बरामद किए गए. प्रारंभिक जांच के अनुसार आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी. अधिकारी ने बताया कि रंगेकर रोड पर स्थित इमारत की तीसरी मंजिल पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे आग लग गई.

गढ़चिरौली में नक्सली ने एक की हत्या की

गढ़चिरौली (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में नक्सलियों ने 38 वर्षीय व्यक्ति की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. एक अधिकारी ने बताया कि कोरची तालुका के मोरकुटी गांव निवासी चमरा मडावी को शनिवार देर रात नक्सलियों ने उसके घर से उठा लिया और गांव के बाहरी इलाके में उसकी हत्या कर दी. पुलिस अधीक्षक (एसपी) नीलोत्पल ने कहा कि मडावी प्रतिबंधित संगठन का समर्थक था.

उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के बाद जारी किया अहम आदेश

सीमित अवधि के लिए राहत देना गैरकानूनी

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि जब कोई अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंचती है कि किसी आरोपी को मुकदमा लंबित रहने के दौरान जमानत पाने का अधिकार है तो केवल सीमित अवधि के लिए यह राहत देना 'अवैध' है और इस तरह के आदेश स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं. शीर्ष अदालत स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी तत्व (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 के तहत कथित अपराधों के लिए मुकदमे का सामना कर रहे एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी.

उसने कहा कि इस तरह के आदेशों से वादी पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है, क्योंकि उसे पहले दी गई राहत के विस्तार के लिए नई याचिका दायर करने के लिए मजबूर होना पड़ता है. न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने 29 नवंबर को पारित आदेश में कहा, जब कोई अदालत कहती है कि आरोपी को मुकदमा लंबित रहते हुए जमानत का अधिकार है तो केवल सीमित अवधि के लिए ही जमानत देना अवैध है. इस तरह के आदेश संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं. व्यक्ति ने उड़ीसा उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी. शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश का अध्ययन करने से पता चलता है कि न्यायाधीश ने यह निष्कर्ष निकाला था कि अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा होने का अधिकार है. पीठ ने कहा कि हालांकि, उसे 45 दिन के लिए अंतरिम जमानत दी गई.

धारा 6ए की वैधता का अध्ययन करेगी शीर्ष अदालत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय असम में अवैध प्रवासियों के संबंध में नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता का अध्ययन करने के लिए पांच दिसंबर को सुनवाई शुरू करेगा. असम समझौते के तहत लोगों की नागरिकता के संबंध में नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए को विशेष प्रावधान के रूप में समाविष्ट किया गया था. प्रावधान में प्रस्ताव है कि 1985 में संशोधित नागरिकता कानून के अनुसार एक जनवरी, 1966 को या इसके बाद, लेकिन 25 मार्च, 1971 से पहले बांग्लादेश समेत विशिष्ट क्षेत्रों से असम में आए लोगों को नागरिकता अधिनियम की धारा 18 के तहत पंजीकरण कराना चाहिए. परिणामस्वरूप प्रावधान में असम में बांग्लादेशी प्रवासियों को नागरिकता देने के लिए 'कट-ऑफ' तारीख 25 मार्च, 1971 तय की गई. शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर डाली गई सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मंगलवार को सुनवाई के लिए मामले को लिया.

जूनियर महमूद चौथे चरण के कैंसर से पीड़ित

मुंबई। चरित्र अभिनेता जूनियर महमूद पेट के चौथे चरण के कैंसर से पीड़ित हैं. प्रसिद्ध कॉमेडियन जॉनी लीवर ने रविवार को यह जानकारी दी. जूनियर महमूद का असली नाम नईम सैयद है और वह 'कारवां', 'हाथी मेरे साथी' और 'मेरा नाम जोकर' जैसी फिल्म में अभिनय कर चुके हैं. 67 वर्षीय अभिनेता ने 1966 में आई फिल्म 'मोहब्बत जिदंगी है' और 'नौनिहाल' (1967) में बाल कलाकार के तौर पर अपने अभिनय के करियर की शुरुआत की थी. जाने-माने कॉमेडियन दिवंगत महमूद ने सैयद को जूनियर महमूद का नाम तब दिया था, जब दोनों ने 1968 में आई फिल्म 'सुहागरात' में एक साथ काम किया था. जॉनी लीवर ने कहा कि उन्हें हाल ही में वरिष्ठ अभिनेता की बिगड़ती स्वास्थ्य स्थिति के बारे में पता चला. उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, वह (जूनियर महमूद) पेट के कैंसर से पीड़ित हैं. मैं नियमित रूप से उनके संपर्क में था, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का जिक्र नहीं किया.

दिव्यांगजनों को मिला नेशनल अवार्ड

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिव्यांगों को सशक्त बनाने पर बल दिया है. रविवार को नयी दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करते हुए, उन्होंने हा कि दुनिया की आबादी में 15 प्रतिशत लोग दिव्यांग हैं. राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि दिव्यांगजनों का संघर्ष और उनकी उपलब्धियां लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं. राष्ट्रपति ने दिव्यांगों के सशक्तिकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयासों के लिए लोगों, संस्थाओं, संगठनों, राज्य और जिले को कुल 30 पुरस्कार प्रदान किए.

रिपोर्ट

'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' थिंक टैंक की रपट

पाक में नवंबर में आतंकी हमलों में 34% की बढ़ोतरी

भाषा। इस्लामाबाद

खास बातें

- नवंबर महीने में पाकिस्तान में 63 आतंकी हमले हुए
- आतंकी हमलो में 83 लोगों के मारे जाने की भी खबर है
- मरने वालों में सुरक्षा बलों के 37 जवान शामिल थे

पाकिस्तान में नवंबर महीने में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और इस महीने देश में 63 आतंकवादी हमले हुए. एक थिंक टैंक की रिपोर्ट में रविवार को यह जानकारी दी गई. 'डॉन' समाचार पत्र ने 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (पीआईसीएसएस) थिंक टैंक के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि नवंबर में 63 आतंकवादी हमलों में 83 लोगों की मौत हुई, जिनमें सुरक्षा बलों के 37 जवान और 33 आम नागरिक शामिल थे. इस्लामाबाद से संचालित थिंक टैंक के अनुसार, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 53 आम नागरिकों और सुरक्षा बलों के 36 कर्मियों सहित 89 व्यक्ति घायल हुए.

अक्टूबर के आंकड़ों की तुलना में, नवंबर में आतंकवादी हमलों में 34 प्रतिशत की वृद्धि, मृतक संख्या में 63 प्रतिशत की वृद्धि और घायल व्यक्तियों की संख्या में 89 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने नवंबर में कम से कम 59 आतंकवादियों को मार गिराया और कम से कम 18 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया. आंकड़ों के अनुसार, 2023 के पहले 11 महीनों में 2022 की इसी अवधि की तुलना में आतंकवादी हमलों में 81 प्रतिशत की वृद्धि हुई है. इस दौरान घायलों की संख्या में भी 64 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई.

रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से नवंबर 2023 तक हुए 599 आतंकवादी हमलों में कुल 897 लोगों की मौत हुई और 1,241 लोग घायल हुए. पाकिस्तान का अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत आतंकवादी हमलों से सबसे अधिक प्रभावित हुआ और वहां 51 हमलों में 54 लोगों की मौत हुई और 81 लोग घायल हुए. बलूचिस्तान प्रांत में नौ हमले हुए जिनमें 18 लोगों की मौत हुई. इनमें सुरक्षा बलों के 15 जवान और तीन आम नागरिक शामिल थे.

ज्ञानवापी पर आदेश देने वाले जज के भाई को सुरक्षा मिली

भाषा। शाहजहांपुर (उप्र)

शाहजहांपुर जिले में तैनात दीवानी न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) को प्रशासन ने उनके आग्रह पर सुरक्षा उपलब्ध कराई है. दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर के बड़े भाई न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने वाराणसी के ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई की थी. पुलिस अधीक्षक (एसपी) अशोक कुमार मीणा ने रविवार को बताया कि शाहजहांपुर में तैनात दीवानी न्यायाधीश सीनियर डिवीजन (त्वरित न्यायालय) दिनेश कुमार दिवाकर ने इससे पूर्व पत्र लिखकर उन्हें अवगत कराया था कि उनके बड़े भाई रवि कुमार दिवाकर वाराणसी में दीवानी न्यायाधीश थे, जिन्होंने ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई करते हुए वर्ष 2022 में ज्ञानवापी परिसर में वीडियोग्राफी सर्वेक्षण के आदेश दिए थे. उन्होंने बताया कि पत्र में दीवानी न्यायाधीश ने इस बात का जिक्र किया है कुछ दिन पहले लखनऊ में उनके आवास के पीछे प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का एक एजेंट भी पकड़ा गया था, लिहाजा यहां उन्हें तुरंत सुरक्षा मुहैया कराई जाए. न्यायाधीश ने पत्र में यह भी कहा है कि उच्च न्यायालय ने उन्हें तथा उनके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करने के लिए पूर्व में आदेश भी दिया था. मीणा ने बताया की सिविल जज दिनेश कुमार दिवाकर को मांगी गई सुरक्षा शनिवार को उपलब्ध करा दी गई है.

तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को किया संबोधित

यह विकसित भारत के आह्वान की जीत

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन को ऐतिहासिक और अभूतपूर्व करार दिया और कहा कि यह जीत विकसित भारत के आह्वान और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की जीत है. प्रधानमंत्री चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पक्ष में नतीजे आने के बाद भाजपा मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे. इससे पहले पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूल बरसाकर उनका भव्य स्वागत किया. 'भारत माता की जय' के नारे के साथ अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा, आज की विजय ऐतिहासिक है, अभूतपूर्व है. आज सबका साथ, सबका विकास की भावना जीती है. आज विकसित भारत के आह्वान की जीत हुई है. आज आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की जीत हुई है. आज वंचितों को वरीयता के विचार की जीत हुई है. आज भारत के विकास के लिए राज्यों के विकास के सोच की जीत हुई है. आज ईमानदारी, पारदर्शिता और सुशासन की जीत हुई है.

मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी

पीएम मोदी ने कहा कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के लोगों ने भाजपा पर भरपूर विश्वास दिखाया है, तो तेलंगाना में भी भाजपा के प्रति समर्थन लगातार बढ़ रहा है .इन चुनावों में भाजपा ने मतदाताओं से जो वादे किए हैं, उन्हें शत-प्रतिशत पूरा करेगी. उन्होंने कहा, यह मोदी की गारंटी है. मोदी की गारंटी यानी गारंटी पूरा होने की गारंटी. तीनों राज्यों में महिलाओं, युवाओं, किसानों और गरीबों ने बढ़-चढ़कर भाजपा को समर्थन दिया है. उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में देश को जातियों में बांटने की बहुत कोशिश हुई. मैं लगातार कहता रहा हूं कि मेरे लिए देश में चार जातियां ही सबसे बड़ी जातियां हैं. इनमें हमारी नारी शक्ति, हमारी युवा शक्ति, किसान और गरीब परिवार हैं.

कार्यकर्ताओं ने मोदी-मोदी के नारे लगाए

उन्होंने कहा, इन चुनाव में इन चारों जातियों ने भाजपा की योजनाओं और भाजपा के रोडमैप को लेकर बहुत उत्साह दिखाया है. आज हर गरीब, हर वंचित, हर किसान और आदिवासी भाई-बहन यह सोचकर खुश है कि उसने जिसे वोट दिया, वह विजय उसकी अपनी है. आज पहली बार मतदान करने वाला मतदाता भी बड़े गर्व के साथ कह रहा है कि मेरा पहला वोट मेरे विजय का कारण बना है. भाजपा मुख्यालय पहुंचने के बाद कार्यकर्ताओं ने मोदी-मोदी और भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए. भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने मंच पर प्रधानमंत्री को माला पहयाया. इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद थे.

मोदी को गाली देने का मतलब ओबीसी समाज के लोगों को गाली देना : नड्डा

कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव की हर रणनीति पर काम किया. यह उनके नेतृत्व की जीत है. ये चुनाव बताते हैं कि देश में अगर किसी की गारंटी है तो सिर्फ मोदी की गारंटी है. इंडि अलायंस ओबीसी के नाम पर घडियाली आंसू बहाते हैं. वे यह भूल जाते हैं कि देश का पीएम ओबीसी है. कांग्रेस के नेता पीएम मोदी को गाली देते हैं. उनको गाली देने का मतलब, ओबीसी, पिछडी जाति के लोगों को गाली देना है.

आओ जानें

4 दिसंबर का इतिहास

- 1796 : बाजीराव द्वितीय पेशवा बनाए गए
- 1829 : वायसराय लॉर्ड विलियम बेंटिक ने सती प्रथा को समाप्त करने का ऐलान किया
- 1860 : गोवा में मरगाव के निवासी अगस्टिनो लॉरेंसो ने पेरिस विश्वविद्यालय से रसायन विज्ञान में डॉक्टरेट की उपाधि ली. वह विदेशी विश्वविद्यालय से डॉक्टरेट की उपाधि लेने वाले पहले भारतीय थे
- 1952 : इंग्लैंड में स्मॉग की घनी परत छाने के कारण हजारों लोगों की जान चली गई
- 1959 : भारत और नेपाल के बीच गंडक सिंचाई एवं विद्युत परियोजना पर हस्ताक्षर किए गए
- 1967 : देश के पहले रॉकेट 'रोहिणी आरएच 75' का थुम्बा से प्रक्षेपण किया गया
- 1977 : मिस्र के विरुद्ध अरब मोर्चे का गठन किया गया
- 1984 : हिज्बुल्ला आतंकवादियों ने कुवैत एयरलाइन के विमान का अपहरण कर चार यात्रियों की हत्या कर दी
- 1991 : लेबनान में अंतिम अमेरिकी बंधक को सात वर्ष की कैद के बाद रिहा कर दिया गया
- 1996 : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह की सतह के अध्ययन के लिए एक और अंतरिक्ष यान 'मार्स पाथफाउंडर' प्रक्षेपित किया
- 2006 : फिलीपीन में भीषण तूफ़ान के बाद ज़मीन धंसने से लगभग एक हजार लोगों की मौत
- 2008 : प्रसिद्ध इतिहासकार रोमिला थापर को क्लूज सम्मान के लिए चुना गया

'कांग्रेस की गारंटी खारिज मोदी की गारंटी पर भरोसा'

एजेंसी। नयी दिल्ली

राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्पष्ट जीत हासिल करने वाली भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने रविवार को कहा कि विधानसभा चुनावों में जनता ने 'कांग्रेस की गारंटी' को खारिज करते हुए 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा जताया है. पार्टी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि देश में एक ही गारंटी चलती है और वह है 'मोदी की गारंटी'. भाजपा के केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा, चुनाव परिणाम दिखाते हैं कि लोगों ने गारंटी देने की पीएम नरेंद्र मोदी की गारंटी को स्वीकार किया है. राजस्थान में भाजपा के चुनाव प्रभारी रहे जोशी ने कांग्रेस पर चुनाव से पहले किए गए वादों को लेकर भी निशाना साधा. जोशी ने कहा, लोगों ने तीन राज्यों में भाजपा को आशीर्वाद दिया, पीएम मोदी के नेतृत्व का समर्थन किया और कांग्रेस के झूठे वादों को खारिज कर दिया. एमपी के सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पीएम मोदी की चुनावी सभाएं एवं अपील जनता के दिल को छू गईं और ये रुझान उसका परिणाम हैं. उन्होंने कहा, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अचूक रणनीति और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के मार्गदर्शन में हमारे साथी कार्यकर्ता व पूरी टीम जुटी रही. इससे चुनाव अभियान को सही गति और दिशा मिली. भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम रमन सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को खारिज कर दिया. राजस्थान से भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का 'जादू' इस रेगिस्तानी राज्य में काम नहीं आया.

कांग्रेस ने कल दिल्ली में बुलाई विपक्ष की बैठक

एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव से पहले लिटमस टेस्ट माने जाने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में से 4 राज्यों परिणाम घोषित हो चुके हैं. राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भाजपा को बहुमत मिला है. ऐसे में 2024 के लोकसभा चुनाव में केंद्र की सत्ता से भाजपा को उखाड़ फेंकने की मंशा लिए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया को तगड़ा झटका लगा है. ऐसे में इंडिया की रणनीति में फेरबदल की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं. सूत्रों ने बताया है कि सोमवार को पांचों राज्यों के चुनाव परिणाम स्पष्ट हो जाने के बाद, 6 दिसंबर को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक बुलाई है.

लोकसभा चुनाव की रणनीति पर होगी चर्चा: सूत्रों ने बताया है कि विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद लोकसभा चुनाव को लेकर इस बैठक में गहन चर्चा होनी है. यह बैठक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर होगी. इसमें इंडिया के प्रमुख 14 दलों के नेता शामिल होंगे. सूत्रों ने बताया है कि बैठक को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने सहयोगी दलों के नेताओं से बात की है. माना जा रहा है कि इस बैठक में सीट बंटवारे को लेकर चर्चा हो सकती है.

गठबंधन के संयोजकों की होगी बैठक: आपको बता दें कि विधानसभा चुनाव के समय ही कांग्रेस अध्यक्ष ने साफ किया था कि 5 राज्यों मे चुनाव नतीजे आने के बाद विपक्षी गठबंधन की बैठक बुलाई जाएगी. वैसे तो इस गठबंधन में 26 पार्टियां हैं, लेकिन 14 दलों को मिला कर जो संयोजक समिति बनी है, उन्हीं की बैठक होनी है. माना जा रहा है कि विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारी और भाजपा के खिलाफ टूट पड़ने में विपक्षी गठबंधन कोई भी कोर कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहती.

रविवार को नई दिल्ली में कांग्रेस का मुख्यालय सूना-सूना सा नजर आया.

गठबंधन में शामिल हैं कौन-कौन से दल

भाजपा के नेतृत्व में केंद्र में चल रही एनडीए सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए, लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस, टीएमसी, राजद, जदयू, आप, सपा, डीएमके समेत 26 विपक्षी दल एक साथ आए हैं. इन विपक्षी दलों के गठबंधन को इंडिया नाम दिया गया है. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के सुझाव पर इंडिया की पहली बैठक पटना में हुई थी. जबकि दूसरी बैठक बेंगलुरु और तीसरी बैठक मुंबई में आयोजित की गई थी.

मिशन दस्तक से रूबरू हुए राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन

संवाददाता। आदित्यपुर

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने 111 सेव लाइफ अस्पताल आदित्यपुर द्वारा चलाए जा रहे मिशन दस्तक कैंसर मिटाओ अभियान की सराहना की है. उन्होंने उम्मीद जताया कि अस्पताल के अध्यक्ष डॉक्टर ओ पी आनंद के इस प्रयास से निचले तबके के लोगों को चिंहित कर उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया जा सकेगा. पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में आयोजित स्वास्थ्य मेला के दौरान राज्यपाल महामहिम सीपी राधाकृष्णन ने डॉक्टर ओ पी आनंद को स्वास्थ्य के क्षेत्र में सेवा देने हेतु सम्मानित किया. इस दौरान डॉक्टर ओ पी आनंद से मुलाकात की. डॉक्टर ओ पी आनंद ने राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन को अस्पताल द्वारा चलाए जा रहे मिशन दस्तक कैंसर मिटाओ अभियान के संबंध में जानकारी दी.

राज्यपाल ने डॉक्टर आनंद के प्रयासों को सराहा और कहा कि आपका यह प्रयास मानव हित में एक बड़ा कदम है. ज्ञात हो कि भाजपा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ दिनेशानंद गोस्वामी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में भाग लेने के लिए राज्यपाल बहरागोड़ा आए थे. जहां डॉक्टर ओ पी आनंद सहित अन्य चिकित्सकों को भी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया. मौके पर गायत्री शिक्षा निकेतन के अध्यक्ष सत्य प्रकाश सुधांशु को सामाजिक हित मे अपना योगदान देने के लिए भी सम्मानित किया गया.

कॅरियर-काउंसिलिंग

सोशियोलॉजी की पढ़ाई के बाद मिल सकते हैं कई आकर्षक जॉब

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद

एमए सोशियोलॉजी सोशल साइंस की एक ब्रांच है. एमए सोशियोलॉजी में छात्रों को किसी भी व्यक्ति या समाज के प्रति सोशल रिलेशन और सोशल ग्रुप्स के साथ उनके व्यवहार के बारे में वैज्ञानिक अध्ययन करते है. अगस्टे कॉम्टे वह पहले विद्वान थे, जिन्होंने ह्यूमन सोशल रिलेशन का वैज्ञानिक नाम 'समाज विज्ञान' का प्रयोग किया था. आसान शब्दों में कहा जाये तो ये एक ऐसा विज्ञान है, जिसमें मानव और सामाजिक संबंधों के बीच अध्ययन किया जाता है. सोशियोलॉजी यह जानने के लिए बहुत जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं, उसकी विसंगतियों को दूर कैसे किया जा सकता है ? इसी तरह यह हमें अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने एवं व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने के लिए तर्क संगत विचार सोशियोलॉजी के अध्ययन से आते हैं. वस्तुतः सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की प्रगति से ही जुड़ा होता है. इसलिए अगर करियर के लिहाज से देखें तो इस विषय का महत्व स्वतः ही बढ़ जाता है. मानव सभ्यता, संस्कृति, समाज, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हमें अपने वर्तमान को और अधिक बेहतर बनाने का मौका मिलता है. इन सभी विषयों के बारे में लोगों को शिक्षित कर उनका बेहतर समाजीकरण किया जा सकता है. इससे समाज में संस्कृति को संरक्षण मिलता रहता है.

भारत की टॉप यूनिवर्सिटीज

- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- गलगोटिया विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
- निम्स विश्वविद्यालय, जयपुर
- उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर
- तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर
- आरटीएमएनयू नागपुर
- राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय
- गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
- एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय, मुंबई
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- एलपीयू जालंधर
- लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी
- इग्नू दिल्ली
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- एमएसयू बड़ौदा
- महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा
- क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर
- बीएचयू वाराणसी
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय
- हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- डॉ बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, हैदराबाद
- मणिपाल विश्वविद्यालय (एमएएचई)
- मणिपाल उच्च शिक्षा अकादमी
- प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, कोलकाता
- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय
- महात्मा ज्योतिबा फुले रोहिलखंड विश्वविद्यालय, बरेली
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

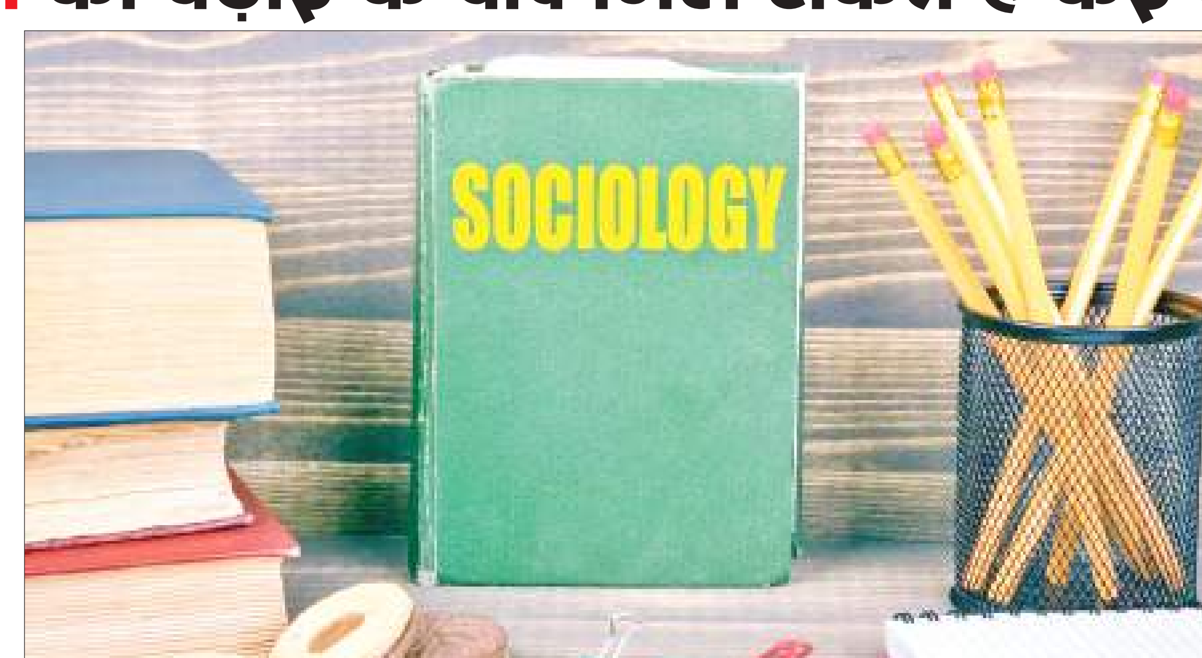

अन्य करियर के अवसर

- **शिक्षा :** समाजशास्त्र में मास्टर डिग्री प्राप्त करने के बाद, आप प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा में अपना पेशेवर करियर शुरू कर सकते हैं. एक स्कूल शिक्षक के रूप में, आप बच्चों की शिक्षा और विकास प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करेंगे और उन्हें सही रास्ते पर चलने के लिए परामर्श देंगे. स्कूल स्तर पर पढ़ाने के लिए आपको बी.एड डिग्री की आवश्यकता होगी. हालाँकि, यदि आप कॉलेज/विश्वविद्यालय व्याख्याता या प्रोफेसर बनने की इच्छा रखते हैं, तो आपको एम.फिल या पीएचडी की आवश्यकता होगी. समाजशास्त्र में. इस क्षमता में आप शिक्षण और अनुसंधान दोनों कार्य संभालेंगे.
- **परामर्श और चिकित्सा :** समाजशास्त्र के इच्छुक उम्मीदवार जो व्यक्तिगत स्तर पर सामुदायिक कार्य करने की इच्छा रखते हैं, वे परामर्श और चिकित्सा करियर में प्रवेश कर सकते हैं. हालाँकि मनोविज्ञान की डिग्री परामर्शदाता बनने का सामान्य मार्ग है, समाजशास्त्र के प्रमुख भी व्यवहार चिकित्सक और परामर्शदाता बन सकते हैं. चूंकि एक परामर्शदाता/चिकित्सक की भूमिका के लिए मजबूत पारस्परिक, संचार, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक सोच कौशल, सहानुभूति और धैर्य की आवश्यकता होती है, इसलिए समाजशास्त्र स्नातक इस भूमिका के लिए एक आदर्श विकल्प हैं. एक परामर्शदाता/चिकित्सक के रूप में, आप व्यक्तियों के विविध समूह के साथ मिलकर काम करेंगे, उनकी चुनौतियों को सुनेंगे और रचनात्मक समाधान खोजने में उनकी मदद करेंगे. परामर्शदाताओं/चिकित्सकों के विशिष्ट नियोक्ताओं में स्वास्थ्य सेवा प्रदाता, शैक्षणिक संस्थान, सरकारी एजेंसियां और गैर सरकारी संगठन, और स्वतंत्र परामर्श संगठन शामिल हैं.
- **परिवीक्षा और जेल सेवा :** अपराध और सजा के मुद्दों से निपटने में रुचि रखने वाले समाजशास्त्र स्नातक परिवीक्षा और जेल सेवा की नौकरियां ले सकते हैं. आमतौर पर, इस क्षेत्र में भूमिकाएं प्रशासन-केंद्रित होती हैं और इसमें अपराधियों (कैदियों) के साथ सीधा संपर्क शामिल होता है. जबकि परिवीक्षा अधिकारी गैर-हिरासत में सजा काट रहे या हाल ही में बरी किए गए अपराधियों से निपटते हैं, जेल अधिकारी जेलों के भीतर काम करते हैं, कैदियों की दैनिक गतिविधियों की निगरानी करते हैं. वे अपराधियों को प्रशिक्षण और परामर्श देते हैं, उनकी प्रगति का नियमित रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और दोबारा अपराध करने के जोखिमों का मूल्यांकन करते हैं.
- **सामुदायिक विकास :** व्यक्तिगत या पारिवारिक समर्थन पर ध्यान केंद्रित करने वाली सामाजिक सेवा भूमिकाओं के विपरीत, सामुदायिक विकास नौकरियां समुदाय के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना चाहती हैं. इस प्रकार, सामुदायिक कार्यकर्ता अक्सर एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के भीतर या उस क्षेत्र में रहने वाले समुदाय/समूह पर कार्य करते हैं.
- वे चुने हुए स्थान में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए डिज़ाइन की गई परियोजनाओं का संचालन और पर्यवेक्षण करते हैं. ऐसी परियोजनाओं में पीने के पानी की कमी, बढ़ती बेरोजगारी, संसाधनों तक असमान पहुंच आदि शामिल हो सकते हैं.सामुदायिक विकास कार्यकर्ता इन परियोजनाओं के लिए धन जुटाने और कार्यक्रम आयोजित करते हैं, समुदाय के भीतर विभिन्न समूहों के बीच मध्यस्थता करते हैं, और समुदाय के सदस्यों को अपने समाज के विकास में शामिल होने के लिए अपेक्षित प्रशिक्षण प्रदान करते हैं.
- **प्रशासनिक सेवाएं :** समाजशास्त्र में एमए के बाद नौकरी के कुछ उत्कृष्ट अवसर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), और भारतीय वन सेवा (आईएफएस) हैं. इन प्रशासनिक सेवाओं पर काम करने के लिए आपके अंदर समर्पण और जुनून होना चाहिए. आपको संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए अर्हता प्राप्त करनी चाहिए क्योंकि इस क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने के लिए यह आवश्यक है. वैकल्पिक रूप से, आप स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं में शामिल हो सकते हैं. प्रशासनिक सेवाओं से संबंधित कई प्रमुख नौकरी भूमिकाएं हैं, जिनके लिए आप समाजशास्त्र में एमए पूरा करने के बाद आवेदन कर सकते हैं. वे उप-विभागीय मजिस्ट्रेट, सहायक आयुक्त और जिला जनसंपर्क अधिकारी हैं. प्रशासनिक सेवाओं में एमए समाजशास्त्र के बाद कई सरकारी नौकरियां भी हैं.

एमए सोशियोलॉजी के बाद के अवसर

- परामर्श और चिकित्सा
- समाज सेवा एनजीओ
- परिवीक्षा और जेल सेवा
- सामुदायिक विकास
- मानव संसाधन प्रबंधक
- प्रोजेक्ट मैनेजर
- सार्वजनिक संबंधों के विशेषज्ञ
- पार्षद मार्गदर्शन
- प्रबंधन सलाहकार
- सर्वेक्षण शोधकर्ता
- समाज सेवक
- सामाजिक और सामुदायिक सेवा प्रबंधक
- सहयोगी सलाहकार
- बाजार अनुसंधान विश्लेषक
- शहरी और क्षेत्रीय योजनाकार
- नीति अधिकारी
- मादक द्रव्यों के सेवन, और मानसिक स्वास्थ्य परामर्शदाता
- अर्धन्यायिक

सोशियोलॉजी का उद्देश्य

- सामाजिक विशिष्टताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने की कोशिश करना
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक प्रवृतियों को दूर करने का प्रयास करना.
- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना

सोशियोलॉजी के अंतर्गत कोर्सेज

- इकॉनोमिक सोशियोलॉजी
- पोलिटिकल सोशियोलॉजी
- सोशियोलॉजी ऑफ किनशिप
- अप्लाइड सोशियोलॉजी
- सोशियोलॉजी ऑफ रिलीजन

परिवार, बाल विकास व कल्याण

परिवार और बाल विकास और कल्याण में कुछ व्यापक नौकरी भूमिकाएं हैं, जिनके लिए आप समाजशास्त्र में एमए पूरा करने के बाद आवेदन कर सकते हैं. वे परिवार या बाल विकास अधिकारी, पुनर्वास केंद्र में एक चिकित्सक या परामर्शदाता, जिला बाल संरक्षण सोसायटी में एक परिवीक्षा अधिकारी, एक विवाह परामर्शदाता और बहुत कुछ हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)